राजकीय सम्मान के साथ अजित पवार का अंतिम संस्कार - 12

वैश्वीकरण का अंत करीब स्वदेशी को टाल नहीं सकते - 12

भविष्य की ऊर्जा को लेकर दुनिया की नजरें भारत पर टिकीं : कैमेरा - 13

रणजी में जुरेल शतक से चूके, उत्तर प्रदेश ने बनाए 237 रन - 14

आज का मौसम 21.0° अधिकतम तापमान 10.0° न्यूनतम तापमान सूर्योदय 06.54 सूर्यास्त 05.50

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| कानपुर |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

माघ शुक्ल पक्ष द्वादशी 11:09 उपरांत त्रयोदशी विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 30 जनवरी 2026, वर्ष 4, अंक 160, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 5 रुपये

भारत उच्च वृद्धि की राह पर, 2026-27 में जीडीपी ग्रोथ 7.2% रहने का अनुमान

वित्त मंत्री सीतारमण ने संसद में पेश किया आर्थिक रिपोर्ट कार्ड

- कहा- व्यापक आर्थिक आधार मजबूत, वैश्विक चुनौतियों का सफलतापूर्वक किया सामना

नई दिल्ली, एजेंसी

लोकसभा में अर्थिक सर्वेक्षण पेश करतीं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद के बजट सत्र में गुरुवार को देश का 'आर्थिक रिपोर्ट कार्ड' पेश किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत का व्यापक आर्थिक आधार पहले से कहीं अधिक मजबूत है। देश ने वैश्विक चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना किया है, जिससे हमारी संभावित जीडीपी वृद्धि दर वित्त वर्ष 2026-2027 में 7.2% रहने का अनुमान है।

सीतारमण ने कहा, भू-राजनीतिक विखंडन व आर्थिक उथल-पुथल से भरी इस दुनिया में भारत एक वैश्विक चमकते सितारे के रूप में खड़ा है जो मजबूत, स्थिर और आगे बढ़ने वाला है। हमने वैश्विक प्रतिकूल परिस्थितियों का सफलतापूर्वक मुकाबला करते हुए भारत को उच्च वृद्धि पथ पर पहुंचाया है। आर्थिक समीक्षा के अनुसार, वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था ने मजबूत गति बनाए रखी है। एनएसओ (एनएसओ) के अनुमानों के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था 7.4 प्रतिशत की दर से बढ़ी है। भारत लगातार चौथे वर्ष सबसे तेजी से बढ़ने वाली दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है। समीक्षा ने देश के वृद्धि पूर्वानुमान को तीन साल पहले के 6.5 प्रतिशत से बढ़ाकर अब सात प्रतिशत कर दिया है। समीक्षा के अनुसार, जीएसटी में बदलाव और अन्य सुधारों ने वैश्विक अनिश्चितता को एक अवसर में बदल दिया है और अगला वित्त वर्ष समायोजन का वर्ष होगा क्योंकि अर्थव्यवस्था इन बदलावों के अनुकूल होगी। भारत के विभिन्न देशों के साथ किए गए कई मुक्त व्यापार समझौतों को देखते हुए, समीक्षा में कहा गया है कि व्यापार समझौतों की पूरी क्षमता का लाभ उठाने के लिए भारत को प्रतिस्पर्धी रूप से उत्पादन करना होगा।

इसमें कहा गया है कि यूरोप के साथ एफटीए भारत की विनिर्माण प्रतिस्पर्धी क्षमता, निर्यात क्षमता और रणनीतिक क्षमता को मजबूत करेगा। समीक्षा के अनुसार, ज्यादातर वर्षों में, बाहर से भेजा जाने वाला मनी ऑर्डर (रेमिटेंस) एफडीआई से अधिक रहा है। यह बाह्य वित्त पोषण के एक प्रमुख स्रोत के रूप में इसके महत्व को बताता है। परिणामस्वरूप, 2025-26 की पहली छमाही में चालू खाते का घाटा सकल घरेलू उत्पाद के 0.8 प्रतिशत पर बना हुआ है। प्रधानमंत्री जनधन योजना के अंतर्गत मार्च 2025 तक 55 करोड़ दो लाख बैंक खाते खोले गए हैं। वर्ष 2005 से 2024 के दौरान देश का वैश्विक व्यापार निर्यात एक प्रतिशत से लगभग दोगुना होकर 1.8 प्रतिशत हो गया है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा घरेलू उड़ान बाजार बना, हवाई अड्डों की संख्या 2014 से 74 से बढ़कर 2025 में 164 हुई। देश में इस समय 23 आईआईटी, 21 आईआईएम और 20 एम्स, जंजीबार और अबूधाबी में दो अंतर्राष्ट्रीय आईआईटी कैम्पस स्थापित हैं।

लगातार नौ बार बजट पेश करने वाली पहली महिला वित्त मंत्री होंगी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा लगातार नौवीं बार केंद्रीय बजट पेश करना भारत के संसदीय इतिहास में गौरव का विषय होगा। सीतारमण रविवार को संसद में 2026-27 का केंद्रीय बजट पेश करेंगी। ऐसा करने वाली वह देश की पहली महिला वित्त मंत्री होंगी। पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई ने 10 बार केंद्रीय बजट पेश किया था, जबकि पी. चिदंबरम ने नौ बार बजट पेश किया, लेकिन वह लगातार नहीं कर सके।

पिछले एक साल में 18,000 रोजगार मेलों के जरिए 2.22 करोड़ को मिला रोजगार : मांडविया

नई दिल्ली। सरकार ने कहा कि पिछले एक वर्ष के दौरान देशभर में आयोजित 18,000 से अधिक रोजगार मेलों के माध्यम से कुल 2.22 करोड़ लोगों को रोजगार उपलब्ध कराया गया। श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने राज्यसभा को प्रश्नकाल के दौरान यह जानकारी दी। पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए उन्होंने बताया कि देश में रोजगार सृजन बढ़ रहा है और बेरोजगारी दर घटकर 3.2 प्रतिशत रह गई है। बीते एक दशक में एनसीएस पोर्टल को मजबूत किया गया है और वर्तमान में इससे 55 लाख कंपनियां जुड़ी हुई हैं। वहीं 2024 के आंकड़ों के अनुसार देश में 64.33 करोड़ रोजगार अवसर उपलब्ध कराए गए।

भारत 'रिफॉर्म एक्सप्रेस' पर, दुनिया के लिए आशा की किरण बनकर उभर रहा : मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत दुनिया के लिए आशा की किरण बनकर उभर रहा है। साथ ही उन्होंने ईयू के साथ हुए एफटीए का उल्लेख करते हुए कहा कि यह महत्वाकांक्षी भारत के लिए है और देश के विनिर्माताओं को इस अवसर का लाभ उठाकर अपनी क्षमताएं बढ़ानी चाहिए। संसद के बजट सत्र के दूसरे दिन, मोदी ने कहा कि भारत 'रिफॉर्म एक्सप्रेस' पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। मोदी ने कहा कि उनके आलोचक भी सरकार की अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने की प्रतिबद्धता को स्वीकार करते हैं और सुधारों की यह परंपरा अगली पीढ़ी के सुधारों के साथ भी जारी रहेगी।

ब्रीफ न्यूज

नौसेना ने सर्वश्रेष्ठ मार्चिंग दल का पुरस्कार जीता

नई दिल्ली। इस वर्ष की गणतंत्र दिवस परेड में भारतीय नौसेना ने सशस्त्र बलों की तीनों सेवाओं में सर्वश्रेष्ठ मार्चिंग दल का पुरस्कार जीता है। नौसेना ने इस उपलब्धि को अथक प्रयास, समर्पण और अनुशासन का परिणाम बताया है। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की झांकी श्रेणी में महाराष्ट्र ने गणेशोत्सव की थीम पर आधारित अपनी झांकी के लिए पहला पुरस्कार जीता। वहीं, 'वंदे मातरम्' की 150 वर्ष की विरासत को दर्शाने वाली संस्कृति मंत्रालय की झांकी मंत्रालयों और विभागों की श्रेणी में विजेता रही। नौसेना अधिकारियों के अनुसार, नौसेना के मार्चिंग दल में 144 युवा कर्मी शामिल थे, जिन्होंने ऐतिहासिक कर्तव्य पथ पर कंधे से कंधा मिलाकर मार्च किया।

कांस्टेबल, हेड कांस्टेबल डेढ़ लाख रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने डूंगरपुर जिले में दोवडा थाने के पुलिस कांस्टेबल प्रकाश चन्द्र पटेल और हेड कांस्टेबल अशोक कुमार पाटीदार को डेढ़ लाख रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। ब्यूरो के पुलिस महानिदेशक गोविन्द गुप्ता ने गुरुवार को बताया कि एसीबी डूंगरपुर को परिवादी ने शिकायत की कि कांस्टेबल प्रकाश चन्द्र ने उसका मोबाइल फोन लेकर कहा कि वह लोकेन्टो खेलकर लोगो के साथ ठगी करता हैं और अब उसके खिलाफ मुकदमा चलेगा। अगर वह इससे बचना हैं तो दोवडा थाने में सीआई साहब से बात करके मुकदमा नहीं होने देंगे और इसकी एवज में उससे दो लाख रुपए की रिश्वत की मांग की जा रही है।

यूजीसी के नए नियमों पर रोक

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- हस्तक्षेप नहीं किया तो समाज में विभाजन पैदा होने के साथ खतरनाक प्रभाव पड़ेगा | अगले आदेश तक 2012 वाले नियम लागू रहेंगे, केंद्र सरकार को नया ड्राफ्ट तैयार करने के दिए निर्देश

- पीठ का सुझाव, प्रख्यात न्यायविदों की एक समिति द्वारा विनियमों पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने गुरुवार को विश्वविद्यालय परिसर में जाति आधारित भेदभाव को रोकने से संबंधित हालिया यूजीसी समानता विनियमन पर रोक लगा दी और कहा कि ये विनियम प्रथम दृष्टया अस्पष्ट प्रतीत होते हैं और इनका दुरुपयोग किए जाने की आशंका है। शीर्ष अदालत ने मौखिक रूप से टिप्पणी की कि अगर इस मामले में हस्तक्षेप नहीं किया गया तो इसका खतरनाक प्रभाव पड़ेगा और समाज में विभाजन पैदा होगा।

उच्चतम न्यायालय का यह आदेश उन विभिन्न याचिकाओं के बाद आया है जिनमें यह दलील दी गई थी कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने जाति-आधारित भेदभाव की गैर-समावेशी परिभाषा अपनाई है और कुछ श्रेणियों को संस्थागत संरक्षण से बाहर रखा है। इन नियमों के खिलाफ देश में विभिन्न स्थानों पर विरोध प्रदर्शन हुए जिसमें छात्र समूहों और संगठनों ने इन्हें तत्काल वापस लेने की मांग की। केंद्र और यूजीसी को नोटिस जारी करते हुए प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जे बागची की पीठ ने सुझाव दिया कि प्रख्यात न्यायविदों की एक समिति द्वारा विनियमों पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए। पीठ ने कहा, (केंद्र, यूजीसी को) नोटिस जारी करें और 19 मार्च तक जवाब दाखिल किए जाए।

सॉलिसिटर जनरल नोटिस स्वीकार करें, तब तक यूजीसी विनियम 2026 स्थगित रहेंगे और 2012 के विनियम लागू रहेंगे। सुनवाई के दौरान पीठ ने टिप्पणी की, प्रथम दृष्टया यही प्रतीत होता है कि विनियमन की भाषा अस्पष्ट है। विशेषज्ञों को भाषा में संशोधन करने की आवश्यकता है ताकि इसका दुरुपयोग न हो सके। उच्च शिक्षण संस्थानों में भेदभाव संबंधी शिकायतों की जांच करने और समानता को बढ़ावा देने के लिए सभी संस्थानों द्वारा समानता समितियां गठित करने को अनिवार्य बनाने संबंधी नए नियम 13 जनवरी को अधिसूचित किए गए थे। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (उच्च शिक्षा संस्थानों में समता के संवर्द्धन हेतु) विनियम, 2026 में यह अनिवार्य किया गया है कि इन समितियों में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) समुदाय से तथा दिव्यांग एवं महिला सदस्य शामिल होने चाहिए। नया विनियम यूजीसी (उच्च शिक्षण संस्थानों में समानता को बढ़ावा देना) विनियम, 2012 का स्थान लेने के लिए अधिसूचित किया गया था। 2012 के नियम मुख्य रूप से परामर्श वाली प्रकृति के थे। इन याचिकाओं में इस विनियम को इस आधार पर चुनौती दी गई कि जाति-आधारित भेदभाव को सिर्फ अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के सदस्यों के खिलाफ भेदभाव के रूप में ही परिभाषित किया गया है।

याचिकाओं में कहा गया है कि जाति-आधारित भेदभाव के दायरे को केवल अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग तक सीमित करके यूजीसी ने प्रभावी रूप से सामान्य या गैर-आरक्षित श्रेणियों से संबंधित व्यक्तियों को संस्थागत संरक्षण और शिकायत निवारण से वंचित कर दिया है जिन्हें उनकी जातिगत पहचान के आधार पर उत्पीड़न या पूर्वाग्रह का सामना करना पड़ सकता है। उच्चतम न्यायालय मृत्युंजय तिवारी, अधिवक्ता विनीत जिंदल और राहुल दीवान की ओर से दायर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (उच्च शिक्षा संस्थानों में समता के संवर्द्धन हेतु) विनियम, 2026 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा था।

आवारा कुत्तों से संबंधी पूर्व के आदेश में संशोधन संबंधी याचिका पर फैसला रखा सुरक्षित

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने आवारा कुत्तों के मामले में पहले दिए गए आदेशों में संशोधन का अनुरोध करने वाली कई याचिकाओं पर सुनवाई के बाद गुरुवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने न्यायमित्र गौरव अग्रवाल की दलीलें सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। अग्रवाल ने पीठ के समक्ष पंजाब, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और राजस्थान जैसे राज्यों द्वारा उठाए गए कदमों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। पीठ ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की ओर से पेश हुए अधिवक्ता की दलीलें भी सुनी, जिसमें 7 नवंबर, 2025 के उस निर्देश के अनुपालन का जिक्र था। अदालत ने प्राधिकरण को राष्ट्रीय राजमार्गों से आवारा पशुओं को हटाने और सड़कों के किनारे बाड़ लगाने के निर्देश दिये थे। न्यायालय ने भारतीय पशु कल्याण बोर्ड (एडब्ल्यूबीआई) को पशु आश्रय स्थलों या पशु जन्म नियंत्रण सुविधाओं के लिए अनुमति मांगने वाले गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) के आवेदनों पर कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। पीठ ने एडब्ल्यूबीआई का पक्ष रख रहे अधिवक्ता से कहा, या तो आप आवेदन स्वीकार करें या अस्वीकार करें, लेकिन इसे शीघ्रता से करें। शीर्ष अदालत ने यह टिप्पणी अधिवक्ता की इस दलील पर की कि सात नवंबर के आदेश के बाद, विभिन्न संगठनों से ऐसे आवेदनों में अचानक वृद्धि हुई है।

अयोध्या जेल की दीवार फांद दो बंदी फरार, जेल अधीक्षक समेत सात निलंबित

संवाददाता, अयोध्या कार्यालय

- विशेष बैरक में निरुद्ध थे दोनों रोशनदान की ईंट निकालकर पहुंचे जेल की दीवार तक
- कंबल व मफलर की रस्सी बना इमली के पेड़ के सहारे कूदे, सुबह 6 बजे गिनती के समय हुई जानकारी

अमृत विचार : जिला कारागार की सुरक्षा में सेंध लगाकर विशेष बैरक में निरुद्ध दो बंदी दीवार फांदकर फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही जनपद में हड़कंप मच गया। फरार बंदियों की तलाश में पुलिस की तीन टीमों का गठन किया गया है। मामले में डीजी जेल पीसी मीणा ने वरिष्ठ जेल अधीक्षक यूपी मिश्रा, जेलर जेके यादव और डिप्टी जेलर मयंक त्रिपाठी समेत एक हेड वार्डर और तीन वार्डर को निलंबित कर दिया है।

घटना की जानकारी गुरुवार सुबह छह बजे तब हुई, जब बंदियों व कैदियों की गिनती की जा रही थी। इस दौरान विशेष बैरक नंबर एक की कोठरी नंबर चार में एक साथ बंद शेर अली निवासी अमेरमऊ थाना करौंदी कला जिला सुल्तानपुर व गोलू अग्रहरि उर्फ सूरज निवासी मुसाफिरखाना थाना मुसाफिरखाना जिला अमेठी लापता मिले। जब उनके बैरक की जांच की गई तो उसका रोशनदान टूटा मिला। उसमें से 15-20 ईंटे निकली हुई थीं। पता चला कि दोनों बंदी इसमें से निकलकर जेल की दीवार तक गए व बाहर लगा इमली का एक सूखा पेड़, जिसकी डाल जेल के अंदर तक आई थी, उस पर कंबल व मफलर की रस्सी बनाकर उसके सहारे बाहर निकल गए। मौके पर पहुंचे वरिष्ठ जेल अधीक्षक यूपी मिश्र, जेलर, डिप्टी जेलर ने जेल की तलाशी ली व कैदियों व बंदियों से पूछताछ की। भागने वाले स्थान पर हरियाली व अंधेरा होने के कारण सीसीटीवी फुटेज से भी कुछ हासिल नहीं हुआ।

लापरवाही स्वीकारी संबल, सरिया बरामद

डीआईजी जेल ने जेल प्रशासन की भारी लापरवाही को स्वीकार किया। बताया कि दोनों बंदी रोशनदान की ईंट निकालकर कंबल व मफलर की रस्सी के सहारे जेल की दीवार कूदकर फरार हुए हैं। मौके से एक संबल, सरिया, बांस बरामद हुआ है। निलंबित किए गए सातों के खिलाफ विभागीय जांच के आदेश भी दिए गए हैं। बंदी शेर अली हत्या के एक मामले में दो साल व गोलू पॉक्सो एक्ट के तहत दर्ज एक मुकदमे में जिला कारागार में निरुद्ध थे। कोतवाली नगर में केस भी दर्ज कराया गया है।

चांदी चार लाख के पार, सोना 1.83 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम

नई दिल्ली, एजेंसी

- मेटल की कीमतों में गुरुवार को आई तूफानी तेजी

राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में गुरुवार को चांदी की कीमतें चार लाख रुपये प्रति किलोग्राम के पार पहुंच गईं, जबकि सोना 1.83 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के नए शिखर पर पहुंच गया। यह बढ़ोतरी वैश्विक बाजारों में तेज उछाल और सुरक्षित निवेश मानी जाने वाली इन परिसंपत्तियों के लिए निवेशकों की मजबूत मांग के कारण हुई।

अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, चांदी में लगातार चौथे सत्र में तेजी जारी रही और यह 19,500 रुपये, या 5.06 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 4,04,500 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी कर सहित) पर पहुंच गई। चांदी बुधवार को 3,85,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। 99.9% शुद्धता वाला सोना भी 12,000 रुपये, या 7.02 प्रतिशत बढ़कर 1,83,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।

सोने की वैश्विक मांग 5,000 टन से अधिक

मुंबई। वैश्विक स्तर पर सोने की मांग 2025 में 5,000 टन से अधिक होकर एक नए सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गई है। विश्व स्वर्ण परिषद की गुरुवार को जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। रिपोर्ट के अनुसार, कुल सोने की मांग 2025 में 5,002 टन के नए सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गई, जो पिछले वर्ष 4,961.9 टन थी।

दिल्ली दंगा मामले में ताहिर व दो अन्य की जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने दिल्ली दंगों की बड़ी साजिश के मामले में तीन आरोपियों - सलीम मलिक, अतहर खान और आम आदमी पार्टी (आप) के पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन की जमानत याचिकाएं गुरुवार को खारिज कर दीं। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश समीर बाजपेयी आरोपियों की जमानत याचिकाओं की सुनवाई कर रहे थे और उन्होंने जमानत देने से इनकार कर दिया।

उच्चतम न्यायालय की ओर से इसी मामले में पांच अन्य आरोपियों को जमानत दिए जाने के बाद तीनों आरोपियों ने जमानत याचिकाएं दायर की थीं, जिसमें उन्होंने दलील दी है कि उन पर समान आरोप हैं। इन तीनों आरोपियों पर गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत 2020 के दंगों में कथित संलिप्तता के आरोप लगाए गए हैं।

बैठक | शिक्षा जगत से जुड़े 15 लाख लोगों को राहत, योगी कैबिनेट ने 32 में से 30 प्रस्तावों को दी मंजूरी

शिक्षकों और कार्मिकों को 5 लाख रुपये तक मुफ्त इलाज

- चीनी मिलों की क्षमता बढ़ाने समय से भुगतान और नई चीनी मिलें खोलने पर भी लगी मुहर
- शहरी विकास, आवास, सड़क औद्योगिक निवेश और पुनर्विकास से जुड़े फैसलों से बढ़ेगा रोजगार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

लोकभवन में मंत्रिपरिषद की बैठक की अध्यक्षता करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में गुरुवार को लोकभवन में हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में 32 प्रस्तावों पर चर्चा के बाद 30 को मंजूरी दे दी गई, जबकि चौथा और 17वां प्रस्ताव स्थगित कर दिए गए। सबसे अहम फैसला 15 लाख से अधिक शिक्षकों और शिक्षणेत्तर कर्मियों के लिए रहा। बेसिक, माध्यमिक और संस्कृत शिक्षा परिषद से मान्यता प्राप्त सरकारी, गैर-सरकारी और अनुदानित विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों, शिक्षामित्रों, रसोइयों समेत अन्य कर्मियों को सपरिवार 5 लाख रुपये तक का कैशलेस मेडिकल बीमा कवर मिलेगा। इसके साथ ही चीनी मिलें खोलने, क्षमता बढ़ाने व समय से भुगतान समेत शहरी विकास, आवास, सड़क, औद्योगिक निवेश और पुनर्विकास से जुड़े फैसलों से रोजगार सृजन को नई दिशा दी गई।

मंत्रिपरिषद की बैठक के बाद वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह और माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी ने पत्रकारों को फैसलों की जानकारी दी। बताया गया कि बेसिक शिक्षा परिषद, माध्यमिक शिक्षा परिषद व संस्कृत शिक्षा परिषद के सभी मान्यता प्राप्त अनुदानित, स्ववित्तपोषित विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक (व्यावसायिक शिक्षा के विषय विशेषज्ञ व मानदेय शिक्षक सहित) इस सुविधा के दायरे में आएंगे। योजना के तहत आईपीडी (अंतःरोगी) इलाज की कैशलेस सुविधा सरकारी अस्पतालों के साथ-साथ साचीज़ से जुड़े निजी अस्पतालों में भी उपलब्ध होगी।

इलाज की दरें प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत जन आरोग्य योजना और राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के मानकों के अनुरूप होंगी। योजना का लाभ कर्मियों के आश्रितों को भी मिलेगा। इसमें शिक्षामित्रों, विशेष शिक्षकों, अनुदेशकों, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों की वार्डेन, पूर्णकालिक/अंशकालिक शिक्षक-शिक्षिकाओं व प्रधानमंत्री पोषण योजना के रसोइयों और उनके आश्रितों को भी योजना में शामिल किया गया है। अनुमान है कि बेसिक शिक्षा परिषद के 11.95 लाख से अधिक शिक्षक-कर्मी इससे लाभान्वित होंगे।

सत्यापन के बाद योजना का लाभ

स्ववित्तपोषित मान्यता प्राप्त विद्यालयों के शिक्षकों को सत्यापन के बाद योजना का लाभ मिलेगा। इसके लिए जिलों में जिला विद्यालय निरीक्षक और बेसिक शिक्षा अधिकारी की अध्यक्षता में समितियां गठित होंगी। जो कर्मी पहले से किसी अन्य केंद्र/राज्य स्वास्थ्य योजना (आयुष्मान भारत/मुख्यमंत्री जन आरोग्य) से आच्छादित हैं, उन्हें इस योजना का लाभ नहीं मिलेगा।

यूपी विधानमंडल का बजट सत्र नौ से

योगी मंत्रिपरिषद ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए राज्य विधानमंडल का बजट सत्र 9 फरवरी से आयोजित करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी है। 11 फरवरी को बजट पेश किया जाएगा। अब इसपर अंतिम निर्णय राज्यपाल आनंदीबेन पटेल लेंगी।

न्यूज ब्रीफ

अज्ञात महिला का शव मिला

रामनगर (चित्रकूट)। रैपुरा थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह उस वक्त सनसनी फैल गई जब एक खेत के पास युवती का शव पड़ा मिला। जानकारी के अनुसार ग्राम भौंरी के मजरा वीहराम का पुरवा के पास स्थानीय लोगों ने खेत के किनारे युवती का शव देखा। ग्रामीणों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। रैपुरा पुलिस मौके पर पहुंची और शव बरामद किया। युवती की शिनाख्त नहीं हो सकी। पुलिस आसपास के गांवों में पूछताछ कर रही है और गुमशुदगी की रिपोर्टों से भी शव की शिनाख्त कराने का प्रयास किया जा रहा है। थाना प्रभारी आशुतोष तिवारी ने बताया कि युवती की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा।

ग्रामीणों ने एसडीएम से की शिकायत

कन्नौज। विकास खंड के ग्राम पंचायत रामपुर निगोह में विकास कार्यों को लेकर ग्रामीणों में भारी रोष है। गुरुवार को दर्जनों ग्रामीणों ने एसडीएम को प्रार्थना पत्र देकर ग्राम प्रधान और उनके प्रतिनिधियों पर गंभीर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए। ग्रामीणों का कहना है कि मनरेगा, शौचालय निर्माण और इंटरलॉकिंग सड़कों के नाम पर सरकारी बजट का दुरुपयोग किया गया है। ये कार्य केवल कागजों पर दिखाए गए हैं, जबकि वास्तव में गांव में कोई ठोस काम नहीं हुआ।

विकास प्राधिकरण पर लगाये भ्रष्टाचार के आरोप

डीएम से शिकायत करने पहुंचे श्री लैना बाबा सोसाइटी के लोग

जिलाधिकारी के पास जाते श्री लैना बाबा सोसाइटी के लोग। अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता चित्रकूट

अमृत विचार। चित्रकूट विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण में भ्रष्टाचार, अनियमितता की शिकायत लेकर गुरुवार को श्री लैना बाबा सोसायटी के लोग मुख्यालय पहुंचे। जिलाधिकारी को पत्र सौंपकर प्राधिकरण में फैले कथित भ्रष्टाचार की उच्चस्तरीय जांच की मांग की। संस्था के लोगों का आरोप है कि विकास के नाम पर सरकारी सिस्टम में घोटाले का जाल फैलाया जा रहा है।

शिकायती पत्र में अध्यक्ष विक्रम सिंह ने आशीष कुमार पांडेय की शिकायत पर जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। इसके अलावा सोसाइटी का आरोप है कि आदर्श यादव को अवर अभियंता सिविल का काम दिया गया है, वह मैकेनिकल ट्रेड का है। इसके द्वारा मानचित्र स्वीकृत किए जा रहे हैं, जबकि विकास प्राधिकरण में पीडब्ल्यूडी के सिविल ट्रेड के दो अवर अभियंता संबद्ध हैं। सोसाइटी के लोगों ने सेवानिवृत्त लेखाकार की संविदा पर श्री चित्रकूटधाम तीर्थ विकास परिषद में तैनाती और फिर प्राधिकरण में संबद्धता पर भी सवाल उठाए हैं। यह भी आरोप लगाया है कि सोसाइटी द्वारा मांगी गई आरटीआई का जवाब नहीं दिया जा रहा है। इन लोगों ने जिलाधिकारी से टीम गठित कर प्रकरणों की जांच करने का अनुरोध किया है। इनकी मांग है कि आदर्श यादव से चार्ज हटाया जाए और राकेश कुमार गुप्ता मानचित्रकार को वरिष्ठ लिपिक पद से हटाया जाए। सेवानिवृत्त लेखाकार से वेतन के रूप में ली गई धनराशि शासन के पक्ष में जमा कराई जाए।

अहंकारी लोगों का अंत हिरण्यकश्यप की तरह होता है

संवाददाता, राजपुर चित्रकूट

- हरीशनपुर में श्रीमद् भागवत कथा का पांचवां दिन

अमृत विचार। हरीशनपुर में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के पांचवें दिन कथा व्यास रामबालक ने भक्त प्रह्लाद की कथा का वर्णन किया। बताया कि अहंकार मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु है। जो लोग अहंकार करते हैं, उनका अंत भी हिरण्यकश्यप की तरह हो जाता है।

कथावाचक ने बताया कि मां कयाधु के ब्रह्मषि नारद के आश्रम में रहने से गर्भ में ही प्रह्लाद ईश्वर की भक्ति में लीन हो गए थे। पिता हिरण्यकश्यप ने भक्ति से दूर करने के लिए तरह-तरह की यातनाएं दीं पर इसके बाद भी उन्होंने भगवान की भक्ति नहीं छोड़ी। यहां तक की उनकी बुआ होलिका अपने भाई के कहने पर वरदान में दी गयी चुनरी ओढ़कर प्रह्लाद के साथ जलती हुई आग में बैठ गई। भगवान की कृपा से चुनरी ने भक्त प्रहलाद को बचा लिया जबकि होलिका जलकर मर गई। जब प्रह्लाद की मौत नहीं हुई तो स्वयं उसने एक खंभे को गर्म कराकर भक्त प्रहलाद को खंभे से लिपटने के लिए कहा और स्वयं तलवार लेकर उसको मारने को खड़ा हो गया। प्रह्लाद की पुकार सुनकर खंभा फट गया और खंभे के अंदर से नरसिंह भगवान प्रकट हो गये और उन्होंने हिरण्यकश्यप का वध कर डाला। जागो राखे साइयां मार सके नहीं कोय।

कथावाचक रामबालक। अमृत विचार

मध्यस्थता अभियान को सफल बनाने के निर्देश

चित्रकूट। राष्ट्र के लिए मध्यस्थता अभियान-2.0 के संबंध में जिला जज, अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शेषमणि शुक्ला ने न्यायिक अधिकारियों को अभियान को सफल बनाने के लिए निर्देशित किया। इला चौधरी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने बताया कि राष्ट्र के प्रति मध्यस्थता अभियान 1.0 के दौरान चित्रकूट में अधिक से अधिक मामलों का सफलता पूर्वक निस्तारण किया गया था। उसी क्रम में द्वितीय चरण का अभियान चलाया जा रहा है, जिससे अधिक से अधिक वादों का सुलह समझौते के आधार पर शीघ्र निस्तारण एवं समाधान किया जा सके। लोगों से अपील की कि जिनके वाद लंबित हैं, वे न्यायालय में उपस्थित होकर मध्यस्थता केंद्र में संदर्भित कराकर सुलह समझौते के आधार पर निस्तारण करा सकते हैं।

छात्र को पीटने पर शिक्षक और बहन को पीटा

चित्रकूट। एक प्रश्न का उत्तर न दे पाने पर छात्र के साथ हुई कथित मारपीट अब विवाद का रूप ले चुकी है। छात्र के बाद शिक्षक पर भी हमले के आरोप लगे हैं।

जानकारी के अनुसार, कर्वी कोतवाली क्षेत्र के सरदार वल्लभ भाई पटेल इंटर कालेज चकमाली में कक्षा 10 के छात्र से एक सवाल पूछा गया था। आरोप है कि छात्र जवाब नहीं दे सका, जिससे नाराज होकर शिक्षक ने उसकी पिटाई कर दी। परिजनों का आरोप है कि मारपीट से छात्र का हाथ फ्रैक्चर हो गया। छात्र को अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना की खबर मिलते ही छात्र के घरवालों में आक्रोश फैल गया और स्कूल में भी तनाव का माहौल बन गया। बताया जा रहा है कि घटना के बाद विद्यालय प्रबंधन के दबाव में शिक्षक अपनी बहन के साथ छात्र के घर पहुंचा। शिक्षक पक्ष का आरोप है कि छात्र के परिजनों ने उन्हें घर के गैराज में बंद कर दिया और रॉड से मारापीटा। इससे उसे और बहन को चोटें आईं।

वहीं छात्र पक्ष का कहना है कि शिक्षक की गलती ने उनके बच्चे को इस स्थिति में पहुंचा दिया। कोतवाली प्रभारी श्याम प्रताप पटेल ने बताया कि दोनों पक्षों की ओर से तहरीर थाने में दी गई है। पुलिस मेडिकल रिपोर्ट और बयान के आधार पर जांच कर रही है।

न्यायालय उप जिलाधिकारी
छिबरामऊ, जनपद कन्नौज

वाद सं0– टी202603400200002
अन्तर्गत धारा– 117उ0प्र0रा0सं0
मौजा– अमोलर, परगना– तालग्राम, तहसील– छिबरामऊ, जनपद– कन्नौज

श्रीमती प्राची आदि
बनाम
योगेन्द्र सिंह आदि

1. श्रीमती प्रियंका पत्नी अमित कुमार पुत्री ओमकार निवासी 145 नजदीक रामदुलारी कालेज मो0 दुर्गा प्रसाद वार्ड व पोस्ट वीसलपुर जनपद पीलीभीत।,
2. बदन सिंह पुत्र सोवरन सिंह निवासी आर्य नगर पानीपत हरियाणा।

चुंकि उपनामांकित वादिनी श्रीमती प्राची पत्नी प्रियांशू पटेल आदि निवासी अमोलर परगना तालग्राम तहसील छिबरामऊ जनपद कन्नौज के द्वारा अद्योहस्ताक्षरी के न्यायालय में वाद योजित किया गया है। अतएव् आप सर्वसाधारण को एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि आप आवेदन के विरूद्ध हेतु संदर्भित के लिये दिनांक 05–02–2026 को 10: 00 बजे पूर्वाहन में स्वयं या सम्यक रूपेण अनादिष्ट अपने अधिवक्ता सहित प्रस्तुत कर सकते है, और ऐसा करने में असफल होने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय माना जायेगा और विधिक रूपेण आदेश पारित कर दिया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित अमल आज दिनांक 23–01–2026 को जारी की गई।

ज्ञानेन्द्र कुमार द्विवेदी
उप जिलाधिकारी छिबरामऊ।

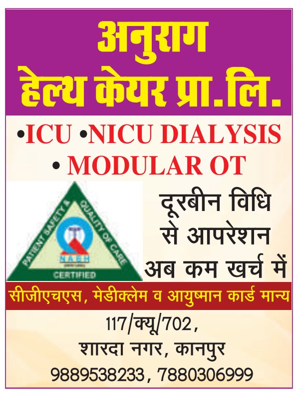

निर्माण की धीमी रफ्तार से खफा डीएम, पत्राचार करने के निर्देश

बेसिक शिक्षा विभाग के विभिन्न निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक करते डीएम आशुतोष मोहन अग्निहोत्री, सीडीओ राम कृपाल चौधरी व मौजूद बीएसए और बीईओ। अमृत विचार

अमृत विचार। कलेक्ट्रेट के गांधी सभागार में बेसिक शिक्षा विभाग के विभिन्न निर्माण कार्यों एवं शैक्षिक योजनाओं की प्रगति समीक्षा हुई। जिलाधिकारी आशुतोष मोहन अग्निहोत्री ने कार्यदायी संस्था की ओर से धीमी प्रगति पर नाराजगी जताई। साथ ही बीएसए को निर्देश दिए कि संबंधित संस्था के खिलाफ शिथिलता संबंधी पत्राचार किया जाए।

21 दिव्यांगजन शौचालय, 10 अतिरिक्त कक्ष, 07 पीएस व 01 यूपीएस का पुनर्निर्माण होगा

डीएम ने परिषदीय विद्यालयों में स्वीकृत 21 दिव्यांगजन सुलभ शौचालय, 10 अतिरिक्त कक्षा-कक्ष, 07 प्राथमिक विद्यालयों के पुनर्निर्माण, 01 उच्च प्राथमिक विद्यालय के पुनर्निर्माण, मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालयों तथा कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों में स्वीकृत 04 कंप्यूटर लैब, 01 टॉयलेट ब्लॉक, वॉलीबॉल ग्राउंड एवं बैडमिंटन कोर्ट के निर्माण कार्यों की प्रगति समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी निर्माण कार्य मार्च 2026 तक पूर्ण किए जाएं। कार्यों की साप्ताहिक प्रगति रिपोर्ट अनिवार्य रूप से तलब की है।

जिलाधिकारी ने कहा कि जिस प्रकार स्मार्ट सिटी एवं स्मार्ट विलेज की अवधारणा पर कार्य किया जा रहा है, उसी प्रकार स्मार्ट स्कूलों के विकास पर भी विशेष ध्यान देना आवश्यक है।

बैठक में सीडीओ रामकृपाल चौधरी, बीएसए संदीप कुमार, बीईओ सदर मधुलिका बाजपेयी, उमर्दा विपिन कुमार, जलालाबाद शिवेंद्र वर्मा, सौरिख विश्वनाथ पाठक व छिबरामऊ आनंद द्विवेदी उपस्थित रहे।

बालिका विद्यालयों की भी प्रगति जानी

जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद के 05 कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों की छात्राओं के शैक्षिक उन्नयन के लिए प्रति विद्यालय 1.72 लाख रुपये आईआईटी कानपुर शैक्षिक भ्रमण के लिए मिले हैं। निर्देश दिए हैं कि यह भ्रमण 15 से 25 फरवरी तक पूरा किया जाए। साथ ही लग्जरी बस, छात्राओं के साथ तैनात होमगार्ड, आवास, नाश्ता एवं भोजन सहित समस्त व्यवस्थाओं की विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। बीईओ को निर्देश दिए कि एमडीएम के तहत आवंटित एवं शेष धनराशि का ब्योरा अगले दिन तक उपलब्ध कराया जाए। इसके अलावा बीएसए को शासन से नामित 146 अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों का ऑडिट कर विवरण प्रस्तुत करने के भी निर्देश दिए गए।

कार की टक्कर से साइकिल सवार युवक घायल

गुरसहायगंज। कार के चालक ने साइकिल सवार युवक को टक्कर मार दी। इससे युवक घायल हो गया। उसे नगर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

गढ़िया कछपुरा निवासी संतोष कुमार मिरगावां जीटी रोड स्थित दुकान से सामान खरीदने जा रहा था। गुरुवार की दोपहर हाईवे पर मिरगांवा ओवरब्रिज स्थित कट पर कानपुर से छिबरामऊ की ओर जा रही कार चालक ने तेजी व लापरवाही से उसके टक्कर मार दी। इसके बाद चालक वाहन लेकर फरार हो गया। इससे साइकिल सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंचे परिजनों ने घायल को निजी अस्पताल में भर्ती कराया। दुर्घटना की सूचना पर पहुंचे मझपुर्वा चौकी प्रभारी विनोद कुमार कश्यप ने जांच शुरू कर दी।

जिलेभर के बूथों पर कल चलेगा विशेष अभियान

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

अमृत विचार। जिला निर्वाचन अधिकारी आशुतोष मोहन अग्निहोत्री ने बताया कि विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण 2026 (एसआईआर) कार्यक्रम के तहत दावे एवं आपत्तियां प्राप्त करने के लिए 31 जनवरी (शनिवार) को विशेष अभियान है।

इस दौरान आलेख्य मतदाता सूची को देखा भी जा सकेगा। मतदाताओं से दावे एवं आपत्तियां प्रपत्र-6, 7 एवं 8 पर निर्धारित घोषणा पत्र (अनुलग्नक-IV) के साथ प्राप्त की जाएंगी। विशेष अभियान में गणना अवधि के दौरान अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृतक एवं डुप्लीकेट (एएसडी) श्रेणी में चिह्नित वोटरों की सूची भी सभी बूथों पर रहेगी। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि मतदाता सूची में यदि कहीं कोई त्रुटि, कमी अथवा विसंगति पाई जाती है, तो उसे दूर करने के लिए आवश्यक प्रक्रिया पूरी की जाएगी। उन्होंने बताया कि सभी मतदेय स्थलों पर बीएलओ के साथ-साथ मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के बीएलए भी रहेंगे। विशेष अभियान के दौरान बीएसए संदीप कुमार, डीपीओ राजेश वर्मा, डीआईओएस पप्पू सरोज एवं डीपीआरओ राजेंद्र प्रकाश को निर्देश दिए गए हैं कि संबंधित विद्यालयों, पंचायत भवनों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों को समय से आधा घंटा पहले खोल दिया जाए। मतदाता किसी भी समस्या या जानकारी के लिए मतदाता टोल फ्री नंबर 1950 (एसटीडी कोड-05694) अथवा लैंडलाइन नंबर 05694-236467 पर संपर्क कर समाधान ले सकते हैं।

न्यूज ब्रीफ

दूध लेकर जा रहे गाड़ी चालक को दबंगों ने पीटा

सौरिख। दूध लेकर जा रहे वाहन चालक को रास्ते में घेर कर दबंगों ने बेवजह गाली गलौज किया। गाली देने से मना किया तो मारपीट कर घायल कर दिया। पीड़ित ने थाने पहुंच प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की। थाना ठठिया के गांव नया पुरवा निवासी प्रांशु उर्फ लाला पुत्र रक्षपाल यादव ने थाने में प्रार्थना पत्र देते हुए बताया 29 जनवरी की सुबह अपनी गाड़ी से दूध लेकर गांव बिलंदपुर से तिर्वा के लिए जा रहा था। जैसे ही मेरी गाड़ी हसेरन रोड ढकापुर्वा–नादेमऊ के बीच पहुंची थी तभी रास्ते में खार पहिया वाहन लिए खड़े सोबिन उर्फ अनुपम पुत्र विनोद यादव निवासी हरिभानपुर चौकी नादेमउ व तीन अज्ञात लोग मेरी गाड़ी को रोक कर बेवजह गाली गलौज देने लगे। गाली देने से मना किया है तो लाठी डंडों से मारपीट करने लगे मैंने फोन करने का प्रयास किया तो उक्त लोगों ने मेरा फोन भी तोड़ दिया और जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गए।

विधायक ने 225 किसानों को दलहनों के बीज बांटे

कन्नौज। विधायक ने 225 किसानों को दलहनों के निशुल्क मिनी किट बीज वितरित किए। प्रदेश सरकार के निर्देश पर खंड विकास सभागार में निशुल्क बीज गोदाम का कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रदेश सरकार के निर्देश पर खंड विकास सभागार में निशुल्क बीज गोदाम पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पहले आओ, पहले पाओ के तहत ऑन लाइन रजिस्ट्रेशन कराने वाले किसानों को विधायक कैलाश राजपूत ने मूंगफली, उड़द, मूंग के उन्नत किस्म के संशोधित मिनी किट बीज का वितरण किया। इसमें 116 किसानों मूंगफली, 63 किसानों को मूंग व 46 किसानों को उड़द के बीज नि:शुल्क प्रदान किए गए। इस अवसर भाजपा जिलाध्यक्ष वीर सिंह भदौरिया सहित कई लोग मौजूद रहे।

हाईवे पर ओवरलोड ट्रकों के चालान काटतीं एआरटीओ इज्या तिवारी। अमृत विचार

ओवर लोडिंग में पांच वाहनों पर 3.47 लाख रुपये का जुर्माना

कार्यालय संवाददाता कन्नौज

अमृत विचार। एआरटीओ ने पांच ओवरलोड वाहनों के चालान किये। इन वाहनों पर 3.47 लाख रुपये का जुर्माना किया गया।

गुरुवार की सुबह एआरटीओ इज्या तिवारी टीम के साथ हाईवे पर वाहन चेकिंग को निकलीं। इस दौरान उन्होंने कई ट्रकों को रोका। इस दौरान उनका वजन कराया तो ओवरलोड निकले। इस पर उन्होंने संबंधित वाहनों के चालान काट दिये। चेतावनी दी कि ओवरलोड वाहन लेकर न चलें। इससे दुर्घटना होने की आशंका बनी रहती है। उन्होंने इन वाहनों पर ओवर लोडिंग में 3.47 लाख रुपये का चालान काट दिया।

कहा कि यदि दोबारा ओवर लोड वाहन लेकर निकले तो अधिक जुर्माना लगाया जायेगा। उन्होंने कहा कि वह अब नियमित चेकिंग करेंगी। यदि ओवर लोड वाहन मिला तो उसे वख्शा नहीं जायेगा।

नील गाय की हत्या में पांच पर प्राथमिकी दर्ज

तिर्वा, कन्नौज। ठठिया थाना क्षेत्र के बिहारीपुर गांव में बुधवार देर शाम वन्यजीव (नीलगाय) की गोली मारकर हत्या किए जाने के मामले में पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है।

वन दरोगा सूर्य प्रताप सिंह की तहरीर पर ठठिया पुलिस ने थाना क्षेत्र के रपरा गांव निवासी मान सिंह, पिपरौली गांव निवासी धनपाल, गुरहिया गांव निवासी धर्मेंद्र, कानपुर नगर के बिल्हौर थाना क्षेत्र अंतर्गत सिउरा गांव निवासी जग्गा तथा उसकी पत्नी के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई है। क्षेत्रीय ग्रामीणों के अनुसार बीते चार वर्षों से वन्यरोज का शिकार कर उसका मीट बेचा जा रहा है। हालिया घटना में मुख्य आरोपी के रूप में सामने आए जग्गा को इस अवैध कारोबार का मास्टरमाइंड बताया जा रहा है। जांच की जा रही है।

एसआईआर में मिली नोटिस के जवाब देने पहुंचे लोग

तिर्वा। एसआईआर में वोट कटने के बाद सभी को नोटिस जारी किये गये। इस का जवाब मांगा गया तो केंद्र पर लोगों की भीड़ लग गई।

निर्वाचन आयोग के निर्देश पर एसआईआर से छूटे मतदाताओं को बीएलओ ने नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। मतदाता अपने निवास प्रमाण पत्र, परिवार रजिस्टर की नकल, महिला से मायके की 2003 मतदाता सूची की डिटेल लेकर ब्लाक मुख्यालय पहुंचीं तो भीड़ लगने लगी। छूटे मतदाताओं ने आरोप लगाया कि डेढ़ माह पूर्व सभी कागज व सूचनाएं बीएलओ को दी थी लेकिन उसका नाम काट कर नोटिस थमा दिया गया। ब्लाक प्रमुख अजय वर्मा के पिता चंद्रप्रकाश उम्र 80 वर्ष का नाम भी मतदाता सूची में शामिल नहीं है उन्हें भी बीएलओ ने नोटिस दिया है। इसी तरह पलियोरा निवासी 55 वर्ष की विमला, 40 वर्ष की शिव कुमारी, 40 वर्ष के गोबिंद के वोट कटने की बात कही गई है।

यूजीसी के विरोध में कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन करते सवर्ण संगठनों के पदाधिकारी व लोग।

यूजीसी के विरोध में सवर्ण संगठनों ने कलेक्ट्रेट में किया प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता कन्नौज

अमृत विचार। यूजीसी के विरोध में अखिल भारतीय सवर्ण महासभा व कर्णी सेना ने कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन किया। सरकार से आरपार की लड़ाई लड़ने रो बिगुल फूंका है। बाद में राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा है।

बुधवार को अखिल भारतीय सवर्ण महासभा व कर्णी सेना ने यूजीसी के विरोध में कलेक्ट्रेट में एकत्र हुए। यहां उन्होंने नारेबाजी कर यूजीसी को वापस लिये जाने की मांग की। बाद में राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। मांग की है यूजीसी काले कानून को वापस लिया जाये। यदि ऐसा नहीं किया जायेगा तो सवर्ण आंदोलन के लिये विवश होंगे। इस मौके पर अखिल भारतीय सवर्ण महा सभा के डा. आशीष शुक्ला, अशित गुप्ता, रिंकू तिवारी, बीरेंद्रसिंह भदौरिया, राम रतन तिवारी, आशुतोष सिंह बैस, अनुकल्प सिंह, ओमी चतुर्वेदी, अवनीश मिश्रा, गजेंद्र, संजय सिंह, अनुज मिश्रा समेत सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

माघी पूर्णिमा, महाशिवरात्रि पर लगेगी आपदा मित्रों की ड्यूटी

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

- डीएम ने आगामी पर्वों को लेकर अधिकारियों के साथ की बैठक
- संत रविदास व शब-ए-बरात की तैयारियों को लेकर चर्चा

अमृत विचार। डीएम आशुतोष मोहन अग्निहोत्री ने कलेक्ट्रेट के गांधी सभागार में आगामी पर्वों को लेकर कानून व्यवस्था एवं शांति समिति की बैठक की। कहा कि 01 फरवरी को माघी पूर्णिमा एवं संत रविदास जयंती है। इसे ध्यान में रखते हुए व्यवस्थाएं समय से पूरी कर लें।

बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि घाट पर टॉयलेट, चेंजिंग रूम, लाइट की व्यवस्था तथा घाट की सफाई अच्छे से होनी चाहिए। घाट पर बैरिकेडिंग जाल व उस पर झंडे लगे होने चाहिए। उन्होंने कहा कि गोताखोर टीम के साथ ही आपदा मित्रों की भी ड्यूटी मेले में लगाई जाए। मेले में मेडिकल टीम की भी तैनाती की जाए। पार्किंग एवं ट्रैफिक प्लान की तैयारी पहले से ही कर ली जाए। कहा है कि प्रभागीय वानिकी अधिकारी से समन्वय स्थापित कर गंगा आरती का आयोजन कराया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि संत रविदास जयंती को ध्यान में रखते हुए जनपद में संत रविदास एवं अन्य महापुरुषों के स्थलों व सफाई अच्छे से करा दी जाए। 04 फरवरी को शब-ए-बरात को लेकर मजारों/ कब्रिस्तानों पर साफ-सफाई एवं प्रकाश की व्यवस्था कराई जाए। जिलाधिकारी ने महाशिवरात्रि पर अधिक भीड़ भाड़ वाले मंदिरों पर स्वास्थ्य कैंप लगाने को भी कहा। मंदिर कमेटी के साथ महाशिवरात्रि पर व्यवस्था देखने में आपदा मित्रों से सहयोग लिया जाएगा। बैठक में एसपी विनोद कुमार समेत कई अधिकारी मौजूद रहे।

अनदेखी

बारिश के चलते भर गया पानी, ऑटो से आने जाने वाले यात्रियों के खराब हो रहे कपड़े

बारिश ने तिर्वा क्रासिंग पर खोली विकास कार्य की पोल

कार्यालय संवाददाता कन्नौज

अमृत विचार। तिर्वा क्रासिंग बारिश में तालाब बन गई है। यहां आटो स्टैंड होने से यात्रियों को वाहन पर बैठने में दिक्कत होती है। स्टैंड स्थल पर पानी भर जाने से यात्रियों के कपड़े खराब हो रहे हैं। नगर पालिका ने यहां पर सीसी ईंट नहीं बिछाई है।

सरायमीरा तिर्वा क्रासिंग पर आटो स्टैंड स्थापित किया गया है। रोजना सैकड़ों लोग प्रति दिन बेला, दिबियापुर, औरैया, तिर्वा समेत कई स्थानों की ओर निकलते हैं। खास बात यह है कि पास में जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक समेत जिले के आला अधिकारियों के कार्यालय व आवास भी हैं। इतना ही नहीं कन्नौज विधायक का कार्यालय भी निकट में है। इसके बाद भी तिर्वा क्रासिंग का विकास नहीं किया गया है। ओवरब्रिज के नीचे सड़क का निर्माण न कराये जाने से यहां पानी भरा रहता है। बीते दिन हुई बारिश का पानी यहां पर भर गया है। इसी बारिश के पानी में ऑटो खड़े हो रहे हैं। सबसे अधिक दिक्कत यात्रियों को होती है जो आटो पकड़ कर जाना चाहते हैं। उनको बारिश के पानी या कीचड़ से होकर गुजरना पड़ता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्रासिंग बंद होने के बाद अब वही लोग आते जाते हैं जिन को कन्नौज शहर जाना हो या सरायमीरा और रेलवे स्टेशन जाना होता है। वह लोग कीचड़ से होकर निकलते हैं। यही नहीं दो पहिया वाहन लेकर निकलने वाले लोग फिसल कर गिर रहे हैं। इससे उनको चोट लग रही है। नगरपालिका की ओर से कन्नौज की ओर ओवर ब्रिज के नीचे सीसी ईंट लगवा कर विकास कराया गया है पर तिर्वा की ओर विकास नहीं कराया जा रहा है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि कई बार शिकायतें की गईं, ज्ञापन दिए गए, लेकिन नतीजा नहीं निकला।

तिर्वा क्रासिंग पर आटो स्टैंड स्थल पर भरा बारिश का पानी। अमृत विचार

न्यूज ब्रीफ

मृतकों के शव घर पहुंचते ही कोहराम

फर्रुखाबाद। कस्बा अमृतपुर में बीते दिवस हुए एक सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। दोनों के शव पोस्टमार्टम के बाद गांव पहुंचे, जिससे पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद गुरुवार तड़के 4 बजे उनके शव गांव लाए गए। शवों के घर पहुंचते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई। माता-पिता, भाई-बहन और अन्य रिश्तेदारों का रो-रोकर बुरा हाल था। सुबह होते ही अमृतपुर सहित आसपास के गांवों से सेकड़ों की संख्या में लोग मृतकों के घर पहुंचने लगे। उन्होंने शोकाकुल परिजनों को ढांढस बंधाया और अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं।

ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर में महिला घायल

कायमगंज। गन्ना लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर से एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई हैं। उन्हें तत्काल डॉ. राममनोहर लोहिया जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। घायल महिला कम्पिल थाना क्षेत्र के बहलोलपुर गांव निवासी 48 वर्षीय धन देवी को आवास विकास स्थित अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात डॉक्टरों ने धन देवी की गंभीर हालत को देखते हुए तत्काल उनका इलाज शुरू कर दिया। धन देवी ने बताया कि वह अपने घर से कम्पिल कस्बे में रहने वाले अपने बीमार साढू को देखने पैदल जा रही थीं। गांव रायपुर के पास एक गन्ना लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली ने उन्हें टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में वह गंभीर रूप से घायल हो गईं। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें 108 एंबुलेंस द्वारा अस्पताल पहुंचाया गया।

श्रीरामनगरिया में बढ़ी मरीजों की संख्या

फर्रुखाबाद। पांचालघाट पर लगे श्रीरामनगरिया मेले में बारिश के बाद सर्दी, खांसी और बुखार के मरीजों की संख्या में वृद्धि हुई है। गुरुवार को मेले में बने अस्थाई अस्पताल में गुरुवार सुबह तक लगभग 221 मरीज इलाज के लिए पहुंचे। विकास खंड बढ़पुर क्षेत्र के पांचालघाट गंगातट पर श्रीरामनगरिया मेला आयोजित किया गया है। मंगलवार शाम से शुरू हुई रुक-रुक कर बारिश बुधवार सुबह तक जारी रही, उसके बाद गुरुवार को घना कोहरा छा गया, जिससे क्षेत्र में ठंड बढ़ गई। प्रशासन द्वारा स्वास्थ्य विभाग की ओर से मेले में एक अस्थाई अस्पताल स्थापित किया गया है। अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर एकांश चतुर्वेदी ने गुरुवार को बताया कि बारिश के कारण सर्दी बढ़ने से खांसी, जुकाम और बुखार के मरीजों की संख्या में इजाफा हुआ है। अधिकांश मरीजों का परीक्षण कर उन्हें दवाएं दी जा रही हैं।

कार्यशाला में दिलाई स्वच्छता की शपथ

फर्रुखाबाद। समर्थ सामाजिक संस्था की बैठक एशियन कम्प्यूटर सभागार में सम्पन्न हुई, जिसमें छात्र-छात्राओं को स्वच्छता की शपथ दिलाई गयी। संस्था के सचिव रोहित कुमार सफफ़ड़ ने सभी विद्यार्थियों को सम्पूर्ण भारत देश को और फर्रुखाबाद जनपद को अपना घर समझने ,जानने और मानने का आवाहन किया। अध्यक्ष सुरेंद्र पांडेय ने सभी को कभी भी और कहीं भी गंदगी नहीं करने और किसी और व्यक्ति को भी गंदगी नहीं करने देने एवं गंदगी फैलाने वाले व्यक्ति के सामने ही स्वयं आगे बढक़र उस गंदगी को साफ़ करने का संकल्प दिलाया ।इस मौके पर स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर संस्था सदस्य श्रीमती वैशाली सफफ़ड़, श्रीमती सिमरन सिंधी आदि उपस्थित रहे ।

तीन लोगों ने खाया विषाक्त पदार्थ, तीनों की हालत गंभीर

कायमगंज। कायमगंज कोतवाली क्षेत्र में तीन लोगों ने कीटनाशक पदार्थ का सेवन कर लिया। जिससे तीनों की हालत गंभीर है। कोतवाली क्षेत्र के गांव जिजपुरा निवासी सुनील (40) क्षेत्र के गांव लहरा निवासी रुवीना (19) पत्नी वारिस अली व क्षेत्र के गांव जिराऊ निवासी अनूप कुमार (28) ने संदिग्ध हालत में कीटनाशक पदार्थ का सेवन कर लिया जिससे तीनों की हालत गंभीर हो गई। जैसे ही परिजनों को जानकारी हुई तो गंभीर हालत में तीनो को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कायमगंज में भर्ती कराया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टर ने तीनों की गंभीर हालत को देखते हुए फर्रुखाबाद स्थित लोहिया अस्पताल के लिए रेफर कर दिया।

चोरों ने मकान से लाखों के नकदी-जेवर किए पार

शमशाबाद थाना क्षेत्र के मोहल्ला कोटला में हुई चोरी की घटना

संवाददाता फर्रुखाबाद

अमृत विचार। शमशाबाद थाना क्षेत्र के मोहल्ला कोटला निवासी नाजिम़ पुत्र आबिद अली के घर देर रात चोर बेखौफ होकर दीवार के सहारे दाखिल हुए और सोने-चांदी के कीमती आभूषणों सहित हजारों की नगदी पर हाथ साफ कर फरार हो गए, जबकि परिवार घर में सोता रहा।

शमसाबाद कस्बे के मोहल्ला कोटला निवासी नाजिम़ पुत्र आबिद अली अपने परिवार सहित घर में सो रहे थे। देर रात अज्ञात चोर पीछे की दीवार के सहारे मकान में दाखिल हुए। उन्होंने घर के अंदर घुसकर अलमारी का ताला तोड़ा और चोरी की वारदात को अंजाम दिया। घर के मालिक नाजिम़ के मुताबिक चोरों ने बक्से और अलमारी की तिजोरी तोडक़र चांदी के दो जोड़ी तोड़े , सोने की दो जोड़ी झुमकी, सोने की दो जोड़ी कान की बाली और आवश्यक कार्य के लिए रखी 10,000 रुपये की नगदी चुरा ली।

- पुलिस टीम ने घटनास्थल पर जांच-पड़ताल की

चोरों द्वारा खाली किए गये गहनों के पर्स।

शमसाबाद थाना अध्यक्ष ने बताया कि पुलिस टीम घटनास्थल पर जांच-पड़ताल के लिए गई थी। पुलिस अपने स्तर पर मामले की जांच कर रही है।

देशी शराब ठेके पर चोरी का प्रयास

फर्रुखाबाद। रामपुर जुगराजपुर गांव में स्थित देसी शराब के ठेके पर चोरों ने एक बार फिर पुलिस की गश्त और सुरक्षा व्यवस्था को खुली चुनौती दी है। बुधवार रात चोरों ने ठेके के ताले तोडक़र दूसरी बार चोरी का प्रयास किया। बताते चलें कि पहले भी इसी ठेके पर चोरी की घटना हो चुकी है फिर भी पुलिस कोई कार्रवाई या सुरक्षा इंतजाम नहीं कर सकी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू करने की औपचारिकता निभाई। ठेका मालिक प्रदीप गुप्ता ने जानकारी दी कि ठेके के ताले टूटे हुए थे और चोरों ने टूटे ताले को वहीं ठेके के पास फेंक दिया था।

जया एकादशी पर श्रद्धालुओं ने गंगा में लगाई डुबकी

फर्रुखाबाद। जया एकादशी के अवसर पर कड़ाके की ठंड के बावजूद गुरुवार को श्रद्धालुओं ने विभिन्न गंगा घाटों पर आस्था की डुबकी लगाई।

जया एकादशी के पर्व को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए थे। श्रद्धालुओं को आवागमन में कोई परेशानी न हो, इसके लिए बुधवार रात से ही जिले की सीमाओं पर भारी और मालवाहक वाहनों को रोका जा रहा था। गुरुवार सुबह से ही घना कोहरा छाया रहा और सर्द हवाएं चलती रहीं। इसके बावजूद, गंगा घाट पर श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई। सुबह के समय भीड़ कम थी, लेकिन जैसे-जैसे दिन चढ़ा, श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ती गई। दोपहर तक बड़ी संख्या में श्रद्धालु स्नान के लिए गंगा घाट पर पहुंचे। पुलिस बल भी मुस्तैद रहा और गहरे पानी में जाने से रोकने के लिए लगातार घोषणाएं की जा रही थीं। इसके अलावा, दूरबीन से भी निगरानी की गई और प्रत्येक घाट पर पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

यूजीसी कानून के विरोध में उतरे अधिवक्ता, दिया ज्ञापन

कलेक्ट्रेट में तख्ती लिए प्रदर्शन करते अधिवक्ता। अमृत विचार

संवाददाता फर्रुखाबाद

अमृत विचार। यूजीसी कानून के विरोध में अधिवक्ता भी उतर आए हैं।

ज्ञापन में अधिवक्ताओं ने यूजीसी के एक कानून को तत्काल समाप्त करने की मांग की। उन्होंने तर्क दिया कि यह कानून जाति आधारित भेदभाव को केवल अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग तक सीमित करता है। अधिवक्ताओं के अनुसार, इस नियम के तहत सामान्य वर्ग के लोगों को जातिगत भेदभाव की शिकायत करने का अधिकार नहीं है, जिससे सवर्ण समाज के साथ भेदभाव हो रहा है।ज्ञापन में बताया गया कि इस नियम में गलत शिकायत पाए जाने पर भी किसी सजा का प्रावधान नहीं है। अधिवक्ताओं ने आशंका व्यक्त की कि झूठी शिकायतों से नौकरी की इच्छा रखने वाले छात्रों का करियर बर्बाद हो सकता है। उन्होंने बीएनएसएस कानून के दुरुपयोग का भी हवाला दिया। अधिवक्ताओं ने इस कानून को आरक्षण की तरह एकतरफा नीति बताया, जो जातिगत समरसता को तोडऩे का काम करती है। उन्होंने कहा कि यह संवैधानिक मूल ढांचे के भी खिलाफ है। इस मौके पर कई लोग मौजूद रहे।

मानदेय वृद्धि को लेकर कार्यकत्रियों ने सौंपा ज्ञापन

फर्रुखाबाद। बढ़पुर ब्लाक में प्रदेश संगठन के आह्वान पर आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं ने गुरुवार को प्रदर्शन किया। उन्होंने नगर मजिस्ट्रेट कार्यालय पहुंचकर नगर मजिस्ट्रेट संजय बंसल को मुख्यमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में मुख्य रूप से मानदेय बढ़ाने की मांग की गई है। कार्यकत्रियों के लिए 24,000 और सहायिकाओं के लिए 12 हजार रुपये मानदेय निर्धारित करने की अपील की गई। इसके साथ ही, उन्हें सरकारी कर्मचारी का दर्जा दिए जाने की भी मांग उठाई गई।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने भविष्य निधि, पेंशन और चिकित्सा अवकाश जैसी सुविधाएं प्रदान करने की भी मांग की। उन्होंने योग्यता और वरिष्ठता के आधार पर पदोन्नति तथा आयु सीमा की वैधता समाप्त करने की भी अपील की। संघ ने पोषण ट्रैकर ऐप पर ऑनलाइन कार्य के लिए नवीनतम मोबाइल फोन और हर माह डाटा भत्ता देने की भी मांग की।

बिजली का तार गिरने से महिला व बालक झुलसे

संवाददाता अमृतपुर

अमृत विचार। कस्बा अमृतपुर में गुरुवार को बिजली विभाग की घोर लापरवाही एक बड़े हादसे का कारण बन गई। तारों मे स्पार्किंग के चलते ढीले व लटकते बिजली के तार आपस में भिड़ गए जिससे तेज आवाज के साथ तार टूटकर सडक़ पर गिर पड़ा। उसी समय वहां मौजूद एक महिला और एक बच्चा उसकी चपेट में आ गया। जिससे दोनों को तेज करंट लग गया और वे गंभीर रूप से झुलस गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसे में घायल हुई महिला की पहचान छोटी बिटिया पत्नी जयप्रकाश कश्यप तथा घायल बालक की पहचान देवांश पुत्र रामबरन कश्यप के रूप में हुई। दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजेपुर ले जाया गया, जहां चिकित्सकों द्वारा उनका उपचार किया जा रहा है। चिकित्सकों के अनुसार दोनों की हालत नाजुक बनी हुई है।स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में लंबे समय से जर्जर बिजली के तार लटके हुए हैं और कई बार इसकी शिकायत बिजली विभाग से की जा चुकी है। लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। लोगों का आरोप है कि यदि समय रहते तारों की मरम्मत कराई जाती तो यह हादसा टल सकता था। घटना की सूचना बिजली विभाग के जेई शिवम तिवारी को दी गई। जिसके बाद उन्होंने तत्काल प्रभाव से क्षेत्र की बिजली सप्लाई बंद करवाई गई । स्थानीय नागरिकों ने मांग की है कि दोषी कर्मचारियों पर कार्रवाई की जाए और क्षेत्र में पुराने व क्षतिग्रस्त तारों को तत्काल बदला जाए ।

गिरिजा देवी पीजी कॉलेज में दिलाई सड़क सुरक्षा की शपथ

संवाददाता फर्रुखाबाद

अमृत विचार। गुरुवार को एआरटीओ-प्रवर्तन सुभाष राजपूत के द्वारा गिरिजादेवी पीजीकालेज, सकवाई मोहम्मदाबाद में छात्र-छात्राओं को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक कर सड़क सुरक्षा की शपथ दिलाई गई।

शहर के समाजसेवी एवं सपा नेता विजय यादव के महाविद्यालय में छात्रों ने सड़क को सुरक्षित करने की शपथ ली। एआरटीओ (प्रवर्तन) सुभाष राजपूत ने कहा कि वर्तमान में सड़क दुर्घटनाएं केवल लापरवाही की वजह से बढ़ती जा रही हैं जिसको नियंत्रण करने की आवश्यकता है। उन्होंने सभी से अपील की कि सड़क सुरक्षा के नियमों का अक्षरशः पालन करें।

सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करते एआरटीओ व छात्र-छात्राएं। अमृत विचार

छात्रा शालिनी गुप्ता के द्वारा सरस्वती वंदना एवं मिली राजपूत एवं शालिनी गुप्ता द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। गिरिजादेवी पीजी कालेज की प्राचार्या डॉ. रानी मिश्रा व रोड सेफ्टी क्लब के जिला संयोजक डॉ. आलोक बिहारी शुक्ला ने भी छात्र-छात्राओं को सुरक्षित यातायात के नियमों के प्रति जागरूक किया। एआरटीओ द्वारा सभी को सड़क सुरक्षा शपथ दिलाई गई। पंकज चौधरी, सन्तोष हिल्स व पावस के अतिरिक्त कालेज के शिक्षक, स्टॉफ व छात्र-छात्रा उपस्थित रहे।

मेले के वैदिक चरित्र निर्माण शिविर में संत सम्मेलन

संवाददाता फर्रुखाबाद

अमृत विचार। आर्य प्रतिनिधि सभा के तत्वावधान में मेला श्री रामनगरिया में चल रहे वैदिक क्षेत्र में चरित्र निर्माण शिविर में गुरुवार को सन्त सम्मेलन का आयोजन किया गया।

राजस्थान से आए स्वामी आर्य प्रतिनिधि सभा फर्रुखाबाद के तत्वावधान में मेला श्रीरामनगरिया में चल रहे वैदिक क्षेत्र में चरित्र निर्माण शिविर में स्वामी श्रद्धानंद बलिदान शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आज प्रातःकाल यज्ञ किया गया। यज्ञोपरान्त वैदिक क्षेत्र में विशाल सन्त सम्मेलन का आयोजन किया गया।

राजस्थान से आए स्वामी सोमवारपुरी महाराज ने कहा कि मानव-जाति के लिए गौ से बढक़र उपकार करने वाली और कोई वस्तु नहीं है। गौ मानव जाति की माता के समान उपकार करने वाली, दीर्घायु और निरोगता देने वाली है। यह अनेक प्रकार से प्राणिमात्र की सेवा कर उन्हें सुख पहुँचाती है। इसलिए हमें गौ माता की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए।

स्वामी महेन्द्रानंद महाराज ने कहा कि परमानंद की प्राप्ति केवल ईश्वर की भक्ति से ही सम्भव है। साध्वी रेशमा दासी ने कहा कि नारी जाति पर महर्षि दयानन्द सरस्वती जी के अनेकों उपकार हैं।

ऋषि दयानन्द नहीं होते तो नारी जाति को वेद पढऩे का सौभाग्य प्राप्त नहीं होता। इसलिए महर्षि दयानन्द सरस्वती जी को हम शत-शत नमन करते हैं।संत सम्मेलन में सैकड़ों की संख्या में संत महात्मा उपस्थित रहे।

इंजीनियरिंग कॉलेज के निदेशक प्रो. मनोज शुक्ल का कार्यकाल बढ़ा

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

अमृत विचार। तिर्वा तहसील क्षेत्र के विधईपुर्वा में स्थित राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज के निदेशक प्रो. मनोज शुक्ल के कार्यकाल का विस्तार हो गया है। कार्यकाल बढ़ने से उत्साहित संकाय सदस्यों ने निदेशक को पुष्प गुच्छ भेंट कर सम्मानित किया।

बताया गया है कि जनवरी 2021 से 26 जनवरी 2026 तक यानि पांच वर्ष तक निदेशक प्रोफेसर शुक्ल का कार्यकाल था। इस दौरान उन्होंने कॉलेज के लिए कई बेहतर काम किए। दूसरी ओर प्रदेश में निदेशक के लिए नई नियुक्तियां भी नहीं हुईं। इन सबकी वजह से उनका कार्यकाल जनपद के लिए बढ़ा दिया गया है। कहा जा रहा है कि नई नियुक्ति होने तक प्रो. शुक्ल काम करते रहेंगे। सिविल

प्रो . मनोज शुक्ल को पुष्प गुच्छ देते विभागाध्यक्ष ऋषभ कश्यप व अन्य लोग।

- विभाग की ओर से आयोजित हुआ सम्मान समारोह कार्यक्रम

इंजीनियरिंग विभाग की ओर से आयोजित सम्मानित समारोह कार्यक्रम का नेतृत्व विभागाध्यक्ष ऋषभ कश्यप ने किया। उनके साथ विभाग के संकाय सदस्य मुकुल सक्सेना, अरस्तू गौतम, वैभव दुबे सहित अन्य संकाय सदस्य उपस्थित रहे। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष ने कहा कि "प्रो. शुक्ला सर का नेतृत्व हम सभी संकाय सदस्यों के लिए प्रेरणास्रोत रहा है। उनके मार्गदर्शन में संस्थान ने समग्र विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है।

पारिवारिक मूल्यों एवं सामाजिक जागरूकता का संदेश दिया

तिर्वा । सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में सप्त शक्ति संगम (चतुर्थ) कार्यक्रम हुआ। इसमें नारी शक्ति, पारिवारिक मूल्यों एवं सामाजिक जागरूकता का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जीजीआईसी फतेहगढ़ की प्रधानाचार्य दीपिका ने पंच परिवर्तन एवं कुटुंब प्रबोधन विषय पर संबोधन दिया। उन्होंने कहा कि परिवार समाज की सबसे सशक्त इकाई है और सकारात्मक परिवर्तन की शुरुआत कुटुंब से ही होती है। विशिष्ट अतिथि किरण (ब्रह्मा कुमारी) ने नारी शक्ति के सामाजिक दायित्वों पर प्रकाश डालते हुए संस्कारयुक्त जीवन शैली अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ज्योत्सना सिंह ने की। इस मौके पर बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

समाज कल्याण मंत्री ने कंपोजिट विद्यालय में परखी व्यवस्था

संवाददाता मानीमऊ (कन्नौज)

अमृत विचार। समाज कल्याण मंत्री ने मानीमऊ क्षेत्र स्थित कंपोजिट विद्यालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यालय में चल रही शैक्षणिक व्यवस्था, साफ-सफाई, मध्यान्ह भोजन, कक्षाओं की स्थिति एवं मूलभूत सुविधाओं का जायजा लिया।

गुरुवार को मानीमऊ कंपोजिट विद्यालय में समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण अचानक पहुंच गये। उन्होंने विद्यालय का निरीक्षण किया।

इस दौरान विद्यालय के शिक्षक व प्रधानाचार्य को निर्देश दिए कि बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ सभी सरकारी योजनाओं का लाभ समय पर उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने स्कूल परिसर में स्वच्छता बनाए रखने और शिक्षण

कंपोजिट विद्यालय में जमीन पर बैठ कर बच्चों को पढाते मंत्री असीम अरुण।

- बच्चों के निकट जमीन में बैठ पढ़वाई किताब

व्यवस्था को और बेहतर करने पर जोर दिया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय के शिक्षक व बीजेपी के जिला मंत्री विशाल दुबे मौके पर मौजूद रहे। स्थानीय लोगों ने मंत्री के दौरे से विद्यालय की व्यवस्थाओं में सुधार की उम्मीद जताई है।

आक्रोश | मुख्यमंत्री को संबोधित मांग पत्र जिलाधिकारी को सौंपा

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता कन्नौज

अमृत विचार। मांगों को लेकर आंगनबाडी कार्यकर्ताओं ने कलक्ट्रेट में प्रदर्शन किया। मुख्य मंत्री को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। प्रदर्शन को लेकर तालग्राम, तिर्वा, समेत कई थानों की पुलिस को कलक्ट्रेट में लगाया गया।

गुरुवार को आंगनबाड़ी संयुक्त मोर्चा के तत्वाधान में जिले भर की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता कलक्ट्रेट में बैनर लेकर पहुंचीं। यहां उन्होंने जमकर नारेवाजी कर धरना दिया। बाद में उन्होंने मुख्यमंत्री को संबोधित मांग पत्र जिलाधिकारी को सौपा। इसमंल मांग की है कि

कलक्ट्रेट में मागों को लेकर प्रदर्शन करतीं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता .। अमृत विचार

आंगनबाड़ी कर्मियों को सेवा निवृत्त होने पर सुरक्षा एवं वेतनमान दिया जाये। उनको नियमित किया जाये। महंगाई भत्ता जोड़ा जाये। उनके मानदेय में वृद्धि की जाये। इसी तरह की 10 मागें रखी गई। 2026-27 के वजट में आंगबाड़ी कार्यकर्ताओं की मांगों पर विचार किया जाये। इस मौके पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एसोसिएशन की जिलाध्यक्ष ममता मिश्रा, संगीता, रीता, मीरा देवी, पुष्पा देवी, नीलम तिवारी, कंचन, मंजू, मन्नो, फूलमती, संगीता, समेता कई आंगनबाड़ी कार्यकर्ता मौजूद रहीं।

कार खड्ड में गिरी एक की मौत

कन्नौज। तालग्राम थाना क्षेत्र में साइकिल सवार को बचाने को प्रयास में अनियंत्रित कार खड्ड में जा गिरी। इससे एक युवक की मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिये भेजा।

तालग्राम थाना क्षेत्र के गांव गदौरा निवासी सुनीत दीक्षित (35) अपने रिश्तेदार सदर कोतवाली के गांव दाईपुर निवासी शिवम उर्फ सुमित के साथ कार से घर लौट रहे थे। जैसे ही उनकी कार विरियन नगला गांव के निकट पहुंची उसी समय एक साइकिल सवार को बचाने के प्रयास में खड्ड में जा गिरी। इससे दोनों लोग घायल हो गये। स्थानीय लोगों ने उनको सीएचसी में भर्ती कराया। सुनीत की मौत हो गई। जानकारी पर परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस जांच कर रही है।

'कन्नौज परफ्यूमेसकैप' पर दिल्ली में व्याख्यान आयोजित

कार्यालय संवाददाता कन्नौज

अमृत विचार। इत्र से कन्नौज को मिल रही वैश्विक पहचान विषय पर दिल्ली में विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस मौके पर इनटेक संस्था ने कन्नौज परफ्यूमेसकैप विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। इसमें समाज कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने भाग लिया।

भारत की सुगंध परंपरा का केंद्र कन्नौज अपनी सदियों पुरानी इत्र कला के माध्यम से वैश्विक पहचान बना रहा है। इसी क्रम में दिल्ली में बुधवार को व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अशोका यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर प्रोजित बी. मुखर्जी ने इत्र के इतिहास और सांस्कृतिक महत्व पर जानकारी दी। उन्होंने दुर्लभ इत्रों के ऐतिहासिक विज्ञापन दिखाए और उनसे जुड़े दिलचस्प किस्से सुनाए।

इस मौके पर राज्य मंत्री असीम अरुण ने प्रोफेसर मुखर्जी को कन्नौज आने और इत्र पर व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया। कन्नौज में व्याख्यान के साथ प्रोफेसर मुखर्जी इत्र से जुड़े अन्य आयामों का अध्ययन करेंगे। इस मौके पर राज्यमंत्री असीम अरुण ने कहा कन्नौज की सुगंध कला भारत की सांस्कृतिक पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा है। नवाचार, कौशल उन्नयन और वैश्विक मंचों के माध्यम से कन्नौज के इत्र को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने के प्रयास हो रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

बंदरों के हमले में अधेड़ गम्भीर रूप से घायल

भरथना। कोतवाली क्षेत्र के अन्तर्गत बाहरपुर गांव में बंदरों की दहशत लगातार बढ़ती जा रही है। बंदरों के हमले में एक अधेड़ व्यक्ति गम्भीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार बरसात से बचाव के लिए छत पर पन्नी बांधते समय बंदरों के झुंड ने श्रीकृष्ण पर हमला कर दिया। इस दौरान एक बंदर ने उनके पैर में काट लिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया गया कि घायल श्रीकृष्ण के पैर में करीब 10 टांके आए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि बंदरों का आतंक अब बर्दाश्त से बाहर हो चुका है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द बंदरों के आतंक से निजात दिलाई जाए, ताकि लोग चैन की सांस ले सकें और किसी बड़े हादसे से बचा जा सके।

विद्यालय में बच्चों से कराई जा रही सफाई

बकेवर। महेवा विकासखंड की ग्राम पंचायत पुरावली स्थित ढकाताल प्राथमिक विद्यालय में बच्चों से पढ़ाई कराने के बजाय स्कूल परिसर की सफाई कराई जा रही है। जिससे सरकारी शिक्षा व्यवस्था की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। गांव के लोगों ने आरोप लगाया कि विद्यालय में बच्चों को पढ़ाई के समय नियमित रूप से सफाई कार्यों में लगाया जाता है। इस संबंध में खंड शिक्षा अधिकारी उदयराज सिंह से संपर्क करने पर उन्होंने बताया कि मामले की जांच कराई जाएगी और यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो संबंधितों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

इटावा। राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज में राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें असिस्टेंट लीगल एंड डिफेंस काउंसिल रजनी शुक्ला के द्वारा जानकारी दी गई। उक्त अवसर पर अधिवक्ता सुषमा रानी व असिस्टेंट लीगल डिफेन्स काउन्सिल रजनी शुक्ला ने छात्राओं को उनके अधिकारों के बारे में जानकारी दी गई।

ट्रेलर पलटने से चालक परिचालक घायल

बकेवर। जयपुर के शाहपुरा तहसील के रामपुर गांव निवासी मुरारी लाल परिचालक मेहर सिंह के साथ ट्रेलर लेकर जा रहा था। अज्ञात वाहन को बचाने के दौरान चालक मुरारी लाल संतुलन खो बैठा, जिससे ट्रेलर सड़क किनारे पलट गया। इस हादसे में चालक मुरारी लाल और परिचालक मेहर सिंह को मामूली चोटें आईं, हालांकि दोनों सुरक्षित बच गए।

महिला की हत्या व राइफल लूटने में चार को आजीवन कारावास

कोर्ट ने तीन पर 19- 19 हजार रुपये व एक पर 22 हजार रुपये का जुर्माना लगाया

कार्यालय संवाददाता इटावा

अमृत विचार। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश दस्यु प्रभावित क्षेत्र अधिनियम अशोक कुमार दुबे ने 16 साल पुराने एक महिला की हत्या कर घर से लाइसेंसी राइफल व अन्य सामान को लूटने के मामले की सुनवाई करते हुए चार आरोपियों को दोषी पाया। दोषी पाए जाने पर कोर्ट ने उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई। इसके अलावा कोर्ट ने तीन आरोपियों पर 19- 19 हजार रुपये व एक पर 22 हजार रुपये का जुर्माना लगाया। जुर्माना अदा न करने पर उन्हें छह माह का अतिरिक्त कारावास भोगना पड़ेगा।

जसवंतनगर कस्बा के मोहल्ला पंसारी टोला निवासी राजीव कुमार राठौर पुत्र निन्हूमल ने दर्ज कराई रिपोर्ट में आरोप लगाया था कि उसकी विधवा मौसी उसके घर के सामने बने मकान में रहती थी। 13 दिसम्बर को साढ़े नौ बजे तक दरवाजा नहीं खुला तो लोगों ने उन्हें जानकारी दी। वह दरवाजा खोलकर घर के अंदर गया तो उनका रक्त रंजित शव तख्त पर पड़ा था। इसके अलावा उसके घर में रखी उसके मामा जितेंद्र जो चित्रकूट में सहायक विकास अधिकारी के पद पर तैनात थे उनकी लाइसेंसी राइफल भी गायब थी। इसके अलावा अन्य सामान भी गायब मिला। तहरीर के आधार पर पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया। छानबीन के बाद पुलिस ने दीपा उर्फ दीपू उर्फ दीपक पुत्र समरथ सिंह निवासी होमगंज जसवंतनगर, सत्येंद्र उर्फ सीटू पुत्र राधेश्याम निवासी पंसारी बाजार जसवंतनगर, सचिन पुत्र रघुवीर निवासी लोहा मंडी व महावीर उर्फ राहुल पुत्र चुन्नी लाल निवासी कटरा खूब चंद्र को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस को उनके पास से लूटी गई राइफल के अलावा अन्य सामान मिला। पुलिस ने चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। छानबीन के बाद पुलिस ने चारों लोगों के खिलाफ हत्या, लूट व सामान बरामदगी की धाराओं में आरोप पत्र कोर्ट में पेश कर दिए। मामले की सुनवाई अपर जिला सत्र न्यायाधीश दस्यु प्रभावित अधिनिनयम क्षेत्र की कोर्ट में हुई। सरकार की ओर से अपर जिला शासकीय अधिवक्ता कौशलेंद्र तोमर ने पैरवी की। उनके द्वारा पेश किए गए साक्ष्यों व गवाहों के आधार पर कोर्ट ने दीपा, सत्येंद्र, सचिन व महावीर को हत्या लूट का दोषी पाया और उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई। कोर्ट ने दीपा कर 22 हजार व महावीर सचिन व सत्येंद्र पर 19-19 हजार रुपया का जुर्माना लगाया। जुर्माना अदा न करने पर उन्हें छह माह का अतिरिक्त कारावास भोगना पड़ेगा।

गैंगेस्टर के मामले में एक को दो साल की सजा

इटावा। विशेष न्यायाधीश गैंगेस्टर एक्ट ने गैंगेस्टर एक्ट के एक मामले की सुनवाई करते हुए एक आरोपी को दोषी पाते हुए एक साल की सजा व पांच हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया। अपर जिला शासकीय अधिवक्ता संजीव चतुर्वेदी ने बताया कि लवेदी थाना पुलिस ने मैनपुरी जिले के बरनाहल थाना क्षेत्र के जाटव मोहल्ला निवासी दिलीप कुमार पुत्र ओम प्रकाश के खिलाफ गैंगेस्टर एक्ट की कार्रवाई की थी। पुलिस ने उसके खिलाफ आरोप पत्र कोर्ट में पेश कर दिए थे। मामले की सुनवाई विशेष न्यायाधीश गैंगेस्टर की कोर्ट में हुई। अपर जिला शासकीय अधिवक्ता संजीव चतुर्वेदी के द्वारा पेश किए साक्ष्यों के आधार पर कोर्ट ने उसे दोषी पाया और उसे दो साल की सजा व पांच हजार रुपया के अर्थदंड से दंडित किया। जुर्माना अदा न करने पर उसे दस दिन का अतिरिक्त कारावास भोगना पड़ेगा।

बाइकों की भिड़ंत में युवक की मौत

इटावा। जिले के विभिन्न स्थानों पर हुई सड़क दुर्घटनाओं में एक युवक की मौत हो गई और चार लोग गम्भीर रूप से घायल हो गए।

थाना सिविल लाइन क्षेत्र के अंतर्गत विचारपुरा के पास बाइकों की भिड़ंत में आटम 40 वर्ष पुत्र रोहन सिंह निवासी ऊमरी सिरसागंज जिला फीरोजाबाद और कैलाश सिंह पुत्र लाल सिंह निवासी विचारपुरा थाना सिविल लाइन इटावा गम्भीर रूप से घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान आटम की मौत हो गई। थाना कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत यमुना पुल के पास ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार संजीव वर्मा पुत्र राम नारायण निवासी पक्का बाग कोतवाली गम्भीर रूप से घायल हो गया। थाना चौबिया क्षेत्र के अंतर्गत चौपुला निवासी रानी देवी पत्नी रामवीर गांव के पास सड़क पार कर रही थी तभी अज्ञात वाहन ने टककर मार दी जिससे वह घायल हो गईं। थाना फ्रेंड्स कालोनी क्षेत्र के अंतर्गत गांधी नगर निवासी इन्द्रेश कुमार पुत्र बच्चन लाल बाइक से जसवंतनगर की ओर जा रहा था तभी जसवंतनगर के पास मलूपुरा नहर के पास अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गया।

आग बुझाने पहुंची दमकल विभाग की टीम। अमृत विचार

पूजा के दीपक से लगी आग बाबा और दो पौत्र झुलसे

कार्यालय संवाददाता इटावा

अमृत विचार। कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला ईदगाह क्षेत्र में पूजा के दीपक से एक मकान में भीषण आग लग गई। इससे एक बुजुर्ग और उनके दो पौत्र झुलस गए। तीनों को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना पर पहुंची दमकल विभाग की टीम ने आग पर काबू पाया।

ईदगाह के पास मुन्नी लाल अपने परिवार के साथ रहते है। गुरुवार को मकान में पूजा के दौरान जलाया गया दीपक अचानक गिर गया। इससे आग लग गई देखते ही देखते आग ने भयावह रूप ले लिया। कमरे में रखा सामान जलने लगा, जिससे घर में मौजूद परिवार के सदस्यों में अफरा-तफरी मच गई। आग की चपेट में आने से घर के बुजुर्ग मुन्नी लाल और उनके दो पौत्र गगन तथा हर्ष गंभीर रूप से झुलस गए। परिजनों और आसपास के लोगों ने साहस दिखाते हुए तीनों को सुरक्षित बाहर निकाला। घटना की सूचना तत्काल पुलिस और दमकल विभाग को दी गई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। तब तक घर में रखा फर्नीचर, कपड़े, बिस्तर और अन्य घरेलू सामान जलकर नष्ट हो गया। आग से झुलसे मुन्नी लाल और दोनों बच्चों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों के अनुसार प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण जलाया गया दीपक बताया गया है। घायल मुन्नी लाल ने बताया कि घर में मेरे दो पौत्र थे उसी समय पौत्र ने दीपक जलाया और उससे कपड़ों में आग लग गई जब मैने देखा तो आग जल रही थी हमारे दोनों पौत्र आग में फंस गए छोटे पौत्र को निकालते समय मैं भी झुलस गया।

मौसम ने बदली करवट, सर्दी व गलन बढ़ी

कार्यालय संवाददाता इटावा

अमृत विचार। जिले में एक बार फिर मौसम ने करवट बदली है। पिछले दो दिनों से हो रही बारिश के बाद गुरुवार को बादलों के छाने के साथ साथ सुबह घने कोहरे और कड़ाके की सर्दी ने जनजीवन को पूरी तरह से प्रभावित कर दिया। मौसम विभाग के अनुसार न्यूनतम तापमान करीब छह डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

कोहरे के साथ बढ़ती ठंड ने लोगों की परेशानी और बढ़ा दी है। घने कोहरे के कारण सड़क और रेल यातायात पर बुरा असर पड़ा है। सुबह के समय दृश्यता बेहद कम होने से वाहन धीमी गति से चले। कई जगह लोगों को दफ्तर और जरूरी कामों पर पहुंचने में दिक्कतें हुईं। कोहरे और ठंड के कारण रोजमर्रा की दिनचर्या भी प्रभावित होती नजर आई। कोहरे और सर्दी से सबसे ज्यादा परेशानी स्कूली बच्चों को उठानी पड़ी, जिन्हें सुबह ठंड और कम दृश्यता में स्कूल जाना पड़ा। ठंड के साथ प्रदूषण का स्तर भी बढ़ा हुआ दर्ज किया गया। लोग अलाव जलाकर ठंड से बचाव करते दिखे। लोगों ने बताया है कि कुछ दिन पहले मौसम सामान्य स्थिति में आ गया था, लेकिन बारिश होने के बाद से सर्दी वापस लौट आई और कोहरा इस कदर बढ़ गया है जैसे दिसंबर में पड़ता है। ठंड के चलते लोगों को आग का सहारा लेना पड़ रहा है। दोपहर तक कोहरे के बाद बादलों के छाए रहने और ठंडी हवाएं चलने के कारण लोग घरों से नहीं निकले। जिन लोगों को जरूरी काम थे वही घरों से बाहर निकले। सर्दी के कारण बाजारों में भी सन्नाटा रहा।

शहर में छाया घना कोहरा। अमृत विचार

- बरसात के बाद गुरुवार को घना कोहरा छाने से लोगों का निकलना हुआ मुश्किल

डीपीआरओ पर लगे आरोपों की जांच की मांग

कार्यालय संवाददाता इटावा

अमृत विचार। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद की एक बैठक गुरुवार को सिंचाई संघ भवन अध्यक्ष राजेश मिश्रा की अध्यक्षता में हुई। बैठक में डीपीआरओ के रिश्वत लेते हुए वायरल वीडियो के संबंध में चर्चा हुई। हांलाकि अमृत विचार इस वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। बैठक में उन पर लगे आरोपों की गंभीरता से जांच कराने की मांग की गई।

बैठक में बताया गया कि तैनाती से लेकर आज तक उनके द्वारा ग्राम पंचायत सचिव एवं सफाई कर्मियों का लगातार उत्पीड़न किया जा रहा। कई सचिवों एवं सफाई कर्मचारियों का निलंबन किया गया फिर भारी धन उगाही करके उनको बहाल भी किया गया। इनके द्वारा अपने ऑफिस के कंप्यूटर में सचिवों के लिए 15 बिंदु तथा सफाई कर्मचारियों के लिए 8 बिंदुओं का नोटिस बनाकर रखा गया है। 4 साल के कार्यकाल में यह जिन पंचायतों में गए वहां जांच के नाम पर नोटिस जारी करके आए और कई सचिवों व सफाई कर्मचारियों से भारी धन उगाही की गई है उनके भ्रष्टाचार से परेशान होकर ग्राम पंचायत सचिवों एवं सफाई कर्मियों द्वारा कई बार इनके खिलाफ धरना प्रदर्शन भी किया गया लेकिन उच्च अधिकारियों ने उनके विरुद्ध कोई कार्यवाही नहीं की गई, जिसके कारण सभी कर्मचारी दबाव में आकर इनकी मर्जी के अनुसार कार्य करने को मजबूर हो गए।

इस संबंध में ग्राम पंचायत अधिकारी /ग्राम विकास अधिकारी समन्वय समिति द्वारा 19 जनवरी को डीएम को ज्ञापन दिया गया था। डीपीआरओ बनवारी सिंह जिला बागपत में भी विवादित रहे हैं विवाद के बाद ही वहां से हटाकर यहां तैनात किया गया। परिषद की मांग है कि उनके कार्यकाल एवं भ्रष्टाचार से अर्जित अकूत धन की गहनता से जांच कराई जाए तथा जो भी न्यायोचित कार्यवाही संभव हो वह भी की जाए बैठक में दिलीप मिश्रा ने अवगत कराया कि सेवानिवृत कर्मचारियों के चिकित्सा प्रतिपूर्ति के नाम पर हजारों रुपये वसूलने के बाद ही इनके आवेदन अग्रसारित की जाते हैं। यदि इसको समय रहते नहीं रोका गया तो भविष्य में कभी भी बड़े आंदोलन की रूपरेखा बन सकती है, जिसके लिए जिला प्रशासन जिम्मेदार होगा। बैठक में राजेश मिश्रा, दिलीप मिश्रा, राम तेज यादव, रिजवान अहमद, पूरन सिंह, विपिन कुमार धनगर अखिलेश कुमार, संजय कठेरिया, राहुल तोमर, संदीप सिंह राजावत, बदलू कठेरिया, अखिलेश कुमार गौतम, रामकुमार, सोयब हुसैन, जय प्रकाश यादव, आदि पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक के बाद कार्रवाई की मांग करते परिषद के पदाधिकारी। अमृत विचार

- ग्राम पंचायत सचिवों ने कई बार शिकायत की लेकिन कार्रवाई नहीं की गई

बचत अभिकर्ताओं ने डीएम को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता जसवंतनगर इटावा

अमृत विचार। राष्ट्रीय बचत अभिकर्ताओं ने एजेन्सी के नवीनीकरण को शीघ्र कराये जाने की मांग को लेकर एक ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। महिला अभिकर्ताओं ने एकत्रित होकर एजेन्सी का शीघ्र नवीनीकरण कराने की मांग की।

महिला अभिकर्ताओं ने बताया कि राष्ट्रीय बचत विभाग द्वारा दी जानी वाली एजेन्सी के नवीनीकरण में देरी होने के कारण लोगों की आरडीएस की रकम खातों में जमा नहीं हो पा रही है, जिससे महिला अभिकर्ता चिंतित हैं। माह के अंतिम तारीख तक अगर रकम आरडीएस खातों में जमा नहीं हुयी तो इसका जुर्माना महिला अभिकर्ताओं को देना पड़ेगा। इस मौके पर राष्ट्रीय अल्प बचत अभिकर्ता संघ के जिलाध्यक्ष अशोक कुमार, मीडिया प्रभारी डॉ. सुशील सम्राट, महिला अभिकर्ता अनीता पोरवाल, रिचा तिवारी, नीलम, दीपिका यादव, रेनू वर्मा, अनीता देवी, शिखा वर्मा, पंकज देवी, करुणा पांडेय, प्रीती अग्रवाल, वंदना, नीलम देवी आदि रहीं।

ज्ञापन देने जातीं बचत अभिकर्ता। अमृत विचार

नए मतदाता जोड़ने को गांव पहुंचे एसडीएम

संवाददाता जसवंतनगर इटावा

अमृत विचार। विधानसभा क्षेत्र में नए मतदाताओं को जोड़ने के उद्देश्य से चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत एसडीएम कुमार सत्यम जीत सिंह ने क्षेत्र के विभिन्न गांवों के बूथों का भ्रमण कर फार्म-6 भरवाने वाले केंद्रों की प्रगति का निरीक्षण किया। उन्होंने धौलपुर, जैनपुर नागर, मुहब्बतपुर नगला भगत, नगला तौर, सिरहोल, भेसांन, रायनगर, नगला केशोंराय, तमेरी, केस्त, बनकटी बुजुर्ग व जारीखेड़ा गांवों में बनाए गए केंद्रों पर बीएलओ एवं समूह सखियों द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की।

निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके युवाओं से सीधे संवाद कर उन्हें मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए प्रत्येक पात्र नागरिक का मतदाता बनना आवश्यक है। मतदान केवल अधिकार ही नहीं, बल्कि देश और समाज के प्रति जिम्मेदारी भी है। एसडीएम ने बीएलओ को निर्देश दिए कि पात्र कोई भी युवक या युवती मतदाता बनने से वंचित न रहे।

कैस्त जारीखैडा बूथ का निरीक्षण करते एसडीएम कुमार सत्यम जीत। अमृत विचार

बाजारों में चला चेकिंग अभियान

जसवंतनगर। नगर में लगातार जाम की समस्या और दुकानदारों द्वारा सड़क पर आगे बढ़कर सामान रखने की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने व्यापक चेकिंग अभियान चलाया।

गुरुवार को राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित बस स्टैंड चौराहे से लुधपुरा तिराहे तक सीओ आयुषी सिंह के नेतृत्व में अभियान संचालित किया गया। पुलिस टीम ने मुख्य बाजार, सदर बाजार, मंडी, सर्राफा बाजार और महिला बाजार में पहुंचकर अतिक्रमण हटवाया तथा यातायात व्यवस्था को सुचारू करने के निर्देश दिए।

खुशखबरी

भाजपा सरकार लोगों के हितों के लिए कर रही है काम : मंत्री धर्मवीर प्रजापति

लाइब्रेरी, स्टेडियम और अन्नपूर्णा भवन का हुआ उद्घाटन

संवाददाता सैफई इटावा

अमृत विचार। विकास खण्ड सैफई के ग्राम पंचायत बरौली कला में प्रभारी मंत्री व राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा धर्मवीर प्रजापति ने नरेन्द्र मोदी मिनी स्टेडियम, सचिवालय, डिजिटल लाइब्रेरी एवं विकसित भारत जी-रामजी अन्नपूर्णा भवन का उद्घाटन किया गया।

प्रभारी मंत्री ने कहा कि सरकार द्वारा आमजन की कल्पना से ऊपर गांव में लाइब्रेरी, स्टेडियम, अन्नपूर्णा भवन बनाने आदि के कार्य प्रदेश में कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने जनता द्वारा दिए गए टैक्स आदि के पैसो को व्यर्थ कार्यों में खर्च करने से रोका एवं उस धनराशि से जनता के हित के लिए कई विकास के कार्यों को कराया। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार जनता के हित के लिए कार्य करती है एवं निरंतर परिश्रम करती है इसलिए देश की जनता उन्हें पसंद करती है। उन्होंने कहा कि पहले गांव में पंचायत जमीन पर फर्श बिछाकर की जाती थी परंतु अब सरकार द्वारा गांव में पंचायत भवन बनवाए गए हैं। उन्होंने उपस्थित सभी आमजन से कहा कि भले ही खर्चे में थोड़ी कटौती करें लेकिन बच्चों को अवश्य पढ़ाएं। उन्होंने कहा कि सभी बच्चों को नौकरी नहीं मिल पाती है, ऐसे बच्चे सरकार द्वारा संचालित जिला उद्योग केन्द्र, कौशल विकास केन्द्र एवं ग्रामोद्योग केन्द्र आदि में जाकर वहां से ट्रेनिंग प्राप्त कर एक अच्छा रोजगार प्राप्त कर सकते हैं एवं दूसरों को भी रोजगार देने के लिए सक्षम बन सकते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा बेटियों के लिए भी कई योजनाएं चलाई जा रहीं हैं, सरकार ने बेटियों की पढ़ाई व शादी की जिम्मेदारी उठाकर उनके परिजनों को चिंता से मुक्त किया एवं सरकार द्वारा घरों में शौचालय बनवाए गए जिससे बेटियों को अब बाहर खेत में शौंच के लिए नहीं जाना पड़ता।

उन्होंने कहा कि एसआईआर के माध्यम से फर्जी वोट खत्म किये जा रहे हैं एवं योग्य बच्चों के वोट बनवाए जा रहे हैं। इस मौके पर जिलाधिकारी शुभ्रांत कुमार शुक्ल ने कहा कि सरकार द्वारा प्राप्त फण्ड का अधिक से अधिक उपयोग कर कई ग्राम पंचायतों के लिए विकास के कार्य किये गये हैं एवं अन्य विकास के कार्य किये जा रहे हैं और आगे भी किए जाएंगे। कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष बीजेपी अन्नू गुप्ता, पूर्व सांसद रघुराज सिंह शाक्य सहित समस्त जनप्रतिनिधि एवं आमजन उपस्थित रहे।

स्टेडियम, सचिवालय, डिजिटल लाइब्रेरी का शुभारंभ करते प्रभारी मंत्री धर्मवीर प्रजापति। अमृत विचार

रिपुदमन सिंह की नीतियों ने शिक्षकों को नई दिशा दी : डॉ महेंद्र सिंह

कार्यालय संवाददाता इटावा

अमृत विचार। शिक्षा क्षेत्र में समर्पित अर्थशास्त्री और पूर्व क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी डॉ. रिपुदमन सिंह जैसे व्यक्तित्व आने वाली पीढ़ियों के लिए आदर्श हैं।

वे हमेशा अपने छात्रों और सहकर्मियों को प्रेरित करते थे। अर्थशास्त्र में उनके शोध ने उत्तर प्रदेश की आर्थिक नीतियों पर प्रभाव डाला। यह बात पंचायत राज राजकीय महिला महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. श्याम पाल सिंह ने डॉ. रिपुदमन सिंह के सम्मान में आयोजित समारोह में कही। सम्मान समारोह में बोलते हुए केके महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. महेंद्र सिंह ने डॉ. रिपुदमन सिंह के कार्यकाल की चर्चा करते हुए बताया कि उनकी नीतियां और निर्णय ऐसे थे जो शिक्षकों के करियर को नई दिशा देते थे। चौधरी चरण सिंह महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. शैलेंद्र शर्मा ने कहा कि वे न केवल अपने पद पर न्यायपूर्ण रहे, बल्कि युवा शिक्षकों को मार्गदर्शन भी प्रदान करते थे। प्राचार्य, जनता महाविद्यालय अजीतमल डॉ अरविंद कुमार शर्मा ने उनकी समय पालन की विशेषता पर प्रकाश डाला। समारोह में आये डॉ. रिपुदमन सिंह के गुरु डॉ. आरके अग्रवाल ने उनके विद्यार्थी जीवन के संस्मरण साझा किए। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अजय दुबे ने किया। इस कार्यक्रम में प्रो. चन्द्र प्रभा, डॉ. रेखा, डॉ. अमित कुमार, डॉ. सपना वर्मा, डॉ. श्याम देव यादव, डॉ. डौली रानी, डॉ. श्वेता मौजूद रहीं।

डॉ. रिपुदमन सिंह को सम्मानित करते प्राचार्य साथ में प्रतिमा शंकर दीक्षित व अन्य।

- पूर्व क्षेत्रीय उच्च शिक्षाधिकारी डॉ. रिपुदमन सिंह को किया गया सम्मानित

न्यूज ब्रीफ

मेले से युवती को ले जाने का आरोप

अछल्दा। थाना क्षेत्र अंतर्गत कंधिया मौजा निवासी एक महिला ने अपनी नाबालिग पुत्री को बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप लगाते हुए थाने में तहरीर दी है। पीड़िता ने पुलिस को दी गई शिकायत में बताया कि उनकी पुत्री उम्र लगभग 17 वर्ष 27 जनवरी को दोपहर करीब 2:30 बजे अपने भाई के साथ ऑटो से अछल्दा मेला देखने गई थी उसी दौरान व्यक्ति उनकी पुत्री को बहला-फुसलाकर मोटरसाइकिल से कहीं ले गया। बताया गया कि जाते समय युवती घर से एक बक्से में रखे कागजात, जेवरात तथा करीब चार हजार रुपये नकद भी साथ ले गई।

चार पर मारपीट और धमकी देने का मुकदमा

बेला। थाना क्षेत्र के गांव धुंधपुर निवासी वीरेंद्र सिंह दोहरे पुत्र मनीराम दोहरे ने ब्रहस्पतिवार को थाना पुलिस को दिए शिकायती पत्र में बताया की बुधवार दोपहर करीब एक बजे गांव निवासी अतुल, ब्रजेश व हरी ओम मेरे दरवाजे लाठी डंडे लेकर आये और मेरे व मेरे परिजन के साथ मारपीट व गाली गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गये। पुलिस ने तहरीर के आधार पर प्राथमिकी की दर्ज कर ली है।

ई-रिक्शा पलटा

बेला, औरैया। जनपद कानपुर देहात के थाना रसूलाबाद स्थित लोहिया नगर मोहल्ला निवासी विजय पुत्र सिपाही लाल अपने ई-रिक्शा पर बिधूना से इंगल लादकर रसूलाबाद जा रहे थे। उनके साथ आदिल व जैनुल निवासीगण लोहिया नगर रसूलाबाद ई-रिक्शा में बैठे थे। जैसे ही वह बेला के बिधूना रोड स्थित भुललन टायर सर्विस के सामने पहुंचे। तभी सड़क पर बने एक गड्ढे में ई-रिक्शा का पहिया जाने से वो अनियंत्रित हो गया और सड़क पर पलट गया। जिससे तीनों घायल हो गए। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने ई-रिक्शा को सीधा कर घायलों को बाहर निकाला। घायलों ने एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया।

लंबित प्रकरणों को यथाशीघ्र निस्तारित करें

चित्रकूट। जिलाधिकारी पुलकित गर्ग ने कलेक्ट्रेट सभागार में उप्र रानी लक्ष्मीबाई महिला एवं बाल सम्मान कोष योजना संबंधी बैठक की। जिला प्रोबेशन अधिकारी ने योजना की जानकारी दी। समिति के समक्ष 14 प्रकरणों पर विचार किए जाने के लिए प्रस्तुत किया गया। समिति ने 12 प्रकरणों को पात्र तथा दो प्रकरणों को अपात्र किया है। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला टास्क फोर्स की बैठक भी हुई। डीएम ने जिला प्रोबेशन अधिकारी को निर्देशित किया गया कि प्रकरणों की संख्या में वृद्धि की जाए, जिससे अधिक से अधिक पीड़िताओं को सहायता दी जा सके। डीएम ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी, क्षेत्राधिकारी आदि को निर्देशित किया कि लंबित प्रकरणों को यथाशीघ्र निस्तारण करें।

खुलासा : तीन हत्यारोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

19 जनवरी को ककोर बंबा के पास अनुज का मिला था शव

संवाददाता, फफूंद, औरैया

अमृत विचार। जनपद की स्वाट/सर्विलांस और दिबियापुर पुलिस की संयुक्त टीम ने गुरुवार को अनुज उर्फ छोटू हत्याकांड का खुलासा कर दिया है। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर घेराबंदी करते हुए तीन हत्यारोपियों को गिरफ्तार किया है। अभियुक्तों की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त लोहे की नुकीली सरिया (आलाकत्ल), अवैध शस्त्र और एक मोटरसाइकिल बरामद की गई है।

बीती 19 जनवरी की सुबह दिबियापुर थाना क्षेत्र के ककोर बंबा के पास एक खेत में युवक का शव मिलने से इलाके में दहशत फैल गई थी। मृतक की शिनाख्त अनुज उर्फ छोटू (21) निवासी तुलसीपुर के रूप में हुई थी। मृतक के पिता की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया था। गुरुवार को मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने बूढ़ादाना की पुलिया के पास से अभियुक्त

पुलिस की गिरफ्त में आरोपी। अमृत विचार

पवनेश दोहरे, पीयूष उर्फ शिप्पी और जीतू दोहरे को गिरफ्तार कर लिया। कड़ाई से पूछताछ के दौरान अभियुक्तों ने अपना जुर्म कबूल किया। उनकी निशानदेही पर ग्राम भियापुर के पास झाड़ियों से हत्या में इस्तेमाल की गई लोहे की नुकीली सरिया बरामद की गई। इसके अलावा अभियुक्तों के पास से 315 बोर के दो तमंचे और चार जिंदा कारतूस भी मिले हैं। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल मोटरसाइकिल को सीज कर दिया है। गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस अधीक्षक अभिषेक भारती ने बताया कि दिबियापुर पुलिस और एसओजी की टीम ने इस हत्याकांड का खुलासा किया है। आरोपियों ने नुकीली सरिया से हमला कर युवक की जान ली थी। पकड़े गए अभियुक्तों के पास से हथियार और मोटरसाइकिल बरामद हुई है। फरार चल रहे अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है, उन्हें भी जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

घरेलू विवाद के बाद युवक गंभीर

अछल्दा। थाना क्षेत्र के ग्राम मुक्खे की मढ़ैया निवासी कमल कुमार (25) के घर बुधवार शाम करीब 7:30 बजे पत्नी से किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने पर पत्नी शिल्पी देवी ने अपने मायके से भाइयों को बुला लिया। इसके बाद दोनों पक्षों में आपस में मारपीट हुई।

घायल युवक ने आरोप लगाया कि उसके ससुराल से आए साले ने उसे पकड़कर सल्फास की गोली खिला दी। घटना के बाद युवक बेहोश हो गया, जिसे परिजन निजी वाहन से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) अछल्दा लेकर पहुंचे। जहां तैनात चिकित्सक डॉ. अमरदीप चौधरी ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखते हुए युवक को जिला अस्पताल चिचौली रेफर कर दिया। घटना की सूचना सीएचसी से अछल्दा थाना पुलिस को दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने परिजनों से पूछताछ की।

इलेक्ट्रोपैथी की मदद से दिया इलाज

संवाददाता फफूंद, औरैया

अमृत विचार। ग्राम ऊंचा में आज विशाल इलेक्ट्रोपैथी चिकित्सा शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर में भारी संख्या में ग्रामीणों ने पहुंचकर अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व राज्य मंत्री सतीश पाल एवं सदर विधायक गुड़िया कठेरिया द्वारा किया गया। शिविर में आए हुए सभी अतिथियों का आयोजक डॉ. त्रिलोक सिंह ने माल्यार्पण एवं शाल भेंट कर स्वागत किया। शिविर को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय कोरी समाज जागृत महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बेचे लाल कोरी ने बताया कि इलेक्ट्रोपैथी चिकित्सा पद्धति का बिजली से कोई संबंध नहीं है, बल्कि इसके अर्क पौधों से तैयार किए जाते हैं जो शरीर पर बिजली की गति की तरह त्वरित असर दिखाते हैं। रसूलाबाद स्थित

शिविर के दौरान मौजूद अतिथि। अमृत विचार

- ग्राम ऊंचा में लगा नि:शुल्क इलेक्ट्रोपैथी चिकित्सा शिविर सैकड़ों लोग पहुंचे

इलेक्ट्रोपैथी संस्थान के डायरेक्टर डॉ. संतोष सिंह चौहान ने इस पद्धति की उपयोगिता पर विस्तृत जानकारी दी। पूर्व राज्य मंत्री सतीश पाल ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि समाज की बुराइयों से दूर रहकर अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहना चाहिए। विधायक गुड़िया कठेरिया ने भी जन-स्वास्थ्य के लिए लगाए गए इस शिविर की सराहना की। ऊँचा, पड़रिया, गनेशपुर, टिकुरिया बाग एवं नगला पाठक सहित आसपास के गांवों से आए मरीजों का नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें दवाइयां वितरित की गईं। अंत में कार्यक्रम आयोजक डॉ. त्रिलोक सिंह पाल ने सभी का आभार व्यक्त किया।

मोहल्ला कटरा में सड़ रहा गोवंश का शव

फफूंद, औरैया। मोहल्ला कटरा में एक गोवंश का बच्चा मृत पड़ा है। समय पर निस्तारण न होने के कारण शव अब सड़ने लगा है, जिससे उठने वाली दुर्गंध ने पूरे इलाके को अपनी चपेट में ले लिया है। स्थानीय नागरिक सुमित, रामकुमार, अंकुश, अमित, विकास और पुष्पा देवी का आरोप है कि घटना की सूचना तत्काल संबंधित विभाग और सफाईकर्मियों को दी गई थी, लेकिन कोई सुध लेने नहीं पहुंचा। जब इस संबंध में नगर पंचायत फफूंद के अधिशाषी अधिकारी विनय कुमार पाण्डेय से संपर्क करने का प्रयास किया गया, तो उन्होंने औपचारिकता निभाते हुए कहा कि नगर पंचायत को सूचित कर दिया गया है।

अछल्दा बाईपास ओवरब्रिज स्थल पर लिया मिट्टी का नमूना

संवाददाता अछल्दा, औरैया

- मिट्टी जांच रिपोर्ट के आधार पर तय होगा ओवरब्रिज का फाउंडेशन और डिजाइन

73.42 करोड़ की लागत से बनेगा अछल्दा बाईपास ओवरब्रिज

अमृत विचार। कस्बे के पूर्वी साइड प्रस्तावित बाईपास ओवरब्रिज के निर्माण की दिशा में प्रक्रिया तेज हो गई है। गुरुवार सुबह सेतु निगम की टीम ने मौके पर पहुंचकर भूमि का निरीक्षण किया तथा मिट्टी के सैंपल लिए।

सेतु निगम की टीम में शामिल जूनियर इंजीनियर संकेत कुमार के नेतृत्व में प्रस्तावित ओवरब्रिज के लिए उपयुक्त स्थानों से मिट्टी के नमूनों का चयन किया गया। इन नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा जा रहा है। प्रस्तावित बाईपास ओवरब्रिज की कुल लंबाई लगभग 1.8 किलोमीटर होगी। इसके निर्माण के लिए शासन द्वारा 73 करोड़ 42 लाख 25 हजार रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है, जिसमें से 20 करोड़ 36 लाख 62 हजार रुपये की धनराशि अवमुक्त की जा चुकी है। शेष राशि निर्माण प्रक्रिया चालू होने के बाद तय समय पर दी जायेगी। सेतु निगम द्वारा ओवरब्रिज निर्माण से पूर्व जमीन की वास्तविक स्थिति जानने के लिए मिट्टी की जांच शुरू कर दी गई है। जेई संकेत कुमार ने बताया कि मिट्टी परीक्षण रिपोर्ट के आधार पर ही ओवरब्रिज के फाउंडेशन और संरचना का अंतिम निर्धारण किया जाएगा। मनोज पोरवाल, भोले नाथ गुप्ता, नारायण तिवारी, सुभाष, राजू पोरवाल का कहना है कि बाईपास ओवरब्रिज के निर्माण से कस्बे में लगने वाले जाम से राहत मिलेगी और आवागमन सुगम होगा। फिलहाल सर्वे और मिट्टी परीक्षण की प्रक्रिया पूरी होने के बाद निर्माण कार्य को आगे बढ़ाया जाएगा।

प्रशिक्षण में बच्चों को स्कूल के लिए तैयार करने पर दिया जोर

कार्यालय संवाददाता औरैया

अमृत विचार। आईसीडीएस के सुपरवाइजर एवं नोडल शिक्षकों की एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन ब्लॉक संसाधन केंद्र अछल्दा में किया गया। कार्यशाला में आंगनबाड़ी केंद्रों में अध्ययनरत बच्चों को कक्षा एक में प्रवेश के लिए मानसिक, शैक्षिक एवं सामाजिक रूप से तैयार करने हेतु संचालित स्कूल रेडीनेस कार्यक्रमों की विस्तार से जानकारी दी गई।

कार्यशाला का शुभारंभ डॉयट प्रवक्ता श्याम बाबू शर्मा द्वारा किया गया। उन्होंने कहा कि मां के आंचल से निकलकर बच्चे सबसे पहले आंगनबाड़ी केंद्रों में खेलते-कूदते सीखने की प्रक्रिया से जुड़ते हैं, जबकि प्राथमिक विद्यालयों में प्रवेश के बाद बच्चों को औपचारिक शिक्षा प्रक्रिया का सामना करना पड़ता है। ऐसे में बच्चों की रुचि और सहजता बनाए रखने के लिए स्कूल रेडीनेस से जुड़ी कार्यशालाएं

प्रशिक्षण के दौरान जानकारी देते प्रशिक्षक। अमृत विचार

- स्कूल रेडीनेस कार्यक्रम को लेकर आईसीडीएस सुपरवाइजर और नोडल शिक्षकों को मिला प्रशिक्षण

अत्यंत उपयोगी सिद्ध होती हैं। कार्यशाला में प्रशिक्षक एसआरजी सुनील दत्त राजपूत एवं अलका यादव द्वारा स्कूल रेडीनेस फेज-1 एवं हस्तपुस्तिका के आधार पर खेल-आधारित एवं गतिविधि-आधारित शिक्षण विधियों पर विस्तृत चर्चा की गई। इस अवसर पर डीसी प्रशिक्षण सौरभ गुप्ता ने कहा कि कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य आंगनबाड़ी केंद्रों और प्राथमिक विद्यालयों के नोडल शिक्षकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर बच्चों को कक्षा एक के लिए पूरी तरह तैयार करना है। एसआरजी सुभाष रंजन द्विवेदी ने अपने वक्तव्य में कहा कि स्कूल रेडीनेस कार्यक्रम बच्चों की नींव मजबूत करने का सशक्त माध्यम है। इस दौरान कार्यशाला में एआरपी योगेश बघेल, अमित पाल, प्रवेश कुमार, नोडल शिक्षक संकुल कौशलेंद्र यादव सहित जनपद के विभिन्न विकासखंडों से आए नोडल शिक्षक संकुल एवं आंगनबाड़ी सुपरवाइजर उपस्थित रहे।

तेज बारिश से फसलों को हुआ नुकसान

संवाददाता अछल्दा, औरैया

अमृत विचार। क्षेत्र में दो दिन पहले हुई तेज बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। बघईपुर गांव क्षेत्र में हुई भारी बारिश के कारण किसानों की आलू और सरसों की फसलें प्रभावित हुई हैं।

बारिश का पानी खेतों में भर जाने से करीब 100 बीघा आलू की फसल पूरी तरह भीग गई, जबकि लगभग 200 बीघा सरसों की फसल झुककर गिर गई है। किसान प्रमोद कुमार ने बताया कि अचानक हुई बारिश से आलू की फसल को काफी नुकसान पहुंचा है। खेतों में पानी भरने से फसल सड़ने की आशंका बढ़ गई

बर्बाद हुई सरसों की फसल। अमृत विचार

है। वहीं सरसों की फसल गिरने से दाने झड़ने का खतरा बना हुआ है। इस संबंध में किसानों नाथू राम, बहादुर, संजीव कुमार और साहब सिंह ने भी चिंता जताते हुए बताया कि यदि जल्द ही मौसम साफ नहीं हुआ तो नुकसान और बढ़ सकता है।

डायल 112 पर दी लूट की झूठी सूचना, गिरफ्तार

संवाददाता, कुदरकोट औरैया

अमृत विचार। गुरुवार को डायल 112 को राजेश कुमार निवासी तालपार थाना भरथना जनपद इटावा ने डायल 112 पर लूट की सूचना दी। लूट की सूचना पर डायल 112 व कुदरकोट पुलिस मौके पर पहुंच गई। कुदरकोट थाना पुलिस ने जांच की तो पता चला कि संजीव कुमार और विपिन उर्फ विमल आपस में जीजा-साले हैं। इनके बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हुई थी, जिसके बाद राजेश कुमार ने लूट की झूठी सूचना दी। थानाध्यक्ष अमर बहादुर सिंह के नेतृत्व में उपनिरीक्षक राममगन सिंह ने अपनी टीम के साथ इसकी जांच की। जांच में पाया गया कि लूट की सूचना पूरी तरह झूठी थी। जांच के दौरान पुलिस ने तीनों व्यक्तियों संजीव कुमार 37 वर्ष, राजेश कुमार 38 वर्ष और विपिन उर्फ विमल कुमार 36 वर्ष को समझाने का प्रयास किया। हालांकि वे समझाने के बावजूद आपस में झगड़ने और मारपीट पर उतारू हो गए। शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है।

आक्रोश | संयुक्त मोर्चा उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में गुरुवार को जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

मांगों को लेकर आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने किया प्रदर्शन

संवाददाता बिधूना औरैया

अमृत विचार। 29 जनवरी को आंगनबाड़ी संयुक्त मोर्चा उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में गुरुवार को जिला मुख्यालय पर आयोजित आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं के धरना प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में भारी संख्या में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं ने भाग लिया। इस अवसर पर आंगनबाड़ी संयुक्त मोर्चा की जिलाध्यक्ष ज्योत्स्ना गुप्ता के नेतृत्व में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं ने अपनी मांगों से संबंधित एक ज्ञापन जिलाधिकारी डॉ. इंद्रमणि त्रिपाठी को सौंपा। जिलाधिकारी ने ज्ञापन शासन तक पहुंचाने का आश्वासन दिया।

आंगनबाड़ी संयुक्त मोर्चा

जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपतीं आंगनबाड़ी कार्यकत्री। अमृत विचार

जनपद औरैया की जिलाध्यक्ष ज्योत्स्ना गुप्ता ने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों सहायिकाओं द्वारा राष्ट्रीय महत्व के सभी कार्यक्रमों को सफल बनाने का हमेशा प्रयास किया जाता रहा है, जबकि आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां सहायिकाएं आंगनबाड़ी केंद्रों का सफल संचालन कर नौनिहाल बच्चों को पल्लवित पोषित करने का कार्य कर रही है, बावजूद इसके आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों सहायिकाओं को न्यूनतम मजदूरी भी नसीब नहीं हो रही है। उन्होंने कहा की हर बार के बजट में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां अपने को ठगा महसूस करती हैं। उन्होंने जनपद की सभी कार्यकत्रियों व सहायिकाओं का धरना प्रदर्शन को सफल बनाने के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यदि दिये गये ज्ञापन के आधार पर 7 मार्च तक मांगे पूरी न की गई तो 8 मार्च को आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां सहायिकाएं लखनऊ के लिए कूच करेंगी। इस अवसर पर आंगनबाड़ी संयुक्त मोर्चा की पदाधिकारी अंजली सिंह, हेमलता, निर्मला देवी, शबनम, सीमा चौहान, अलका, रेखा, राजकुमारी, नीतू, विमला, मनोरमा, मीना तिवारी, प्रिया, गायत्री, दीपना सिंह महामंत्री, नीलम, सीमा पाल आदि पदाधिकारी एवं भारी संख्या में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां सहायिकाएं मौजूद रहीं।

नशीले पदार्थों की रोकथाम को लेकर हुई गोष्ठी

इटावा। एसपी ग्रामीण की अध्यक्षता में रिजर्व पुलिस लाइन स्थित सभागार में नारकोटिक्स व नशीले पदार्थों व की रोकथाम को लेकर गोष्ठी हुई। नारकोटिक्स, नशीले पदार्थों व विभिन्न प्रकार की नशीली दवाओं के दुरूपयोग की रोकथाम के सम्बंध में गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें उक्त गोष्ठी में मादक पदार्थों की अवैध तस्करी, व्यापार, जागरूकता अभियान एवं मादक पदार्थों के सेवन से होने वाली हानियों मादक पदार्थ की तस्करी पर रोक लगाने पर चर्चा की गयी। गोष्ठी में जिला आबकारी अधिकारी, शिक्षा विभाग, कृषि विभाग, औषधि विभाग, जीएसटी विभाग, कृषि विभाग, वन विभाग, आईबी, व अन्य सम्बन्धित विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना
यह सूचित किया जाता है कि M/s Matani Enterprises LLP (पंजीकृत कार्यालय: 111A/72A, अशोक नगर, कानपुर 208012) के भागीदारों ने इसे M/s Matani Enterprises Private Limited में परिवर्तित करने का प्रस्ताव पास किया है।

सूचना
मैं **रानी देवी पत्नी श्री राम औतार, निवासिनी- ग्राम व पोस्ट गुगौली जनपद फतेहपुर उ0प्र0**, यहकि मेरे नाम की स्पेंलिग पूर्व में (RANEE DEVI) थी। जो कि मैने अपने नाम की स्पेंलिग को बदलकर (RANI DEVI) रख लिया है अब मुझे मेरे नाम की स्पेलिंग RANI DEVI से ही जाना जाये।

सूचना
त्रुटिवश मेरे पासपोर्ट मे मेरा नाम एकता अंकित हो गया है, जबकि मेरा वास्तविक नाम आधार कार्ड एवं अन्य अभिलेखों में एकता दुबे (EKTA DUBEY) है। मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना। **एकता दुबे पुत्री ब्रह्मानंद द्विवेदी बेलहर कलां, सन्त कबीर नगर उत्तर प्रदेश 272199**

सूचना
मैं विनय कृष्ण पाल पुत्र श्री छोटे लाल पाल निवासी गली नं.-2बी, आशाराम बाबू आश्रम, सिटी मार्डन आकेडमी स्कूल, लखनऊ, मेरी पुत्री के जन्म प्रमाण-पत्र में शिरशा पाल नाम अंकित है। जबकि अन्य कागज जैसे आधार में वान्या पाल नाम अंकित है। मेरी पुत्री को अब वान्या पाल के नाम से जाना व पहचाना जाता है।

सूचना
मेरे पासपोर्ट मे मेरा नाम वीरेश धर लिख गया है जबकि मेरे आधार कार्ड,पेन कार्ड एवं अन्य अभिलेखों में मेरा नाम वीरेश धर दुबे (VIRESH DHAR DUBEY) है, मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। **वीरेश धर दुबे पुत्र ब्रह्मानंद द्विवेदी बेलहर कलां सन्त कबीर नगर उत्तर प्रदेश 272199**

सूचना
मैने अपना नाम SHABNAM SULTANA से बदलकर SHABNAM ARA रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। W/0-KHALID FAISAL ADD-46, TAIGORE MARG,NADWA CAMPUS,DALIGANJ, NEW HYDERABAD,DIST-LUCKNOW-226007 (U.P.)

सूचना
मैने अपने (माइनर) पुत्र का नाम AZHAAN MOHAMMADMUSTAK PENDARI से बदलकर AZHAAN PENDARI रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-MOHAMMAD MUSTAK PENDARI ADD-529A/239, MATEEN PURWA, NEAR FATIMI MASJID,KHURRAM NAGAR,VIKAS NAGAR, DIST-LUCKNOW-226022 (U.P.)

सूचना
मैने अपना नाम TANIYA SINGH से बदलकर TANIYA PUNN रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। C/0-ANADI PUNN ADD-802 SECTOR-24, KALYAN GARDEN VIEW APPARTMENT PO-INDIRA NAGAR DIST-LUCKNOW-226016 (U.P)

सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम बृजेश कुमार पुत्र अयोध्या प्रसाद ग्राम कुशल खेड़ा पोस्ट पहुरी तहसील लालगंज जिला रायबरेली का निवासी हूं। मेरी वास्तविक जन्म तिथि 18/04/1975 है। मेरा मूल पता उपरोक्त है।

NOTICE
It is informed that the Date of Birth of Alizah Azaz, D/O Azaz Ahmad Ansari, R/O Moh-Baddha, Sikanderpur, Ballia (U.P.), recorded in school as 10.03.2015, is incorrect. The correct Date of Birth is 10.03.2016 as per Government records. All concerned may note this for future reference.

सूचना
मेरे सुपुत्र अभिराम त्रिवेदी के शैक्षिक प्रमाण पत्र एवं अन्य अभिलेखों में अभिराम त्रिवेदी दर्ज है। जबकि किसी कारणों एवं त्रुटिवश उसके आधार कार्ड नंबर - 2000,5884, 8460 में अभिनाश त्रिवेदी हो गया है। उसे अभिराम त्रिवेदी के नाम से जाना व पहचाना जाए। **धीरज त्रिवेदी पुत्र सन्तोष कुमार त्रिवेदी निवासी- गंगाबक्श पुरवा, बिलग्राम रोड (हरदोई)**

लापता सूचना
मेरे पति विजय जायसवाल पुत्र स्व. भगौती प्रसाद जायसवाल दि.17/06/1991 को अपनी स्कूटी-UP32/DS-6234 से अमीनाबाद गये थे जो आज तक वापस घर नही आये। जिसकी प्रथम सूचना रिपोर्ट तत्काल थाना-गाजीपुर, लखनऊ में मेरे द्वारा दर्ज करायी गयी थी। यदि किसी व्यक्ति को इनके बारे में कोई जानकारी हो तो मेरे निम्न पते पर सूचित करने की कृपा करें। विजय जायसवाल का अन्य विवरण इस प्रकार है -कद-5 फिट 5 इंच, रंग-हल्का सांवला, इकहरा शरीर। शान्ती जायसवाल, म.नं.-ए-1325/4, इन्दिरा नगर, निकट मीना मार्केट, लखनऊ।

सूचना
मैं **राफिक पुत्र नूर मोहम्मद निवासी ग्राम तकिया बदलगढ़ मजरे अहमदपुर थाना व विकासखण्ड बाजारशुकुल परगना जगदीशपुर तहसील मुसाफिरखाना जनपद अमेठी,** मेरे पुत्र इमरान जिनका चाल चलन ठीक न होने के कारण उन्हें अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर रहा हूँ। अब मेरा व उसके परिवार के किसी भी सदस्य से कोई सम्बन्ध आज से नहीं रहेगा। इमरान के कृत्यों से सामाजिक व पारिवारिक व्यवहारों को देखते हुए मैं यह कार्य कर रहा हूँ। यदि उक्त कोई भी गलत कार्य करते है तो उसके लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगे मेरा व उसके किसी परिजनों का कोई वास्ता व सरोकार नहीं होगा।

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे ड्राइविंग लाइसेंस संख्या UP7520110013292 (आनलाइन आवेदन संख्या 4815587822) में नाम व पते की प्रविष्टि त्रुटिवश गलत दर्ज हो गई है। उक्त ड्राइविंग लाइसेंस में मेरा नाम जयनेन्द्र कुमार पुत्र राम खखन अंकित हो गया है, जबकि मेरा सही नाम ज्ञानेन्द्र कुमार पुत्र रामलखन है। इसी प्रकार पता भी गलत अंकित हो गया है, जबकि मेरा सही पता ग्राम-पुर्वा वर, पोस्ट-रूरूगंज, तहसील- बिधूना, जनपद- औरैया है। उक्त त्रुटि के संशोधन हेतु संबंधित विभाग में आवेदन किया जा रहा है। **-ज्ञानेन्द्र कुमार पुत्र रामलखन ग्राम-पुर्वा वर, पोस्ट- रूरूगंज तहसील- बिधूना (औरैया)**

सूचना
मैं **अबनाश सिंह पुत्र अनगपाल सिंह, निवासी -ग्राम राजापुर पोस्ट जाफराबाद जनपद कन्नौज,** मेरी हाईस्कूल की अंक तालिका में अबनाश सिंह अंकित है तथा मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम अबिनाश सिंह अंकित हो गया है जो कि गलत है। जबकि मेरा सही नाम अबनाश सिंह (ABNASH SINGH) है। अत: मेरे आधार कार्ड में अशुद्ध नाम अबिनाश सिंह के स्थान पर पर शुद्ध नाम अवनाश सिंह (ABNASH SINGH) अंकित किया जाय।

सूचना
मै **राम धीरज पुत्र राम औतार निवासी रसूलपुर ब्लाक हरख तहसील नवाबगंज जनपद बाराबंकी उ0प्र0**, मेरी पुत्री के आधार कार्ड सं0-3277 5755 2279 में उसका नाम (depile) पुत्री Pushpa Devi अंकित है जोकि गलत है जबकि पुत्री के जन्म प्रमाण पत्र पर उसका सही नाम दीपाली (DEEPALI) है जिसकी जन्मतिथि 13.11.2012 जो सत्य व सही है। अत: मेरी पुत्री का सही नाम दीपाली (DEEPALI) पुत्री राम धीरज अंकित किया जाय।

सूचना
मैं शमरीन खां पुत्री अबरार खां निवासी ग्राम हाजीपुर पो0 बेलगवां तह0 व जिला सीतापुर की हूँ। मैने हाईस्कूल की परीक्षा सन् 2021 में सेवाश्रम इण्टर कालेज काजीकमालपुर सीतापुर से संस्थागत छात्रा के रूप में उत्तीर्ण किया था। जिसका अनुक्रमांक-210970914 है, मेरा हाईस्कूल का मूल अंकपत्र सह प्रमाणपत्र तीन वर्ष पहले कहीं खो गया है। काफी तलाश किया परन्तु अंकपत्र सह प्रमाणपत्र नहीं मिल सका है।

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम राम किरसन पुत्र राम लखन,पता पूरे अकबर, पोस्ट कोटवा मोहम्मदाबाद, जनपद रायबरेली है। मेरे आधार कार्ड व बैंक पासबुक में मेरा नाम राम किरसन है। मैने भारतीय जीवन बीमा निगम में एक बीमा कराया था। जिसकी पॉलिसी सं. 236533692 है, जिसमें मेरा नाम कृष्ण कुमार पुत्र राम लखन अंकित है। उक्त दोनों नाम मेरे ही है मुझे दोनों नामों से जाना और पहचाना जाता है।

न्यूज ब्रीफ

संत रविदास जयंती पर निकलेगी शोभायात्रा

बिवांर (हमीरपुर)। कस्बे के पुरवा मोहाल से रविवार एक फरवरी को संत रविदास जयंती पर शोभायात्रा निकाली जाएगी। शोभायात्रा गांव की रास्ताओं से भ्रमण करते हुए पुनः उसी स्थान में जाकर सभा में बदल जाएगी। जिसमें अंधविश्वास, जात-पांति, छुआछूत भेदभाव, पाखंड, जुआ शराब को समूह से नाश करने की प्रतिज्ञा दिलाई जाएगी। दोपहर 1:00 बजे से यात्रा के निकाले जाने का कार्य शुरू होगा। शोभा यात्रा को निकल जाने की तैयारी में एमडी वर्मा, रामगोपाल वर्मा, शिवपाल वर्मा, रामबालक वर्मा तनमन से जुट गए हैं।

हरदौल तालाब की सफाई कराने की मांग

हमीरपुर। हरदौल तालाब की साफ सफाई करवाने की मांग को लेकर ग्रामीणों ने गुरुवार को अतिरिक्त एसडीएम को ज्ञापन सौंपा है। सुमेरपुर विकासखंड के नदहेरा गांव निवासी अरुण कुमार सिंह, हरीराम वर्मा, चंद्रशेखर, राकेश कुमार वर्मा, दयाराम अहिरवार, कृष्ण कुमार, कमला आदि ने बताया कि उनके गांव में हरदौल तालाब स्थित है जिसकी साफ सफाई को लेकर उन्होंने जून-2025 में ज्ञापन सौंपा दिया था, जिसमें अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हुई। उन्होंने बताया कि हरदौल तालाब आबादी के मध्य में है, जिसमें शिल्ट, जलकुम्भी व गोबर की वजह से जहरीली गैस बनने लगी है, आबादी में महामारी का खतरा बढ़ता जा रहा है, जिसको लेकर ग्रामीणों में आक्रोश है। जहरीली गैस व होने वाली बीमारियों से ग्रामीणों को बचाने के लिए उक्त हरदौल तालाब की साफ सफाई करवाने की मांग की है।

सड़क पर इंटरलॉकिंग की मांग को लेकर ज्ञापन

मौदहा (हमीरपुर)। कस्बे की मुख्य सड़क में मलीकुआं चौराहा से लेकर छिमौली रोड तक संभावित हादसों से बचने के उद्देश्य से इंटर लाकिंग की मांग उठाते हुए संगठन की ओर से ज्ञापन सौंपा। नेशनल ह्यूमन राईट एण्ड जस्टिस मूवमेंट के पदाधिकारियों ने उपजिलाधिकारी को संबोधित करते हुए एक ज्ञापन तहसीलदार शिखर मिश्रा को सौंपा। जिसमें कस्बे के मलीकुआं चौराहे से छिमौली रोड तक भीड़भाड़ और पढ़ने वाले स्कूलों के चलते बच्चों की आवाजाही के कारण संभावित हादसों को देखते हुए सड़क के दोनों ओर इंटर लाकिंग की मांग उठाई गई है। इतना ही नहीं संगठन ने सड़क पर तेज रफ्तार चलने वाले बालू और लकड़ी लदे वाहनों पर भी रोक लगाने की मांग की। इस दौरान डा.मुबीन खान, मुन्ना बॉर्डर, नईम प्रवक्ता, अरशद मामा सहित संगठन के एक दर्जन से अधिक लोग मौजूद रहे।

यमुना का जल कलश में भर निकाली गई यात्रा

सुमेरपुर (हमीरपुर)। स्वामी रोटी राम महाराज की तपोस्थली गुफा प्रांगण में स्थापित पंचमुखी हनुमान मंदिर से भव्य कलश यात्रा निकाल गांव के देव स्थलों का भ्रमण किया गया। सुमेरपुर विकासखंड के पत्योरा गांव में यमुना नदी किनारे स्थित स्वामी रोटी राम महाराज की तपोस्थली गुफा प्रांगण में पंचमुखी हनुमान मंदिर में श्री राम कथा का आयोजन शुक्रवार से होना है। कथा के उपलक्ष्य में गुरुवार को यमुना नदी से कलशों में जल भरकर युवतियों व महिलाओं ने अपने सिर पर रखकर पूरे गांव का भ्रमण किया। भव्य कलश यात्रा में डीजे की धुन में जहां भक्त झूमते दिखे ।

ट्रक यूनियन ने मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

हमीरपुर। ट्रक ऑपरेटर वेलफेयर एसोसिएशन ने विभिन्न मांगों को लेकर गुरुवार को कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री से संबोधित ज्ञापन अतिरिक्त एसडीएम को सौंपा है। जिसमें उन्होंने मांग पूरी न होने पर आंदोलन करने की चेतावनी दी है। ट्रक ऑपरेटर वेलफेयर एसोसिएशन के संरक्षक रेवती रमण बाजपेई और अध्यक्ष अनिल कुमार शुक्ला के नेतृत्व में दिए ज्ञापन में उन्होंने वाहनों की फिटनेस के लिए पुराने नियम को वापस करने की मांग की है। जिससे वाहन स्वामियों को दूर दूर बने प्राइवेट फिटनेस केंद्र में जाने से बचाया जा सके साथ ही प्राइवेट फिटनेस केंद्र में हो रहे भ्रष्टाचार से बचाया जा सके। उन्होंने इसके अलावा जिला मुख्यालय में प्राइवेट व सरकारी फिटनेस केंद्र बनवाने की मांग की है। वहीं उन्होंने बताया कि जिला पंचायत द्वारा मौरंग गिट्टी के ट्रकों से प्रति ट्रक छह सौ रुपये शुल्क लिया जा रहा है। जबकि पंचायत की ओर से न कोई सड़कें है न ही कोई अड्डा पड़ाव स्थापित किया गया है। पूर्व में जिला पंचायत द्वारा प्रति ट्रक 400 रुपये लिया जाता था। जिसको बढ़ाकर छह सौ रुपये कर दिया गया है। गलत और अवैध शुल्क वसूली से ट्रक संचालकों में आक्रोश है।

जमीन के विवाद में मां-बेटे ने खाया जहर, बेटे की मौत

दो फीट जमीन के विवाद में कुरारा थाना क्षेत्र के रिठारी गांव में हुई घटना

संवाददाता, कुरारा (हमीरपुर)

विवादित जमीन। अमृत विचार

अमृत विचार। थानाक्षेत्र के रिठारी गांव में दो फ़ीट जमीन के विवाद को लेकर मां बेटे ने जहर खा लिया। वहीं हालत गंभीर होने पर उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया। जहां उपचार के दौरान लड़के की मौत हो गई, मां का उपचार जारी है।

थानाक्षेत्र के रिठारी गांव निवासी गिरधारी पुत्र स्व.सूरजपाल सिंह करीब 5 वर्ष पूर्व गांव छोड़कर मुख्यालय के चौरा देवी के पास किराए का कमरा लेकर रह रहे थे। वही गांव के मकान के पास लालू उर्फ शिव नरेश के दिव्यांग पुत्र दिवाकर सिंह को मुख्यमंत्री आवास स्वीकृत हुआ था। जिसका निर्माण कार्य हो रहा था। वहीं करीब 15 दिन पूर्व मृतक की मां पान कुंवर ने अवैध कब्जे की सीएम पोर्टल में शिकायत दर्ज कराई थी। मुख्यालय में उच्च अधिकारियों को शिकायती पत्र दिया था। इसकी जांच के लिए पुलिस व एक राजस्व विभाग के लेखपाल मौके पर जांच करने गए थे। तभी पड़ोसियों द्वारा वह जमीन लालू सिंह पुत्र शिव नरेश पुत्र संत सिंह की बताई गई थी। गांव के ग्रामीण नाम न छापने के शर्त पर बता रहे हैं कि मृतक 302 हत्या जैसे कई मामलों में आपराधिक छवि का है, जेल जाने के बाद लालू सिंह उर्फ शिव नरेश ने पैसे खर्च कर इसकी जमानत कराई थी। जिसको लेकर दोनों रिश्तेदारों में विवाद चल रहा था। वही आवास की जगह को लेकर दोनों मे दूरिया हो गई। मृतक की मां पान कुंवर ने 2 फीट जमीन में कब्जा करने को लेकर उच्च अधिकारियों से कई बार शिकायत की थी।

किशोर ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

मौदहा (हमीरपुर)। क्षेत्र के गुसियारी गांव में एक किशोर ने गांव के बाहर पेड़ में रस्सी बांधकर फांसी लगा आत्महत्या कर ली। इस घटना से मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया। हालांकि कोतवाली पुलिस ने ऐसी किसी घटना की जानकारी होने से इनकार किया है।

कोतवाली क्षेत्र के ग्राम गुसियारी निवासी अनिल कुमार (15) पुत्र संतोष कुमार निषाद ने बुधवार की देर शाम गांव के बाहर महुआ के पेड़ पर रस्सी बांध फांसी लगा आत्महत्या कर ली। ग्रामीणों ने जब उसका शव पेड़ पर टंगा देखा तो यह सूचना उसके परिजनों को दी गई जिससे उसके परिजनों में कोहराम मच गया। मृतक के परिजनों ने उसका गांव में ही अंतिम संस्कार कर दिया है। मृतक चार भाइयों व दो बहनों में दूसरे नंबर का था वहीं कोतवाली पुलिस ने ऐसी किसी घटना की जानकारी होने से इनकार किया है।

www.amritvichar.com पर भी खबरें पढ़ें

यूजीसी के नए नियमों के विरोध में खून से लिखी तख्ती लेकर प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन करते सवर्ण समाज के लोग। अमृत विचार

अमृत विचार। यूजीसी के नए नियमों के विरोध में गुरुवार को सवर्ण समाज के लोगों ने अम्बेडकर पार्क से कलेक्ट्रेट तक पदयात्रा निकाली। इस दौरान विभिन्न संगठनों के सवर्ण खून से यूजीसी रोल बैक लिखकर हाथों में तख्ती लेकर चलते रहे।

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के जिलाध्यक्ष कुं. दिलीप सिंह गौतम, अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा (रा.) के जिलाध्यक्ष दीपक मिश्रा के नेतृत्व में अम्बेडकर पार्क से निकली पदयात्रा जजी होते हुए बस स्टैंड पहुंची। जहां उन्होंने सड़क पर बैठकर विरोध जताया। इसके बाद कलेक्ट्रेट में जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर फर्स पर लेटकर यूजीसी का विरोध जताया। इस दौरान दिए ज्ञापन में उन्होंने कहा कि विश्व विद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा लिए गए निर्णय से देश की शैक्षणिक व्यवस्था में गंभीर असंतुलन उत्पन्न हो रहा है। यह निर्णय योग्यता परिश्रम तथा सामान अवसर की संवैधानिक भावना के प्रतिकूल है। जिसके कारण शिक्षाविदो, छात्रों एवं अभिभावकों में व्यापक असंतोष व्याप्त है। कहा कि देश भर में विभिन्न सामाजिक एवं शैक्षणिक संगठनों द्वारा इस निर्णय का विरोध दर्ज कराया जा रहा है। जो यह दर्शाता है कि उक्त निर्णय में पुनर्विचार अत्यन्त आवश्यक है।कहा कि शिक्षा नीति में किसी भी प्रकार का असंतुलन समाज में असहमति एवं वैमनस्य को जन्म दे सकता है। उन्होंने यूजीसी के इस विवादित निर्णय को स्थगित करने, संवाद स्थापित कर पुनर्विचार करने योग्यता एवं समान अवसर की संवैधानिक भावना को पूर्णतः सुरक्षित रखने की मांग की है। इस मौके पर राम मनोहर तिवारी, प्रवीण पांडे, गगन मिश्रा, राज द्विवेदी, आलोक द्विवेदी, विकास दुबे, विजय द्विवेदी, प्रिंस मिश्रा, गगन मिश्रा, प्रशांत दीक्षित, अभिषेक मिश्रा, प्रकाश सिंह, दीप राज परमार, सचिन तिवारीआदि मौजूद रहे।

यातायात जागरूकता के तहत लोगों को जागरूक करते। अमृत विचार

सड़क सुरक्षा अभियान के तहत यातायात जागरूकता रैली निकाली

हमीरपुर। सड़क सुरक्षा अभियान के अंतर्गत एआरटीओ अमिताभ राय, पीओओ चन्दन पाण्डेय एवं यातायात प्रभारी हरवेन्द्र सिंह के संयुक्त नेतृत्व में राजकीय महाविद्यालय सुमेरपुर के छात्र-छात्राओं के साथ एक जागरूकता रैली का आयोजन किया गया।

रैली का उद्देश्य छात्र-छात्राओं सहित आमजन को यातायात नियमों के पालन, सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने एवं सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए सतर्क करना था। रैली के दौरान छात्र-छात्राओं द्वारा यातायात नियमों का पालन करें, हेलमेट व सीट बेल्ट का प्रयोग करें, नशे की हालत में वाहन न चलाएं, ओवरस्पीडिंग से बचें तथा सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा है जैसे स्लोगन प्रदर्शित किए ।

बिरमा नदी में वृद्ध का शव उतराता मिला

राठ (हमीरपुर)। कोतवाली क्षेत्र के गौहानी गांव के पास बिरमा नदी में एक वृद्ध का शव उतराता मिलने से सनसनी फैल गई।

जानकारी के अनुसार बुधवार की दोपहर बाद गौहानी गांव के पास बह रही बिरमा नदी में ग्रामीणों ने एक शव उतराता देखा तो सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने तलाशी ली तो जेब में आधार कार्ड निकाला। जिसकी पहचान जरिया गांव निवासी हरिदास (72) पुत्र परोड़ा राजपूत के रूप में हुई। मृतक की पहचान उनके भतीजे भूपेंद्र कुमार राजपूत ने की। भतीजे भूपेंद्र कुमार राजपूत ने पुलिस को बताया कि उनके चाचा हरिदास मानसिक रूप से विक्षिप्त थे। बताया कि मकर संक्रांति पर्व के दिन से ही घर से लापता थे। हरिदास अविवाहित थे। पुलिस जांचकर रही है।

परिवहन विभाग का बंद फिटनेस सेंटर चालू कराएं

संवाददाता, राठ (हमीरपुर)

- उप्र उद्योग व्यापार मंडल की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में व्यापारियों ने उठाईं समस्याएं
- जिला हमीरपुर से दो दर्जन से अधिक व्यापारियों ने पहुंच कर की सहभागिता

कार्यसमिति की बैठक को संबोधित करते केजी अग्रवाल। अमृत विचार

अमृत विचार। उप्र उद्योग व्यापार मंडल की प्रदेश कार्य समिति की बैठक उरई में संपन्न हुई। बैठक के मुख्य अतिथि विधान परिषद के सभापति कुंवर मानवेंद्र सिंह व बैठक की अध्यक्षता उप्र उद्योग व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष पंडित मुकुंद मिश्रा ने की। प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में हमीरपुर के विभिन्न कस्बों राठ, कुरारा, भरुवा सुमेरपुर, मौदहा से जिलाध्यक्ष केजी अग्रवाल के नेतृत्व में लगभग 24 व्यापारियों ने सहभागिता की।

बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष केजी अग्रवाल ने ऑनलाइन ट्रेडिंग व ई-कॉमर्स कंपनियों को रेगुलेटिंग एक्ट के तहत लाने के लिए चरणबद्ध तरीके से आंदोलन करने की आवश्यकता पर अपनी बात रखी। उन्होंने मांग की कि नगर निगम, नगर पालिका, जिला पंचायत नगर पंचायत द्वारा गृहकर जलकर व दुकानों के किराये में जो बेतहाशा वृद्धि हो रही है उस पर रोक लगनी चाहिए। जिला हमीरपुर में परिवहन विभाग के फिटनेस सेंटर बन्द हो गये। वाहनों के फिटनेस के लिए कानपुर जाना पड़ता है। इसके लिए प्रदेश स्तर पर आंदोलन की आवश्यकता है। प्रदेश उपाध्यक्ष प्रदीप कुमार गुप्ता ने बताया कि प्रदेश कार्य समिति की बैठक में निर्णय लिया गया कि वन नेशन वन मंडी शुल्क को अपनाते हुए मंडी शुल्क 5 फीसदी करवाया जाने एवं चुनाव कार्य के लिए मंडी समितियां का अधिग्रहण न किए जाने के संबंध में भी ज्ञापन देने एवं वृहद आंदोलन करने पर आम सहमति बनी। बैठक में व्यापार मंडल राठ के नगर अध्यक्ष काशी प्रसाद गुप्ता, नगर महामंत्री रहमत वेग, मोहम्मद अनवार, युवा के प्रदेश मंत्री राजेश अग्रवाल, कुरारा नगर अध्यक्ष अश्वनी द्विवेदी, रवि गुप्ता, भरुआ नगर अध्यक्ष महेश गुप्ता, महामंत्री श्यामलाल गुप्ता, मंडल महामंत्री अनुज शिवहरे, मौदहा के नगरध्यक्ष जेके गुप्ता, अभिषेक गुप्ता, आशीष गुप्ता सहित पूरे प्रदेश के लगभग 78 जिलों से 350 व्यापारी पदाधिकारियों ने सहभागिता की।

एसआईआर के अंतर्गत बीएलए की समीक्षा बैठक हुई

मौदहा (हमीरपुर)। विकास खंड के ग्राम सायर में विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर के अंतर्गत बीएलए की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया।

समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए रामगोपाल पुरी ने कहा कि सभी बीएलए अपने अपने बूथ में घर घर जाकर जानकारी कर ले की कोई भी व्यक्ति मतदाता बनने से छूट तो नहीं रहा है। यदि मतदाता सूची में नाम होगा तभी पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक समाज की जातियों का हक मिलेगा और संविधान की रक्षा होगी। बैठक में जितने भी लोग आए है सभी लोग वोट बढ़ाने के कार्य में ईमानदारी से लग जाए। बैठक को पूर्व चेयरमैन व एसआईआर प्रभारी कुरारा माया बाल्मीकि, सपा जिलाध्यक्ष इदरीश खान, शुभकरण सिंह परिहार, रामप्रकाश प्रजापति, मानवेंद्र सिंह, राजबहादुर पाल आदि ने संबोधित किया।

अतिक्रमण हटाओ अभियान में खानापूरी करने का आरोप

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

- चेयरमैन ने तहसील से भेजे गए कर्मियों पर कार्यवाही को कहा

अमृत विचार। नगर पंचायत कुरारा में अतिक्रमण हटाओ अभियान में अतिक्रमणकारियों के विरुद्ध कार्यवाही न करने एवं धन उगाही करने का आरोप चेयरमैन आशारानी कबीर ने लगाया है।

कानूनगो और लेखपाल द्वारा बार बार गड़बड़ी करने के बावजूद ड्यूटी लगाने से जनमानस में इनके विरुद्ध आक्रोश है। नगर पंचायत कुरारा चेयरमैन ने बताया कि 24 जनवरी को अतिक्रमण हटाए जाने के लिए तहसील स्तरीय टीम में कानूनगो अशोक निगम व लेखपाल चंद्रशेखर भारती आए थे, इन्होंने अतिक्रमण अभियान की उन्हें जानकारी नहीं दी। आरोप लगाया कि इनकी शिकायत पूर्व में उनके द्वारा की गई थी। जिस पर कार्यवाही नहीं हुई है। आरोप लगाया कि इन्होंने अतिक्रमणकर्ताओं से मिलकर धन उगाही की।

ऐसे में आम नागरिकों में शासन प्रशासन के प्रति अभियान में शिथिलता बरतने व अतिक्रमणकारियों को अनैतिक लाभ पहुंचाने की शिकायत की जा रही है। आरोप लगाया कि अतिक्रमण अभियान के नाम पर टीम ने खानापूरी कर खाली जमीन में सफाई आदि की कार्यवाही की है। ज्ञापन में कहा है कि लेखपाल ने अतिक्रमणकारियों को रात में निर्माण कार्य करने की सलाह दी है।बार-बार शिकायत के बाद भी संदिग्ध कर्मचारियों की ड्यूटी लगाना तथा अत्यन्त क्षोभ जनक है। कहा कि नगर में अतिक्रमण अभियान चलाने की जानकारी उन्हें भी दी जाए। उन्होंने संबंधित टीम के कर्मियों पर कार्यवाही की मांग की है।

फैक्ट्री कर्मी को डंपर ने मारी टक्कर, घायल

सुमेरपुर (हमीरपुर)। गुरुवार को सुबह सिसोलर से फैक्ट्री आते समय बाइक सवार फैक्ट्री कर्मी को मुंडेरा के समीप अतरैया मोड़ के पास अनियंत्रित डंपर टक्कर मारता हुआ सड़क किनारे जा घुसा। इस घटना में फैक्ट्री कर्मी की बाइक चकनाचूर हो गई और वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

गुरुवार को सुबह करीब 9:00 बजे से अनुज प्रजापति (23) कस्बे की उद्योग नगरी में संचालित एक बहुराष्ट्रीय फैक्ट्री में ड्यूटी करने बाइक से आ रहा था। मुंडेरा के पास अतरैया मोड़ के समीप सिसोलर की ओर से जा रहे अनियंत्रित डंपर ने जोरदार टक्कर मार दी और सड़क किनारे जा घुसा। इस घटना में बाइक सवार फैक्ट्री कर्मी को गंभीर चोटें लगी। राहगीरों की सूचना पर एंबुलेंस की मदद से इलाज के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। हालत गंभीर होने पर सदर अस्पताल रेफर किया गया है। घटना के बाद डंपर चालक मौके से फरार हो गया।

ग्रामीणों ने तहसील परिसर में लगाए मुर्दाबाद के नारे

संवाददाता, राठ (हमीरपुर)

- भू माफियाओं पर सरकारी जमीन की प्लाटिंग करने का आरोप

अमृत विचार। तहसील परिसर में नगर के दर्जनों लोगों ने पुलिस प्रशासन हाय हाय और मुर्दाबाद के जमकर नारे लगाए। लोगों का कहना है कि नगर क्षेत्र के कुछ लोगों ने सरकारी जमीन पर राजस्व कर्मियों की मिलीभगत से प्लाटिंग कर महंगे दामों में बेच दी है।

कस्बे के पठानपुरा निवासी राजेंद्र कुमार पुत्र रामकृपाल ने दर्जनों लोगों के साथ तहसील परिसर में प्रदर्शन और नारेबाजी करते हुए बताया कि नगर क्षेत्र के कुछ लोगों ने सरकारी जमीन पर राजस्व कर्मियों की मिलीभगत से प्लाटिंग कर महंगे दामों में बेच दी है। जब उसने इसकी शिकायत की तो प्रशासनिक अधिकारियों ने उक्त शिकायत का विधिक निस्तारण नही किया। बल्कि सरकारी जमीन की प्लाटिंग करने वाले भू माफियाओं को शिकायत करने संबंधी जानकारी दे दी। जिससे सरकारी जमीन में अवैध प्लाटिंग करने वाले लोग उसे निजी रंजिश मानने लगे हैं। उसकी ही निजी कृषि भूमि में कब्जा करने का षड्यंत्र रचने लगे हैं। बताया कि उसने जिला अधिकारी सहित उपजिलाधिकारी को शिकायती पत्र देकर न्यायोचित कार्रवाई की मांग की है। मामले में उपजिलाधिकारी अभिमन्यु कुमार ने बताया कि नारेबाजी कर रहे लोग स्वयं ही ट्रैक्टर रखकर अतिक्रमण कर रहे थे, जिसे पुलिस ने हटवाया है। उक्त जगह आबादी क्षेत्र की है। जिसमें दूसरे एक पक्ष ने 1972 में बैनामा कराया था तथा दूसरे पक्ष ने 1988 में बैनामा एवं दाखिल खारिज कराया था। बताया कि उन्होंने दोनों पक्ष को सिविल कोर्ट के जाने के लिए कहा था।

यूजीसी के विरोध में भाजपा टेढ़ा बूथ अध्यक्ष ने दिया इस्तीफा

सुमेरपुर (हमीरपुर)। भाजपा के टेढ़ा बूथ अध्यक्ष ने मंडल अध्यक्ष पूर्वी को त्यागपत्र भेजकर स्पष्ट किया है कि वह यूजीसी के लागू किए जाने से बेहद आहत हैं। भाजपा के टेढ़ा गांव के बूथ अध्यक्ष रोहित सिंह ने मंडल अध्यक्ष पूर्वी को भेजे इस्तीफे में स्पष्ट किया है कि उन्होंने अपने जीवन काल में हमेशा भाजपा को वोट दिया है लेकिन सरकार द्वारा ले गए यूजीसी से भावना आहत हुई है। हम अपने आने वाले पीढ़ी के बच्चों का भविष्य बर्बाद होते नहीं देखना चाहते हैं लिहाजा वह बूथ अध्यक्ष पद से त्यागपत्र दे रहे हैं। उन्होंने अपना त्याग पत्र सोशल मीडिया में भी वायरल किया है। जिसमें लोगों ने तरह-तरह की कमेंट्स किये है। बूथ अध्यक्ष का त्याग पत्र चर्चा का विषय बना हुआ है। पूर्वी मंडल अध्यक्ष रणवीर सिंह ने बताया कि बूथ अध्यक्ष का इस्तीफा स्वीकार नहीं किया गया है।

आक्रोश

मुख्यमंत्री को संबोधित 10 सूत्री मांगों का ज्ञापन डीएम को सौंपा

मांगों को लेकर कार्यकत्रियों व सहायिकाओं ने किया प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन करतीं आंगनबाड़ी व सहायिकाएं। अमृत विचार

अमृत विचार। लंबित और न्यायोचित मांगों के निस्तारण को लेकर जिलेभर की आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट में जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री को संबोधित 10 सूत्री मांग पत्र जिलाधिकारी घनश्याम मीना को सौंपा। जिसमें मांगों का निस्तारण न होने पर आठ मार्च को लखनऊ कूच करने की चेतावनी दी है।

आंगनबाड़ी संयुक्त मोर्चा की जिलाध्यक्ष अमिता श्रीवास्तव के नेतृत्व में दिए ज्ञापन में कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां एवं सहायिकाएं विगत कई दशकों से महिला एवं बाल विकास विभाग की आधारशिला के रूप में कार्य कर रही हैं। वह पोषण, स्वास्थ्य, शिक्षा, टीकाकरण, मातृ-शिशु देखभाल सहित केंद्र एवं राज्य सरकार की अनेकों योजनाओं का सफल क्रियान्वयन करती चली आ रही हैं। इसके बावजूद आंगनबाड़ी को न तो पूर्णकालिक सरकारी कर्मचारी का दर्जा प्राप्त है और न ही उन्हें वैधानिक सामाजिक सुरक्षा एवं सम्मानजनक सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं हैं। ज्ञापन में पूर्णकालिक सरकारी कर्मचारी का दर्जा प्रदान करने, वेतनमान, भविष्य निधि, पेंशन, ग्रेच्युटी, महंगाई भत्ता एवं सवेतन मेडिकल अवकाश सहित समस्त वैधानिक लाभ दिलाने की मांग है। वहीं रिटायरमेंट की आयु 65 वर्ष करने, वरिष्ठता के आधार पर नियमित एवं समयबद्ध पदोन्नति शासनादेश के अनुसार दिलाने, 5G मोबाइल फोन की खरीद के लिए 20 हजार व प्रतिमाह 2,500 का रिचार्ज एवं डाटा भत्ता अविलंब प्रदान करने, 1500 रुपये प्रोत्साहन राशि का भुगतान नियमित मानदेय में सम्मिलित करने सहित 10 सूत्री मांग की है।

इस मौके पर शशि त्रिपाठी, हेमलता तिवारी, रजनी सिंह, रेखा देवी, कल्पना साहू, लीला देवी, उर्मिला देवी, प्रेमा देवी, रामदेवी, रामकुमार, कस्तूरी, अनीता, सुनीता, रामपाल, कल्पना निषाद, उमा देवी, जानकी देवी, पाना देवी, उर्मिला सोनी, श्याम कली, रीता, माया देवी, श्याम,तुलसा रानी, राजकुमारी सहित सैकड़ों आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां और सहायिकाएं मौजूद रहीं।

सविता सेन समाज की कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण

संवाददाता, राठ (हमीरपुर)

- जननायक कर्पूरी ठाकुर की 102वीं जयंती मनाई गई

अमृत विचार। सविता सेन समाज जनकल्याण समिति के तत्वाधान मे भारत रत्न जननायक कर्पूरी ठाकुर पूर्व मुख्यमंत्री बिहार की 102वीं जयंती मनाई गई। इस दौरान सविता सेन समाज की कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह भी हुआ। इस मौके पर विधायक, जिला पंचायत अध्यक्ष और नगर पालिका अध्यक्ष ने द्रोपती सेन कर्पूरी ठाकुर और सेन महाराज के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।

इस दौरान विधायक मनीषा अनुरागी ने कर्पूरी ठाकुर के जीवन प्रसंगों पर अपने विचार रखे। कहा कि दो बार बिहार के मुख्यमंत्री रहे, शोषित वंचित गरीबों के मसीहा थे। लोक नायक जयप्रकाश नारायण के अनेको आंदोलनों में भाग लिया और जेल भी गये। नगर पालिका अध्यक्ष श्रीनिवास बुधौलिया ने कहा कर्पूरी ठाकुर का जीवन बड़ी सादगी और आत्मसम्मान और जनसेवा के परिचायक था। उनका जीवन सदैव भारतीय समाज का दिशा दर्शन करता रहेगा। इस मौके पर मुख्य अतिथि ने सेन समाज की नई कार्यकारिणी के जिलाध्यक्ष राजीव आर्य उर्फ रज्जू, कोषाध्यक्ष कुंवर बहादुर बाबू, प्रबन्धक चंद्रभान आर्य, सचिव महामंत्री मंगल करही, उपाध्यक्ष विजय आर्य, उपाध्यक्ष दुलीचंद्र बाबू रौरो, संरक्षक जयप्रकाश सविता पतरौल, ऑडिटर सीताराम आर्य जराखर, मंत्री सत्यनारायण सेन, सूचना प्रसार मंत्री विनोद आर्य बाबू, सह मंत्री हरिकांत आर्य को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

न्यूज ब्रीफ

बीडीओ पर मनमानी का लगाया आरोप

बेलाताल (महोबा)। खंड विकास अधिकारी की मनमानी के चलते महिलाओं का एसआईआर लिस्ट में नाम दर्ज नहीं हो पा रहा है, जिससे महिलओं को मतदान से वंचित होने का डर सता रहा है। महिलाओं द्वारा अपने बूथों पर कई कई चक्कर लगाने के बाद भी उनके फार्म नहीं भर पा रहे हैं, इससे उनमें खासा असंतोष है। खंड विकास अधिकारी संतराम एसआईआर के कार्य में मनमानी पर उतारू हैं। फार्म में छोटी सी कमी निकालकर महिलाओं को वापस कर रहे हैं, तमाम महिलाएं दिन भर ब्लाक परिसर और बूथों में बैठने के बाद बैरंग घर लौट रही हैं। महिलाएं ने बीडीओ द्वारा की जा रही तानाशाही की जिलाधिकारी से शिकायत किए जाने की बात कही है। जैतपुर के बजरिया निवासी कपूरी देवी, मोहल्ला खंदियापुरा निवासी संगीता गोस्वामी, सावित्री रैकवार, मंजू सिंह ने बताया कि उनके पास उनकी ससुराल बेलाताल के सारे प्रपत्र मौजूद हैं और मायके पक्ष के पिता माता के नाम के प्रपत्र होने के साथ साथ वोटर कार्ड नम्बर भी है बावजूद इसके उनके कार्य नहीं किए जा रहे हैं। संगीता गोस्वामी का कहना है कि उनकी ससुराल जैतपुर के सारे प्रपत्र हैं, वह शिक्षित है और शिक्षा प्रमाण पत्र में पिता का नाम दर्ज है, लेकिन ऑपरेटर उनके प्रपत्रों को स्वीकार नहीं कर रहे हैं।

मांगों के लिए आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं ने किया प्रदर्शन

धरना व प्रदर्शन के उपरांत मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन अतिरिक्त एसडीएम को सौंपा

कार्यालय संवाददाता, महोबा

अमृत विचार। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं ने लंबित एवं न्यायोजित मांगों को लेकर गुरूवार को कलेक्ट्रेट परिसर में धरना प्रदर्शन कर विरोध जताया और जमकर नारेबाजी की। बाद में अपनी मांगों को लेकर मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन अतिरिक्त उपजिलाधिकारी को सौंपा साथ ही चेतावनी दी कि यदि मांगों का निराकरण न किया गया तो आंगनबाड़ी संयुक्त मोर्चा व आंगनबाड़ी वर्कर्स हेल्पर्स एसोसिएशन महोबा शांत नहीं बैठेगा।

धरना प्रदर्शन करतीं आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां व सहायिकाएं। अमृत विचार

अतिरिक्त एसडीएम को सौंपे गए ज्ञापन में बताया कि आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां औ सहायिकाएं कई दशकों से महिला एवं बाल विकास की आधारशिला के रुप में कार्य करते हुए पोषण, स्वास्थ्य, शिक्षा, टीकाकरण, मृत शिक्षु देखभाल सहित केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं का सफल क्रियान्वयन कर रही हैं, बावजूद इसके आज भी आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को न तो पूर्णकालिक सरकारी कर्मचारी का दर्जा प्राप्त है और न ही उन्हें वैधानिक सामाजिक सुरक्षा एवं सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। ज्ञापन में बताया कि उत्तर प्रदेश में सेवानिवृत्त की आयु 65 वर्ष की जाए और कोरोना काल से अब सेवानिवृत्त सभी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को पेंशन एवं ग्रेच्युटी का लाभ दिया जाए।

ज्ञापन में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को पूर्ण कालिक सरकारी कर्मचारी का दर्जा दिए जाने, वेतनमान, भविष्य निधि, पेंशन, ग्रेच्युटी, महंगाई भत्ता एवं मेडिकल आवकाश सहित सभी वैधानिक दिए जाने की मांग की गई साथ ही आंगनबाड़ी से मुख्य सेविका पद पर एवं सहायिका से आंगनबाड़ी से कार्यकत्रि पद पर योग्यता एवं वरिष्ठा के आधारपर नियमित व समयवद्ध पदोन्नति शासना देश के अनुसार किए जाने की मांग की गई है। धरना देने वालों में आंगनबाड़ी संयुक्त मोर्चा की जिलाध्यक्ष आसमीन खातून, चंद्रप्रभा, दीप्ति, फूलवती राजपूत, मंजू चौरसिया सहित तमाम आंगनबाड़ी शामिल रही।

दो भाइयों के साथ तीन युवकों ने की मारपीट

मौदहा (हमीरपुर)। बहन के शादी के लिए कस्बे में खरीदारी करने आए दो सगे भाइयों को तीन बाइक सवार युवकों ने तमंचे के बल पर मारपीट घायल कर दिया। कोतवाली पुलिस ने तीनों युवकों को तमंचा सहित गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मामला दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया।

कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सिजवाही निवासी राहुल सिंह पुत्र कल्लू सिंह अपने भाई शिवम सिंह के साथ बुधवार को कस्बे में अपनी बहन के तिलक के लिए सामान खरीदने आए थे। तभी शाम को बाइक सवार कस्बा निवासी अरबाज पुत्र खालिद जमाल, मोहम्मद सलमान पुत्र इफ्तिखार अहमद व फरीदुद्दीन पुत्र जलालुद्दीन ने उनसे शराब पीने के लिए रुपयों की मांग की। दोनों भाइयों द्वारा रुपये न देने पर आरोपियों ने तमंचे लहराते हुए उनके साथ मारपीट कर उन्हें घायल कर दिया। पीड़ित की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने घायल भाइयों को मेडिकल परीक्षण के लिए भेज आनन फानन तीनों आरोपी युवकों को गिरफ्तार कर लिया। जिसमें सलमान व अरबाज के पास से दो अदद तमंचे बरामद कर मामला दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया है।

विशाल भंडारे के साथ धार्मिक कार्यक्रम संपन्न

भंडारे में प्रसाद ग्रहण करते संत। अमृत विचार

मौदहा(हमीरपुर)। क्षेत्र के छिमौली गांव में कलशयात्रा के साथ शुरू हुई भागवत कथा पुराण, केवट संवाद और संत सम्मेलन गुरुवार को विशाल भंडारे के साथ संपन्न हो गया। इस दौरान हजारों भक्तों ने प्रसाद छका।

क्षेत्र के ग्राम छिमौली में गोसाईं बाबा के धाम पर लगभग तीन दशक से चला आ रहा दस दिवसीय धार्मिक आयोजन हर्षोल्लास के साथ संपन्न हो गया। कार्यक्रम में बीते 19 जनवरी को निकाली गई कलश यात्रा के साथ एक सप्ताह भागवत कथा पुराण का आयोजन किया गया। जबकि 26 जनवरी को धाम के नीचे से निकली चंद्रावल नदी में केवट संवाद का आयोजन किया गया। केवट संवाद के बाद शुरू हुआ निरंतर चलने वाले अखंड भजनों का कार्यक्रम गुरुवार तक चलता रहा। गुरुवार को हुए विशाल भंडारे के साथ दस दिवसीय कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस दौरान समय समय समाज सेवियों, नेताओं आदि ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख सुशीला निषाद, प्रतिनिधि लाला राम निषाद और ग्राम प्रधान सहित ग्राम प्रधान प्रतिनिधि मीलू निषाद सहित गांव के युवक दिन रात मेहनत करते रहे।

यूजीसी बिल संशोधन के विरोध में परशुराम सेवा समिति ने सौंपा ज्ञापन

कार्यालय संवाददाता, महोबा

अमृत विचार। भगवान परशुराम सेवा समिति महोबा के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को यूजीसी बिल 2026 के संशोधन के विरोध एवं पुनर्विचार के लिए राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी गजल भारद्वाज को सौंपा। ज्ञापन में ब्राह्मण समाज ने भारत सरकार एवं संबधित मंत्रालय का ध्यान यूसीजी बिल 2026 के संशोधनों की ओर आकर्षित कराया है, जिसमें सामान्य वर्ग के छात्र और शिक्षा जगत के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका जताई है।

डीएम को ज्ञापन सौंपते समिति के लोग। अमृत विचार

राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन में बताया कि प्रस्तावित संशोधनों में योग्यता की अनदेखी कर कुछ विशिष्ट प्रावधान किए जा रहे हैं जो प्रतिभावान छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। अकादमिक स्वायत्तता बिल के कुछ अंश उच्च शिक्षण संस्थानों की स्वायत्तता को प्रभावित करते हैं, जिससे शिक्षा स्तर में गिरावट आने की संभावना हैं। बिना विचार विमर्श के लागू किए जा रहे ये बदलाव समाज के एक बड़े वर्ग में असुरक्षा और असंतोष की भावना पैदा कर रहे हैं।

ज्ञापन में बताया कि सवर्ण समाज की इन संस्थाओं को सरकार और शिक्षा मंत्रालय तक पहुंचाए जाने और बिल पर व्यापक चर्चा कर सुधार किए जाने की मांग की है, जिससे छात्रों के बीच में भेदभाव की स्थिति पैदा न हो सके। ज्ञापन देने वालों में कई लोग रहे।

डंपर ने ऑटो में मारी टक्कर, तीन घायल

मौदहा (हमीरपुर)। कस्बे के बाहर से निकले नेशनल हाईवे पर डंपर ने ऑटो में टक्कर मार दी। जिसमें मासूम बच्चे सहित तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। बिवांर थानाक्षेत्र के ग्राम लदार निवासी विष्णु (30) पुत्र चंद्र श्याम अपने परिवार के साथ ऑटो से कस्बे आ रहे थे।

तभी कस्बे के निकट नेशनल हाईवे पर अज्ञात डंपर ने ऑटो में टक्कर मार दी। जिसमें विष्णु, हीरामनी (25) पत्नी विष्णु और मासूम अंश (05) पुत्र विष्णु गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें एंबुलेंस के माध्यम से इलाज के लिए कस्बे के सरकारी अस्पताल लाया गया। जहां से मासूम बच्चे के गंभीर चोंटें होने के कारण प्राथमिक उपचार के बाद सदर अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया है।

स्टेटिक मजिस्ट्रेट की निगरानी में हो रहीं प्रयोगात्मक परीक्षाएं

- इंटमीडिएट के 91 परीथार्थियों ने दिए भौतिक और जीव विज्ञान के प्रैक्टिकल

संवाददाता, कुलपहाड़ महोबा

अमृत विचार। माध्यमिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश प्रयागराज बोर्ड की इंटरमीडिएट प्रयोगात्मक परीक्षाएं स्टेटिक मजिस्ट्रेट की निगरानी में संचालित कराई जा रही हैं। इसी क्रम में गुरुवार को नगर के जीबी इस्लामिया इंटर कॉलेज में भौतिक विज्ञान व जीव विज्ञान की प्रयोगात्मक परीक्षाएं स्टेटिक मजिस्ट्रेट राम सिंह, प्रधानाचार्य राजकीय इंटर कॉलेज जैतपुर के समक्ष भौतिक विज्ञान की परीक्षा श्याम बिहारी एवं जीव विज्ञान के एग्जामिनर राकेश कुमार तिवारी द्वारा कराई गई।

प्रयोगात्मक परीक्षाएं शुरू होने से पहले विद्यालय प्रबंधन ने सभी छात्र छात्राओं को इस बावत सूचना भेज दी, जिससे सभी छात्र छात्राएं समय से उपस्थित होकर प्रयोगात्मक परीक्षा में सम्मिलित हो सके। जीबी इस्लामियां इंटर कालेज के

प्रैक्टिकल देते परीक्षार्थी। अमृत विचार

प्रधानाचार्य एजाज अहमद खान ने बताया है कि इंटरमीडिएट भौतिक विज्ञान में 51 तथा जीव विज्ञान में 40 परीक्षार्थी उपस्थित हुए। प्रयोगात्मक परीक्षा के मौके पर जान मोहम्मद, राजेश कुमार साहू, पुष्पेंद्र कुमार, शमशाद अली आदि शिक्षक मौजूद रहे।

बीए सेमेस्टर के प्रैक्टिकल की तिथियां घोषित : महोबा। बुंदेलखंड से संबद्ध महाविद्यालयों में बीए की मौखिक प्रयोगात्मक परीक्षा की तिथियां घोषित हो गई है। जिसमें बीए प्रथम, तृतीय व पांचवे सेमेस्टर की ड्राइंग और पेंटिंग और बीए तृतीय व पांचवे सेमेस्टर की भूगोल विषय की मौखिक प्रयोगात्मक परीक्षा 30 जनवरी को साढ़े नौ बजे से कराई जाएगी। यह जानकारी साईं कालेज के प्राचार्य डॉ. एलसी अनुरागी ने जारी विज्ञप्ति के माध्यम से दी। प्राचार्य ने बताया कि बीए तृतीय और पांचवे सेमेस्टर की राजनीति विज्ञान और बीए प्रथम, तृतीय व पांचवे सेमेस्टर की शिक्षाशास्त्र विषय की मौखिक प्रयोगात्मक परीक्षा 2 फरवरी को साढ़े नौ बजे से होगी। 3 फरवरी को बीए प्रथम, तृतीय व पांचवे सेमेस्टर की गृहविज्ञान की मौखिक प्रयोगात्मक परीक्षा भी साढ़े नौ बजे से आयोजित होगी। 4 फरवरी को बीए प्रथम सेमेस्टर के राजनीति विज्ञान की मौखिक प्रयोगात्मक परीक्षा इसी समय पर कराई जाएगी। प्राचार्य ने बताया कि बीए प्रथम सेमेस्टर भूगोल का प्रैक्टिकल की तिथि प्राप्त नहीं हुई है, तिथि घोषित होते ही छात्र छात्राओं को जानकारी दी जाएगी। उन्होंने सभी छात्र छात्राओं से प्रैक्टिकल से एक दिन पहले अनिवार्य रुप से महाविद्यालय आकर शिक्षण शुल्क जमा करने और अपने प्राध्यापकों से जानकारी लेने की बात कही है।

गणतंत्र दिवस 2026

संदेश
देश में एकता और अखंडता बनाए रखना हम सभी का परम कर्तव्य है। देश की आजादी के लिए जिन जावांजों ने अपनी शहादत देकर देश को आजादी दिलाई है, उनकी कुर्बानी को कभी भुलाया नहीं जा सकता। देश की आजादी में हजारों महिलाओं का सिन्दूर उजड़ गया। जावांजों ने हंसते हंसते देश की आजादी के लिए अपने प्राणों को न्यौछावर कर दिया, इसके बाद हमें बड़ी मुश्किल से आजादी मिली है। इस आजादी को बरकरार रखने के लिए हम सभी के संकल्प लेना चाहिए। आज के दिन हम सभी लोग शहीदों को नमन करते हैं और उन्हें याद करते हैं। हमें देश के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के बताए हुए रास्ते पर चलाने का भी संकल्प लेना चाहिए। यही वीर शहीदों के लिए सच्ची श्रद्धांजलि होगी।
राजू नगायच
प्रतिनिधि पनवाड़ी, महोबा

समस्त क्षेत्र एवं प्रदेशवासियों को
77 वें गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
दीपू
ग्राम पंचायत विकास अधिकारी
विकासखण्ड – पनवाड़ी
जिला महोबा

समस्त क्षेत्र एवं प्रदेशवासियों को
77 वें गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
अमृता गुप्ता
ग्राम पंचायत विकास अधिकारी
विकासखण्ड – पनवाड़ी
जिला महोबा

समस्त क्षेत्र एवं प्रदेशवासियों को
77 वें गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
मुहम्मद सैफ
ग्राम पंचायत विकास अधिकारी
विकासखण्ड – पनवाड़ी
जिला महोबा

जिले के अधिकारियों, कर्मचारियों और क्षेत्र वासियों को
77 वें गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं

राजू नगायच
पूर्व जिला पंचायत सदस्य
महोबा

समस्त क्षेत्र एवं प्रदेशवासियों को
77 वें गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं

श्री संजय द्विवेदी
प्रधान संगठन जिला अध्यक्ष
महोबा ग्राम प्रधान पनवाडी
विकास खण्ड पनवाडी
बुधौलिया ग्रेनाइट–जमाला,
राधे श्याम मेडिकल स्टोर
पनवाड़ी

समस्त क्षेत्र एवं प्रदेशवासियों को
77 वें गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं

श्रीमती अजंना श्रीप्रकाश अनुरागी
ब्लॉक प्रमुख – पनवाड़ी
इंजीनियर चॉईस एजुकेयर लाईब्रेरी–पनवाड़ी

जिले के अधिकारियों, कर्मचारियों, व्यापारियों और भाजपा कार्यकर्ताओं को
77 वें गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं

भागीरथ नगायच
जिलाध्यक्ष
जिला उद्योग व्यापार मंडल
महोबा

न्यूज ब्रीफ

लेबर अड्डे के लिए चयन की जाए जगह

चित्रकूट। प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना के अंतर्गत असंगठित कर्मकारों का पंजीयन कराए जाने के लिए जिलाधिकारी पुलकित गर्ग की अध्यक्षता में बैठक हुई। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि जिले को आवंटित लक्ष्य 15 मार्च तक प्रत्येक दशा में पंजीयन हो जाए। पंजीयन के लिए जनसुविधा केंद्र के माध्यम से लक्ष्य आवंटित कर दें और प्रत्येक सप्ताह इसकी समीक्षा करें कि उनके द्वारा कितना पंजीयन किया जा रहा है। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि अधिशासी अधिकारी और उप जिलाधिकारी श्रमिकों के एकत्र होने के स्थान ट्रैफिक चौराहे से एक किलोमीटर की सीमा के अंतर्गत न्यूनतम दो सौ वर्गमीटर एक ऐसी जगह का चयन करें जहां पर लेबर अड्डे का निर्माण किया जा सके।

31 को रहेगा विशेष अभियान

चित्रकूट। अपर जिलाअधिकारी /उप जिला निर्वाचन अधिकारी चंद्रशेखर ने विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के संबंध में बैठक की। बताया कि विशेष अभियान की तिथि 31 जनवरी को सभी बीएलओ अपने-अपने बूथों पर प्रातः 10 .30 बजे से शाम साढ़े चार बजे तक आलेख्य नामावली को पढ़ेंगे तथा नामों का सत्यापन करेंगे। दावे / आपत्तियां प्राप्त करेंगे। विशेष अभियान तिथि एक फरवरी को संत रविदास जयंती होने पर आयोजित नहीं किया जाएगा।

कोटा वितरण की तिथि अब 30 जनवरी तक

चित्रकूट। जिला पूर्ति अधिकारी कमल नयन सिंह ने बताया कि माह जनवरी के सापेक्ष आवंटित खाद्यान्न का वितरण 30 जनवरी तक विस्तारित किया गया है। ई-पास मशीन से आधार आधारित वितरण किया जाएगा। मोबाइल ओटीपी से वितरण की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। कार्डधारकों को पोर्टेबिलिटी के माध्यम से आवश्यक वस्तुओं को प्राप्त करने की सुविधा भी रहेगी।

टीकाकरण कार्यक्रम का आयोजन किया

चित्रकूट। कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में एचपीवी टीकाकरण कार्यक्रम किया गया। इसमें मुख्य चिकित्साधिकारी डा. भूपेश द्विवेदी, चिकित्साधीक्षक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शिवरामपुर डा. राजेश सिंह और अधिकारियों, कर्मचारियों ने टीकाकरण कार्यक्रम संपन्न कराया। डा. राजकुमार तिवारी, आशीष कुशवाहा, रोहित अग्रवाल, मनोज द्विवेदी, प्रेमपती, आकांक्षा चौधरी, मंजू देवी, सोनू देवी, निशा सिंह, रेशमा आदि मौजूद रहीं।

कर्मचारियों की समस्याओं और अधिकारों पर चर्चा

चित्रकूट। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद उत्तर प्रदेश की जिला इकाई की बैठक में कर्मचारियों की समस्याओं और अधिकारों पर चर्चा की गई। संगठन को मजबूत करने, कर्मचारी हितों की रक्षा के लिए एकजुट होकर संघर्ष करने का संकल्प लिया गया। इस मौके पर जिलाध्यक्ष प्रदीप कुमार पांडेय, आशीष कुमार यादव, रणजीत सिंह, बृजेश कुमार यादव, महेंद्र सिंह यादव, अनुराग द्विवेदी आदि मौजूद रहे। पदाधिकारियों ने कहा कि कर्मचारियों की लंबित समस्याओं के समाधान के लिए प्रशासन से लगातार संवाद किया जाएगा और जरूरत पड़ने पर आंदोलनात्मक कदम भी उठाए जाएंगे।

मुख्यमंत्री से मिला आयुष का परिवार, बताई व्यथा

मुख्यमंत्री योगी ने प्रमुख सचिव गृह को दिए मांगों पर कार्रवाई करने के निर्देश

संवाददाता, बरगढ़ चित्रकूट

अमृत विचार। मासूम आयुष के परिवारीजनों ने गुरुवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलकर अपनी व्यथा बताई। पीड़ित परिवार ने बताया कि मुख्यमंत्री ने उनकी बातों को सहानुभूति से सुना और प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद को मांगों पर जल्द से जल्द कार्रवाई के निर्देश दिए।

कस्बे के कपड़ा व्यापारी अशोक कुमार केशरवानी के 13 वर्षीय बेटे आयुष उर्फ छोटू की 22 जनवरी को 40 लाख की फिरौती के लिए निर्ममता से हत्या कर दी गई थी। बाद में पुलिस से मुठभेड़ में एक आरोपी कल्लू मारा गया था, जबकि दूसरा आरोपी इरफान जेल में है। गुरुवार को आयुष के पिता अशोक केशरवानी, माता सुनीता, भाई आदित्य और बरगढ़ के पूर्व प्रधान प्रकाश चंद्र केशरवानी ने मंत्री नंदगोपाल नंदी के साथ मुख्यमंत्री से मिले। पीड़ित परिवार ने मुख्यमंत्री को अपनी व्यथा बताई और मांगों का पत्र सौंपा। लगभग बीस मिनट की मुलाकात में सीएम ने परिवार की बातों को गंभीरता से सुना और भरोसा दिया कि वह उनके साथ हैं। अशोक ने बताया कि सीएम ने प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद को निर्देश दिए कि उनकी मांगों पर जल्द से जल्द कार्रवाई की जाए।

सीएम से मिलते आयुष के परिवारीजन, साथ में मंत्री नंदगोपाल नंदी और पूर्व प्रधान प्रकाश केशरवानी। अमृत विचार

ये हैं पीड़ित परिवार की मांगें...

- घटना की सीबी सीआईडी या उच्चस्तरीय जांच कराई जाए।
- अपराधियों के घरों पर बुलडोजर की कार्रवाई की जाए, संपत्तियों को जब्त किया जाए।
- शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वाले व्यापारियों पर दर्ज मुकदमा वापस लिया जाए।
- पीड़ित परिवार को शस्त्र लाइसेंस दिया जाए। जब तक मुख्य आरोपी को सजा न मिले, निशुल्क सरकारी सुरक्षा दी जाए।
- आरोपी को सजा न मिलने तक परिवार की सुरक्षा के लिए पुलिस की एक टुकड़ी तैनात की जाए।
- पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता दी जाए।

यूजीसी संशोधन कानून पर आक्रोश

राजापुर (चित्रकूट)। तुलसीतीर्थ में यूजीसी संशोधन कानून पर चर्चा के लिए बैठक हुई और उप जिलाधिकारी को राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सौंपा गया। अध्यक्षता समाजसेवी सुनील मिश्रा ने की। सुनील ने कहा कि इससे सवर्ण छात्रों के साथ भेदभाव व असमानता व इस कानून के दुरुपयोग होने की प्रबल आशंका है। नया कानून सामान्य वर्ग के छात्रों के खिलाफ हथियार के रूप में प्रयोग होगा। अनिल त्रिपाठी एडवोकेट ने कहा कि शिक्षण संस्थानों में भाईचारे को समाप्त करने के लिए केंद्र सरकार की राजनीतिक लाभ लेने की साजिश है। इस दौरान रोहित तिवारी, संजय शुक्ला, नीरज तिवारी, अमन त्रिपाठी, प्रशांत तिवारी, हेमंत द्विवेदी, इशांत द्विवेदी, विकास अग्रहरि, सत्यव्रत मिश्रा, विशाल मिश्रा, मंगल पांडेय, राजेश तिवारी, आशीष द्विवेदी, संजीव कुमार पांडेय, अनुज शुक्ला, पुष्पेंद्र त्रिपाठी, आलोक पांडेय, पुष्पांजलि शुक्ला, लाल सिंह, जनमेजय शुक्ला ,धर्मेंद्र कुमार पांडेय ,अभिषेक चतुर्वेदी, शिव विलास मिश्र रहे।

बिना भुगतान के महिला आरोपी को हाईकोर्ट से राहत

कार्यालय संवाददाता चित्रकूट

अमृत विचार। सरकारी धन की अनियमित अदायगी से जुड़े चर्चित ट्रेजरी घोटाले में एक आरोपी को उच्च न्यायालय इलाहाबाद ने नियमित जमानत दी है।

युवा अधिवक्ता क्रांतिकिरण पांडेय ने बताया कि 28 जनवरी 2026 को लक्ष्मी देवी की जमानत याचिका पहली बार उच्च न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत हुई, जिसमें उनके खाते में ट्रेजरी से एक करोड़ इक्कीस लाख सत्रह हजार तीन सौ तिरपन रुपये की कथित अनियमित भुगतान राशि का गंभीर आरोप था। सुनवाई के दौरान अधिवक्ता ने न्यायालय को अवगत कराया कि भले ही यह धनराशि अभियुक्ता लक्ष्मी देवी के खाते में आई हो, लेकिन वह स्वयं इस भुगतान से पूर्णतः अनजान थीं। उन्होंने बताया कि अभियुक्ता मात्र हस्ताक्षर कर सकती हैं और इतनी शिक्षित नहीं हैं कि खाते के लेनदेन को पढ़ या समझ सकें। अधिवक्ता का यह भी कहना था कि पूरे प्रकरण में खाते का इस्तेमाल तो लक्ष्मी देवी के नाम पर हुआ, लेकिन उसका संचालन किसी अन्य व्यक्ति या उनके पुत्र दीपक द्वारा किया गया। बताया कि अदालत में प्रस्तुत इन तथ्यों और तर्कों के आधार पर न्यायालय ने पहली ही सुनवाई में अभियुक्ता को नियमित जमानत प्रदान कर दी। उल्लेखनीय है कि चित्रकूट के इसी ट्रेजरी घोटाले में अभियुक्ता जोगवा को जहां केवल अंतरिम जमानत मिली है, वहीं अभियुक्त बलवंत को धनराशि जमा करने के बाद ही राहत नसीब हुई।

क्रांतिकिरण पांडेय।

ऐसे में लक्ष्मी देवी अब तक की पहली महिला आरोपी हैं, जिन्हें बिना किसी राशि के भुगतान के सीधे नियमित जमानत मिली है। अधिवक्ता पांडेय का कहना है कि यह आदेश न केवल कानून की बारीकियों को रेखांकित करता है, बल्कि यह भी सवाल खड़ा करता है कि आखिर करोड़ों की सरकारी रकम किन हाथों से और कैसे ठिकाने लगाई गई।

ग्राम समाज की जमीन से अवैध कब्जे ढहाए

बरगढ़ (चित्रकूट)। मऊ तहसील की ग्राम पंचायत बरगढ़ में उप जिलाधिकारी रामऋषि रमन ने गांव समाज की जमीन से अवैध कब्जे हटवाए। इस संबंध में प्रधान शैलेश कुमार शुक्ला सहित कई लोगों ने शिकायतें की थी। जेसीबी मशीन से अवैध कब्जे ढहाए गए। एसडीएम ने बताया कि बचे अवैध कब्जों के लिए धारा 67 के तहत कार्रवाई करते हुए नोटिस जारी की गई है। कब्जेधारकों को स्वयं अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए हैं। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए मौके पर क्षेत्राधिकारी मऊ फहद अली और बरगढ़ थाने की पुलिस मौजूद रही। डीएम पुलकित गर्ग के निर्देश पर पूरे जिले में अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया जा रहा है।

लोगों को नहीं मिलेगा प्रदर्शनी का आनंद

संवाददाता कालपी-जालौन

अमृत विचार। नगर मे नुमाइश की परंपरा काफी पुरानी है पर यह पहले टरननगंज स्थित रक्षा मन्त्रालय के मैदान में लगती थी लेकिन तत्कालीन समाज कल्याण मन्त्री श्री राम पाल ने उक्त मैदान पर व्यवसायिक पटटे कर दिए थे जिससे नुमाईश लगना बन्द हो गई थी ।

हालांकि कुछ वर्षों बाद नगर निवासी मुन्ना लाल गुप्त ने मकर संक्रांति के मौके पर एमएसवी इण्टर कालेज के मैदान में इसकी शुरुआत की थी यहां पर नगर के साथ ग्रामीण क्षेत्र के लोग भी बड़ी संख्या में आते हैं । इस वर्ष भी 10 जनवरी से एमएसवी इण्टर कालेज के मैदान में प्रदर्शनी का उदघाटन हुआ था तो 13 जनवरी को एसपी बालिका इण्टर कालेज के पास भी दूसरी प्रदर्शनी की शुरुआत हुई थी लेकिन महज एक सप्ताह के बाद नगर निवासी अनिल पुरवार की शिकायत के आधार पर जिला प्रशासन ने हाईकोर्ट के आदेश के अनुपालन में इसे बंद कराए जाने के निर्देश दिए थे, जिसके चलते गत दिनों जिविनि द्वारा विद्यालय परिसर की अनुमति निरस्त कर विद्यालय प्रशासन को नुमाइश बन्द कराने के निर्देश दिए दे जिसपर एसडीएम मनोज कुमार सिंह ने 24 जनवरी को नुमाइश के लिए दी गई दोनों अनुमति निरस्त कर दी थी । एस डी एम मनोज कुमार सिंह के अनुसार हाईकोर्ट के आदेश के अनुपालन के चलते नगर मे चल रही दोनों प्रदर्शनी की अनुमति निरस्त की गई है।

नैनो उर्वरक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

चित्रकूट। किसान दिवस पर कलेक्ट्रेट सभागार में धरती माता बचाओ अभियान एवं इंडियन फारमर्स फर्टिलाइजर कोऑपरेटिव लिमिटेड के तत्वावधान में एक दिवसीय नैनो उर्वरक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिलाधिकारी पुलकित गर्ग मौजूद रहे। संचालन जिला कृषि अधिकारी आरपी शुक्ला ने किया। कार्यक्रम में किसानों को रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग करने एवं संतुलित उर्वरक प्रयोग व वैकल्पिक उर्वरकों का प्रयोग करने की सलाह दी गई। इनको नैनो डीएपी आधारित प्रदर्शन प्रक्षेत्र पर ले जाकर नैनो डीएपी, नैनो यूरिया, सागरिका एवं नैनो जिंक का ड्रोन से स्प्रे कराकर दिखाया गया।

नोटिस लेकर ब्लॉक कार्यालय पहुंचे लोग

कार्यालय संवाददाता जालौन

अमृत विचार। एसआईआर में गड़बड़ियों को लेकर लोगों को नोटिस प्राप्त हुआ है। नोटिस प्राप्त करने वालों की ब्लॉक परिसर में भीड़ जमा रही। लोग अपने फार्म जमा करने के लिए परेशान रहे।

एसआईआर की ड्राफ्ट सूची आने के बाद लोगों को नोटिस प्राप्त हो रहे हैं। जिनके माध्यम से लोगों को उनके नाम सूची में दर्ज कराने का मौका दिया जा रहा है। नगर में कुछ लोगों को उरई में आपत्ति के निस्तारण का नोटिस मिला था। इसके बाद लोग उरई पहुंच गए। हालांकि उरई के स्थान पर जालौन में ही ब्लॉक परिसर में एक खिड़की खुलवा दी गई है। यहीं पर लोगों की आपत्तियां ली जा रही हैं। अधिक भीड़ होने की वजह से लोगों में अफरा तफरी का माहौल है। आपत्ति के निस्तारण में दिए गए 11 दस्तावेजों में कोई एक दस्तावेज जमा करना है। लेकिन लोगों का आरोप है कि एक से अधिक दस्तावेज भी मांगे जा रहे हैं। जिससे परेशानी और बढ़ गई है। जोशियाना निवासी अविनाश ने बताया कि उन्होंने निवास प्रमाण पत्र लगाया था अब पिता का भी आधार कार्ड लिया जा रहा है। सुबह से तीन बजे तक लाइन में लगने के बाद अब आधार कार्ड लेने जाना पड़ेगा। राजकुमार गुप्ता, अब्दुल कयूम, अशोक सक्सेना आदि ने भी बताया कि उन्हें उरई जाने का नोटिस प्राप्त हुआ था। जब वह उरई पहुंचे तो बताया गया कि ब्लॉक कार्यालय में ही फॉर्म जमा होंगे।

ब्लॉक कार्यालय में लगी भीड़। अमृत विचार

भागवत कथा से मिलता है दिव्य ज्ञान

कार्यालय संवाददाता जालौन

अमृत विचार। सिकरीराजा गांव में अमर सिंह भदौरिया के आवास पर आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के दूसरे दिन कथा व्यास गगन द्विवेदी महाराज ने श्रीमद्भागवत कथा के महात्म्य और राजा परीक्षित के जन्म प्रसंग का वर्णन किया।

दूसरे दिन कथा व्यास गगन द्विवेदी महाराज ने भागवत कथा का महात्म्य बताते हुए कहा कि श्रीमद्भागवत पुराण केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि मानव जीवन को सही दिशा देने वाला दिव्य ज्ञान है। भागवत कथा मनुष्य को धर्म, सत्य, करुणा और भक्ति के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। जो व्यक्ति श्रद्धा और विश्वास के साथ भागवत कथा का श्रवण करता है, उसके जीवन के अनेक कष्ट स्वतः ही दूर होने लगते हैं और मन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। भागवत कथा के श्रवण से व्यक्ति का अंतर्मन शुद्ध होता है और उसे ईश्वर के निकट होने का अनुभव प्राप्त होता है। राजा परीक्षित के जन्म की कथा का वर्णन कर बताया कि राजा परीक्षित का जन्म महाभारत युद्ध के बाद हुआ था। इस मौके पर पारीक्षित चंदन कुंवर, अमर सिंह भदौरिया, अर्चना, सुनीता, शशी, विनीता, मीना, विनीता, गिरेन्द्र सिंह, मोनू, गुड्डू, राजू, जीतू, पवन, दीपक, मोंटी, विक्की, सतेंद्र सिंह, गौरव, सौरव आदि रहे।

भागवत कथा का श्रवण कराते भागवताचार्य गगन द्विवेदी। अमृत विचार

- सिकरीराजा गांव में कथा के दूसरे दिन उमड़े श्रद्धालु

ट्रक में लगी आग हादसा टला

कालपी जालौन। कानपुर से झांसी की तरफ जा रहे ट्रक मे अचानक आग लग गयी। हांलाकि ज्यादा नुकसान नहीं हुआ है।

गुरुवार दोपहर एक ट्रक माल लादकर कानपुर से झांसी की तरफ आ रहा था जैसे ही वह हाईवे स्थित चौरासी गुम्बद के पास पहुंचा था, इसी दौरान ट्रक के इंजन से धुंआ उठने लगा । इसपर चालक तथा हेल्पर ने ट्रक को खड़ा कर दिया और आग बुझाने की कोशिश करने लगे। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने ट्रक में पानी डालकर आग पर काबू पाया। हालांकि तब तक ट्रक की वायरिंग जलकर राख हो गई। ट्रक चालक के अनुसार यह आग वायरिंग मे शार्ट सर्किट की वजह से लगी है जिसमे हजारों की क्षति हुई है पर ट्रक मे लदा माल जलने से बच गया है।

यमुना आरती में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

जालौन। शुक्लपक्ष की जया एकादशी पर पीताम्बर घाट (पीलाघाट) कालपी धाम में मां प्रसादम सेवा न्यास द्वारा मां यमुना का पूजन आरती व दीपदान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। गुरुवार को एकादशी पर मां प्रसादम सेवा न्यास द्वारा मां वनखण्डी देवी शक्तिपीठ के महंत जमुना दास जी महाराज द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ मां यमुना नदी का पूजन अर्चन कराया गया। इसके बाद मां यमुना की दिव्य एवं भव्य आरती पंडित अंकित दीक्षित, पंडित कृष्णा दीक्षित, पंडित निरूपण दीक्षित, पंडित मोहित मिश्रा कानपुर के द्वारा की गई। इस दौरान अनिल आचार्य ,रमाकांत, राधेश्याम तिवारी, पियूष प्रयागराजी, हर्षित पुरवार, ऋषि पुरवार, प्रेम कुमार गुप्ता, अरविन्द शर्मा, अर्चना शर्मा , नीतू मिश्रा, विवेक निगम, नीलमा निगम, डाक्टर राधारानी, अतुल शुक्ला, अभिषेक गुप्ता समेत बड़ी संख्या में महिलाएं पुरुष व बच्चे मौजूद रहे।

इतिहास

दुर्गंध देते गोल तालाब को बचाएंगे जल प्रहरी और समाजसेवी

पेशवाकालीन धरोहर को बचाने की कोशिश

कार्यालय संवाददाता चित्रकूट

अमृत विचार। जिले के समाजसेवियों ने एक बार फिर पेशवाकालीन धरोहर को बचाने की पहल की है। गणतंत्र दिवस पर इन्होंने तिरंगा फहराकर इसकी शुरुआत की।

कर्वी में पेशवाकालीन विशिष्ट नक्काशी की ऐतिहासिक जलधरोहर गोल तालाब को वहां के निवासियों ने समाजसेवियों के साथ बचाने की ठानी है। इन लोगों ने भूजल को शुद्ध बनाने और दुर्गंध मारते गोल तालाब के पुनर्जीवन के लिए चिंतन गोष्ठी की और गोल तालाब जल बचाओ सत्याग्रह के चलाने का संकल्प लिया। श्रमदान यज्ञ का संकल्प लिया गया। सभी ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि जब तक जिला प्रशासन, नगर पालिका और समाज हमारी जल धरोहर के पुनर्जीवन का निर्णय नहीं लेता तब तक हम लोग प्रतिदिन एक घंटे का श्रमदान करेंगे। अध्यक्षता गोल तालाब निवासी पूर्व उप खंड विकास अधिकारी सीएल वर्मा ने की। तालाब सत्याग्रही चंद्रपाल सिंह ने कहा कि गोल तालाब भूगर्भ जल से जुड़ा हुआ है। इसकी गहराई तीन मंजिला बताई गई है। यह करीब एक किलोमीटर दायरे में रहने वाले मनुष्यों और पशुओं की प्यास बुझाने वाला तालाब है। पर अब यह गंदगी से पट चुका है। अर्जुन ने बताया कि दो वर्ष पहले जब पालिका की सड़क बन रही थी। उस समय ठेकेदार और इंजीनियर ने शहर की नालियों को तालाब में जोड़ना शुरू किया। हम लोगों ने बड़ा विरोध किया लेकिन वे नहीं माने। इसका परिणाम है कि तालाब में नालियां जोड़ दी गईं। विकास प्राधिकरण ने नक्शे पास किए तो आसपास मकान तो बन गए लेकिन घरों के पानी के निकासी की व्यवस्था नहीं है। घरों का गंदा पानी तालाब में जा रहा है। इसके प्रदूषित होने से हैंडपंपों का पानी प्रदूषित हो गया है। ज्यादातर परिवार पेट की बीमारी से परेशान हैं। जल प्रहरी राम मनोहर वर्मा ने कहा कि हमने बचपन में इसमें नहाया है। नई बाजार, शंकर बाजार और आसपास गांवों के लोग इसमें स्नान करते थे और एक अद्भुत जल धरोहर थी। जल प्रहरी अभिमन्यु भाई ने कहा कि एक आदमी को मारने की सजा फांसी है। नालियां इसमें जोड़ने वाले तालाब की हत्या के दोषी हैं। पालिका ने सीवर और नलियां लगाकर मानवाधिकार को मारा है। विशिष्ट जल धरोहरों को संरक्षित करने के बारे में यदि नगर पालिका नहीं सोचेगी तो कौन सोचेगा। नगर पालिका में बैठने वाले जनप्रतिनिधियों को जल धरोहरों के साथ हो रही हिंसा को रोकना चाहिए।

श्रमदान समिति का गठन, कोष स्थापित: गणतंत्र दिवस पर तालाब जलधरोहर बचाओ अभियान के जल प्रहरी हीरा सिंह, लवकुश पटेल, राम मनोहर वर्मा, महेंद्र गुप्ता और सर्वोदय मिशन के स्वयं सेवक अभिमन्यु भाई की पहल पर गोल तालाब के आसपास रहने वाले लोग एकत्र हुए। इनमें से कई ने तालाब की नियमित एक घंटे तक सफाई करने की शपथ ली। इस दौरान प्रतिदिन सुबह आठ से नौ बजे तक गोल तालाब को पुनर्जीवित करने के लिए श्रमदान समिति का गठन किया गया। इस समिति में छोटेलाल वर्मा, राजा, भूरा, लाला भाई, चंद्रपाल पटेल और अर्जुन आदि हैं। संसाधन जुटाने के लिए कोष स्थापित किया गया। पहले दिन ही लोगों ने 700 रुपये जमा किए। तब से लगातार श्रमदान जारी है।

गोल तालाब को साफ करने की कोशिश करते समाजसेवी। अमृत विचार

गोष्ठी के बाद मौजूद कर्वी के समाजसेवी। अमृत विचार

ये हैं समाजसेवियों की मांगें

- गोल तालाब के संरक्षण के लिए शासन-प्रशासन आगे आए।
- नगर पालिका सीवेज को और नालों को तत्काल हटाए।
- गोल तालाब के पुनर्जीवन की योजना तत्काल बनाई जाए।
- प्रारूप में गोल तालाब सत्याग्रहियों को भी शामिल किया जाए।
- गोल तालाब को चित्रकूट की विशिष्ट जल धरोहर में जोड़ा जाए।

डीएम ने किया मौका मुआयना, दिए निर्देश

- **चित्रकूट।** जिलाधिकारी पुलकित गर्ग ने गुरुवार को गोल तालाब कुंजनपुरवा का निरीक्षण किया। पाया गया कि क्षेत्र के घरों का गंदा पानी सीधे तालाब में जा रहा है। अत्यधिक जलकुंभी फैली हुई है। इससे पानी अत्यंत गंदा है। डीएम ने अधिशासी अधिकारी लालजी को निर्देशित किया कि तालाब में गिरने वाली नालियों/नालों के पानी को रोकने के लिए कार्ययोजना बनाएं और नाली निर्माण की कार्रवाई की जाए। मोहल्लेवासियों ने क्षेत्र में नियमित सफाई न होने की शिकायत की। इस पर डीएम ने निर्देश दिए कि नियमित साफ-सफाई एवं डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। बाद में डीएम ने गंगा जी रोड, भैरों पागा, संतोषी माता मंदिर के पास स्थित बावली को भी देखा। अधिकारियों को निर्देशित किया कि बावली के संरक्षण एवं सुंदरीकरण के लिए भी कार्ययोजना बनाएं।

सात फरवरी को कलश यात्रा से होगी शुरुआत

जालौन। वीरबालाजी हनुमान मंदिर में आयोजित नवकुंडीय श्रीसीताराम महायज्ञ, श्रीमद्भागवत कथा एवं रामलीला महोत्सव की तैयारी अंतिम चरण में चल रही है। कार्यक्रम का शुभारंभ सात फरवरी को कलश यात्रा के साथ होगा और समापन 14 फरवरी को भंडारे के साथ होगा।

उरई मार्ग स्थिति वीरबालाजी हनुमान मंदिर परिसर में सात फरवरी दिन शनिवार से नवकुंडीय श्रीराम महायज्ञ व श्रीमद्भागवत कथा के साथ श्रीराम लीला महोत्सव का शुभारंभ होगा। मंदिर के पुजारी कमलेश महाराज ने बताया कि धार्मिक आयोजन को लेकर तैयारियां चल रही हैं। मंदिर व आसपास सजावट का काम चल रहा है। श्रीमदभागवत की व्यास पीठ का निर्माण हो चुका है। मंदिर परिसर में श्रीरामलीला का मंचन होगा जो देर शाम सात बजे से 11 बजे तक चलेगा। कार्यक्रम का शुभारंभ सात फरवरी को कलश यात्रा से होगा।

अमृत विचार
शुक्रवार, 30 जनवरी 2026

अगर तुम सूरज के चले जाने पर रोओगे, तो तुम्हारे आंसू तुम्हें तारे देखने से रोक देंगे।
-रवींद्रनाथ टैगोर, साहित्यकार

दुर्घटना और सवाल

महाराष्ट्र को उपमुख्यमंत्री के बतौर सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले अजित पवार का हवाई दुर्घटना में निधन अत्यंत दुखद है। उनके साथ स्टॉफ पायलट, को-पॉयलट समेत पांच लोगों की मृत्यु ने कई असहज प्रश्न खड़े कर दिए हैं। ऐसे में सीबीआई और अन्य तकनीकी एजेंसियों द्वारा गहन जांच की मांग को 'राजनीति प्रेरित' करार देना उचित नहीं। किसी भी वीआईपी विमान हादसे में पारदर्शी, बहु-एजेंसी तथ्य-आधारित और समयबद्ध जांच विश्वास बहाली का आवश्यक साधन होती है। लीयरजेट अपेक्षाकृत सुरक्षित जेट विमान माने जाते हैं। संबंधित भारतीय निजी कंपनी को भी डीजीसीए के फरवरी 2025 के ऑडिट में बेदाग पाया गया था। मुख्य पायलट के 15 हजार घंटे और सह-पायलट के 1500 घंटे का अनुभव कम नहीं है। अंतिम क्षणों में विमान गिर पड़ा।

यह परिदृश्य तीन आशंकाओं की ओर इशारा करता है। पहला- अचानक तकनीकी खराबी जैसे कंट्रोल सरफेस या हाइड्रोलिक्स या इंजन का असंतुलन, दूसरा-माइक्रोबर्स्ट या विंड-शियर जैसी चुनौती, तीसरा- अंतिम क्षण में निर्णय या कॉन्फ़िगरेशन की त्रुटि। निष्कर्ष के लिए एफडीआर-सीवीआर विश्लेषण ही निर्णायक होगा, लेकिन एयर इंडिया की त्रासदी के महज सात महीने बाद यह हादसा उड्डयन सुरक्षा पर सवाल तो खड़े ही करता है। देश में रोज़ाना पांच लाख से अधिक यात्री उड़ान भरते हैं। हवाई यात्रा अब भी सबसे सुरक्षित परिवहन है, पर जुलाई 2012 से नवंबर 2025 के बीच 112 एक्सीडेंट और 128 गंभीर घटनाएं दर्ज हुईं; छोटे विमानों में जानलेवा हादसों की दर वाणिज्यिक विमानों से 10 से 50 गुना अधिक बताई जाती हैं। इसका अर्थ है कि जनरल एविएशन के मानक शायद छोटे विमानों के लिए कमर्शियल एविएशन के समकक्ष कठोर नहीं हैं। लीयरजेट-45 के 1998 से अब तक आठ बड़े हादसों और 29 मौतों का रिकॉर्ड, तथा सितंबर 2023 में मुंबई में रनवे से फिसलने की घटना, जिसकी जांच रिपोर्ट अब तक सार्वजनिक नहीं हुई है, पारदर्शिता की कमी की ओर संकेत करती है। समय पर रिपोर्ट सार्वजनिक होती, तो सुधारात्मक कदम और सीख सामने आते। बारामती एयरपोर्ट की लोकेशन, सीमित संसाधन और बार-बार प्रशिक्षण विमानों की दुर्घटनाएं यह संकेत है कि बुनियादी ढांचे और जोखिम-आकलन में तत्काल सुधार जरूरी है। मैंगलोर, कोझिकोड, इंफाल, लेह जैसे चुनौतीपूर्ण हवाई अड्डों पर रनवे सेफ्टी एरिया, ईएमएएस, उन्नत आईएलएस और जीपीएस-आधारित एप्रोच, रियल-टाइम वेदर रडार और विंड-शियर अलर्ट अनिवार्य किए बिना नित नए एयरपोर्ट खोलना विवेकपूर्ण नहीं है।

डीजीसीए को जनरल एविएशन के लिए अनिवार्य सेफ्टी मैनेजमेंट सिस्टम, डेटा-शेयरिंग, थर्ड-पार्टी ऑडिट, पुराने विमानों की चरणबद्ध समीक्षा, सिम्युलेटर-आधारित प्रशिक्षण की न्यूनतम घंटों की बाध्यता और 'नो-फॉल्ट' सेफ्टी रिपोर्टिंग संस्कृति को सख्ती से लागू करना चाहिए। सरकार को एएआई और राज्यों के साथ मिलकर इस दिशा में प्राथमिकता तय करके काम करना होगा, पहले सुधार, फिर विस्तार। यदि इससे सबक लेकर सुरक्षा ढांचा सुदृढ़ किया जाए, तो यही दुर्घटना के दिवंगतों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

प्रसंगवश

जन भवन: लोकतांत्रिक चेतना का नया अध्याय

उत्तर प्रदेश में 'राजभवन' का 'जन भवन' के रूप में पुनर्संस्कार, स्वतंत्र भारत की लोकतांत्रिक यात्रा का एक ऐतिहासिक पड़ाव है। यह प्रतीकात्मक परिवर्तन नागरिक गरिमा और सहभागिता को शासन के केंद्र में स्थापित करने का एक सार्थक प्रयास है। राजनीति के व्याकरण को 'अधिकार' से 'कर्तव्य' की ओर मोड़ने वाला यह निर्णय, दरअसल सत्ता के चरित्र को 'शासक' से 'सेवक' के रूप में ढालने का वह वैचारिक साहस है, जो लोकतंत्र को उसकी मूल आत्मा से जोड़ता है।

हाल ही में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 'राजभवन' को 'जन भवन' के रूप में नामित किया जाना मात्र एक प्रतीकात्मक प्रशासनिक परिवर्तन नहीं है, बल्कि यह भारतीय लोकतंत्र की मूल आत्मा को पुनः स्मरण कराने वाला एक सशक्त वैचारिक संकेत है। यह निर्णय शासन और जनता के बीच संबंधों को नई, अधिक मानवीय परिभाषा देने की दिशा में उठाया गया साहसिक कदम है, जो सत्ता के चरित्र और उद्देश्य पर गहन पुनर्विचार की मांग करता है।

डॉ. कैलाश चंद सैनी
लेखक

भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं होती; वह समाज की चेतना और दृष्टि को भी आकार देती है। 'राजभवन' शब्द अपने भीतर सत्ता की भव्यता, कठोर प्रोटोकॉल और शासक-शासित के बीच खिंची एक अदृश्य किंतु सुदृढ़ दीवार का बोध कराता है। इसके विपरीत 'जन भवन' उस दीवार को भेदते हुए शासन के केंद्र में 'लोक' की प्रतिष्ठा का संकेत देता है। यह परिवर्तन सत्ता को उत्तरदायित्व, सहभागिता और सेवा से जोड़ता है तथा यह प्रश्न करता है कि स्वतंत्रता के अमृत काल में हमारी सत्ता अब भी 'राज' का विस्तार बनी हुई है या वह वास्तव में 'जन' की आकांक्षाओं की अभिव्यक्ति बन पाई है।

आचार्य चाणक्य ने 'अर्थशास्त्र' में यह स्पष्ट किया है कि शासक का सुख जनता के सुख में और उसका हित जनता के हित में निहित है। यह सूत्र सत्ता को नैतिक अनुशासन और उत्तरदायित्व के कठोर मानकों से बांधता है। सम्राट अशोक इस दर्शन के सर्वाधिक प्रेरक उदाहरण हैं। कलिंग युद्ध के पश्चात उन्होंने विजय और दमन की नीति त्यागकर प्रशासन को जनकल्याण की दिशा में मोड़ा और यह घोषणा की कि जनता अपनी समस्याओं के समाधान के लिए उनसे किसी भी समय संपर्क कर सकती है। 'जन भवन' की अवधारणा इसी संवेदनशील परंपरा का आधुनिक रूपांतरण प्रतीत होती है।

आधुनिक भारत में महात्मा ज्योतिबा फुले ने इसी विचार को सामाजिक न्याय के धरातल पर उतारा। उनके लिए राजनीति का उद्देश्य महलों की चमक बढ़ाना नहीं, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति के दुख को कम करना था। उनका यह विचार आज भी उतना ही प्रासंगिक है कि किसी व्यवस्था की सफलता का मूल्यांकन महलों की रोशनी से नहीं, बल्कि गरीब की झोपड़ी में घटते अंधकार से होना चाहिए। इसी वैचारिक यात्रा की निरंतरता में सत्ता के सर्वोच्च पद पर आसीन व्यक्ति द्वारा स्वयं को 'प्रधान सेवक' के रूप में परिभाषित करना इस बात का संकेत है कि जब सत्ता स्वयं को स्वामी के स्थान पर सेवक मानने लगती है, तब नीतियां कागजों से निकलकर सीधे जनजीवन की पीड़ा और आवश्यकताओं से जुड़ने लगती हैं।

'जन भवन' की सार्थकता केवल नाम परिवर्तन से सिद्ध नहीं होगी। इसे वास्तविक अर्थों में जीवंत बनाने के लिए प्रशासनिक कार्यशैली में बुनियादी और जमीनी सुधार अनिवार्य हैं। वास्तविक परिवर्तन तब दिखाई देगा, जब अधिकारियों के आचरण में जनता के प्रति गहरी संवेदनशीलता झलके और नीति-निर्माण में केवल आंकड़ों के बजाय सक्रिय जन-भागीदारी को स्थान मिले।

आम बजट 2026 खुशहाली की आस में मध्यवर्ग

विवेक सक्सेना
अयोध्या

आम बजट 2026 में महज कुछ ही दिन शेष हैं। अगले वित्त वर्ष के लिए तैयार हो रहे बजट में आम आदमी की जेब पर क्या असर पड़ेगा, यह सबसे बड़ा सवाल है। हर साल बजट का दिन आम आदमी के लिए उम्मीदों की नई किरण लेकर आता है। कोई टैक्स में राहत चाहता है, कोई नौकरी के नए मौके, तो कोई महंगाई से छुटकारा। इस बार भी 2026 का बजट लोगों की उम्मीदों का बड़ा इम्तिहान बनने वाला है। पिछले बजट में कई मांगें अधूरी रह गई थीं, अब नजरें इस बात पर टिकी हैं कि सरकार आम जनता को क्या बड़ी राहत देती है।

आम आदमी को आयकर में बड़ी राहत मिलने की उम्मीद कम है। एक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले बजट में व्यक्तिगत आयकर में कटौती के बावजूद टैक्स ग्रोथ केवल 6.8% रही, जबकि उम्मीद 21.6% थी। इससे सरकार को खर्च के लिए नए स्रोत तलाशने पड़े। हमारा टैक्स-जीडीपी अनुपात लगभग 12 प्रतिशत है, जबकि अधिकांश विकसित देशों में यह 35 से 45 प्रतिशत के दायरे में होता है। भारत में आयकर चुकाने वाली आबादी दो से तीन प्रतिशत के बीच है, जो विकसित देशों में 45 से 55 प्रतिशत तक होती है। इसका एक महत्वपूर्ण कारण कृषि आय को कर से छूट दिया जाना है। कृषि से जुड़े हमारे लगभग 40 प्रतिशत अंशभागी कर देनदारी के दायरे से बाहर हैं। इसके लिए एक आधार बनाकर समृद्ध कृषकों को आयकर के दायरे में लाना होगा। इसके लिए या तो एक निश्चित स्तर से ऊपर की आय अथवा कृषि भूमि आकार को आधार बना सकते हैं।

आम बजट आम आदमी के लिए उम्मीदों की नई किरण लेकर आता है। कोई टैक्स में राहत चाहता है, कोई नौकरी के नए मौके, तो कोई महंगाई से छुटकारा। बजट लोगों की उम्मीदों का बड़ा इम्तिहान बनने वाला है।

वेतनभोगियों के लिए मानक कटौती बढ़ाना और आवासीय ऋण के ब्याज पर कटौती की सीमा में वृद्धि करना उपयुक्त होगा। ईमानदार करदाताओं को प्रोत्साहन हमारी नीतियों के केंद्र में होना चाहिए। सरकार की मंशा एक सीमित वर्ग से कर वसूली के बजाय करों के दायरे का विस्तार करने की होनी चाहिए। पिछले वर्ष प्रत्यक्ष करों के स्तर पर रियायत, वित्तीय वर्ष के मध्य में ही जीएसटी दरों में कटौती और विभिन्न व्यापार समझौतों के अस्तित्व में आने से सीमा शुल्क में संकुचन के बाद अब राजस्व बढ़ाने के लिए नई राह की ओर देखना होगा।

टैक्स कलेक्शन उम्मीद से कम रहने पर सरकार के राजस्व पर दबाव पड़ा। ऐसे में इस बार टैक्स रिबेट या बड़े स्लैब बदलाव की संभावना कम है। सरकार छोटे-छोटे सुधार, लिमिटेड कटौती और रिबेट ट्यूनिंग के जरिए आम आदमी को थोड़ी राहत दे सकती है, लेकिन महंगाई पर नियंत्रण और राजस्व जुटाने की प्राथमिकता पहले रहेगी। दूसरी ओर, राजस्व बढ़ाने के लिए कुछ वैट या सेवा शुल्क में बदलाव की संभावना है, जिससे रोजमर्रा की चीजों की कीमत पर असर पड़ सकता है।

सरकारी सब्सिडी और टैरिफ में संभावित बदलाव के चलते पेट्रोल-डीजल, गैस और बिजली पर राहत कम दिख रही है। ऐसे संकेत हैं कि सोशल इंफ्रास्ट्रक्चर पर निवेश बढ़ेगा, जिससे सड़क, रेल, पानी और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार होगा। यह आम आदमी की रोजमर्रा की जिंदगी को बेहतर बनाने में मदद करेगा। सरकार स्किल डेवलपमेंट और डिजिटल स्किल्स पर जोर दे सकती है। छोटे-मध्यम व्यवसायों के लिए आसान क्रेडिट पॉलिसी और निवेश पैकेज ला सकती है। इसका सीधा असर नौकरी और व्यवसाय के नए अवसरों में दिखेगा।

लग्जरी और इम्पोर्टेड आइटम महंगे हो सकते हैं, ताकि कैपेक्स और सामाजिक इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च के लिए अतिरिक्त राजस्व जुटाया जा सके। एक संभावना यह है कि सरकार विनियमन यानी नियमों को और सरल-सुगम बनाने की राह पर ही आगे बढ़े। अच्छे परिदृश्य पर चर्चा करें तो भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूती से आगे बढ़ रही है। सरकार के पहले अग्रिम अनुमान के अनुसार भारतीय अर्थव्यवस्था के चालू वित्त वर्ष 7.4 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है। यह पिछले वर्ष की 6.5 प्रतिशत की वृद्धि से अधिक होगी।

कुछ ही दिन पहले आए दूसरी तिमाही के आंकड़ों में 8.2 प्रतिशत की तेजी दिखी थी। यह वृद्धि सामान्य जनजीवन में भी नजर आती है। वाहनों की बिक्री बढ़ रही है। हवाई यात्रा में तेजी आई है। वित्त, परिवहन, आतिथ्य सत्कार और रियल एस्टेट जैसे क्षेत्रों का निरंतर विस्तार हो रहा है। कुछ अपवाद को छोड़ दिया जाए तो महंगाई का रुख भी नरम है। इससे घरेलू बजट पर दबाव घटा है, लेकिन असल समस्या वृद्धि में नहीं, बल्कि आमदनी के स्तर पर है। सीधे शब्दों में कहा जाए तो अर्थव्यवस्था अधिक वस्तुएं और सेवाएं तो उत्पन्न कर रही है, लेकिन उनका कुल मूल्य उतनी तेजी से नहीं बढ़ रहा है।

कुछ क्षेत्रों में तो कीमतें गिर रही हैं। यह सुनने में अच्छा लग सकता है, लेकिन कुछ दूसरे मोर्चों पर कीमत चुकानी पड़ती है। चाहे जीएसटी हो, आयकर हो या कॉरपोरेट कर, उन पर राजस्व की प्राप्ति लेनदेन के आधार पर ही निर्भर करती है। जब लेनदेन में वृद्धि धीमी होती है तो कर संग्रह भी धीमा हो जाता है। ऐसे में सरकारी आमदनी भले ही घट जाए, लेकिन वेतन, पेंशन, ब्याज भुगतान और कल्याणकारी योजनाओं की देनदारी तो जस की तस बनी रहती है।

जाहिर है कि सरकार को या तो अधिक उधारी लेनी पड़ेगी या किसी अन्य मोर्चे पर कटौती का विकल्प अपनाना होगा। नई महत्वाकांक्षी घोषणाओं को लेकर भी संयम बरतना पड़ेगा। बाहरी मोर्चे पर स्थितियां नियंत्रण में अवश्य, लेकिन जोखिम से मुक्त नहीं हैं। वैश्विक अनिश्चितताएं कभी भी संकट खड़ा कर सकती हैं। तमाम उभरती हुई अर्थव्यवस्थाएं पूंजी प्रवाह को लेकर अस्थिरता का सामना कर रही हैं।

डालर के मुकाबले गिरता रुपया भी प्रभावित कर रहा है। अमेरिकी टैरिफ ने भी चिंताओं को और बढ़ाने का काम किया है। बजट में वित्त मंत्री को इन चिंताओं का संज्ञान लेना होगा। इसमें कर वृद्धि अनुमान को लेकर बहुत सावधानी बरतनी होगी। उधारी की योजनाओं को लेकर भी सतर्कता आवश्यक होगी, ताकि ब्याज अदायगी को लेकर अतिरिक्त बोझ न बढ़े।

आमने सामने

मुझे अजित पवार की विमान हादसे में मौत की खबर सुनकर गहरा सदमा लगा है। जब राजनीतिक नेता भी सुरक्षित नहीं हैं, तो आम लोगों की सुरक्षा की क्या बात की जाए। दो दिन पहले मुझे पता चला था कि अजित पवार बीजेपी छोड़ने वाले हैं और आज यह घटना हो गई।

-ममता बनर्जी
मुख्यमंत्री, पश्चिम बंगाल

ममता बनर्जी निराश और हताश लग रही हैं। उन्हें लगता है कि आने वाले पश्चिम बंगाल चुनावों में उनकी हार होने वाली है, इसीलिए वह इतने गुस्से में प्रतिक्रिया दे रही हैं। अपनी निराशा और हताशा में वह ऐसे कदम उठा रही हैं, जो लोकतंत्र के लिए हानिकारक हो सकते हैं।

-नरेश बंसल
भाजपा सांसद

विकास की वेदी पर 'निकोबार' के आदिवासी

पंकज चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

हिंद महासागर के नीले पानी के बीच स्थित ग्रेट निकोबार द्वीप समूह आज एक ऐसी जंग का मैदान बना हुआ है, जहां एक तरफ आधुनिक भारत की विशाल रणनीतिक आकांक्षाएं हैं और दूसरी तरफ एक प्राचीन सभ्यता के अस्तित्व की पुकार। केंद्र सरकार की 72,000 करोड़ की 'ग्रेट निकोबार होलिस्टिक डेवलपमेंट प्रोजेक्ट' को लेकर स्थानीय 'निकोबारी जनजातीय परिषद' ने जो मोर्चा खोला है, वह केवल पर्यावरण बचाने की मुहिम नहीं, बल्कि अपनी पहचान, संस्कृति और कानूनी अधिकारों को बचाने की अंतिम लड़ाई है।

यह स्थान समृद्ध जैव विविधता और वन्यजीवों की एक असाधारण विविधता का घर है। सरकार के अनुसार, यह दुनिया में सबसे अच्छी तरह से संरक्षित उष्णकटिबंधीय वर्षा वनों में से एक है। यहां धरती की सबसे पुरने आदिवासी आबादी रहती है। क्या विकास का नया मॉडल इन सभी नैसर्गिक उपहारों का दुश्मन बन जाएगा? भूमि से दूर हिंद महासागर के बंगाल की खाड़ी के दक्षिण पूर्वी भाग में स्थित 572 द्वीपों का समूह अंडमान निकोबार इन दिनों ऐसे ही द्वंद से गुजर रहा है है। ये द्वीप इंडोनेशिया और थाईलैंड के निकट स्थित हैं। 2013 में इसे यूनेस्को के जैवमंडल कार्यक्रम (ह्यूमन एंड बायोस्पियर प्रोग्राम) में शामिल किया गया था। आज वहां कंक्रीट के साथ बाहरी लोगों को बसाने की योजना तैयार की जा रही है, वह भी पर्यावरणीय कानूनों की अनदेखी कर रहे हैं।

ग्रेट निकोबार द्वीप समूह ऐसी जंग का मैदान बना हुआ है, जहां एक तरफ आधुनिक भारत की विशाल रणनीतिक आकांक्षाएं हैं, दूसरी तरफ एक प्राचीन सभ्यता के अस्तित्व की पुकार।

निकोबारी आदिवासियों के विरोध का सबसे बुनियादी और भावुक मुद्दा उनकी पैतृक भूमि है। 2004 की सुनामी ने निकोबार के भूगोल और समाज को पूरी तरह बदल दिया था। उस समय सुरक्षा कारणों से प्रशासन ने तटीय गांवों, विशेष रूप से चिनगेनह (Chingenh), पुलो बाहा (Pulo Baha), और कोकेओन (Kokeon) के निवासियों को अस्थायी शिविरों और पुनर्वास बस्तियों (जैसे कैंपबेल बे) में भेज दिया था।

ग्रेट निकोबार के जनजातीय परिषदाध्यक्षों का आरोप है कि उन्हें द्वीप के पश्चिमी तट पर अपनी पुश्तैनी ज़मीनें छोड़ देने के प्रमाण-पत्रों पर हस्ताक्षर करने के लिए कहा गया, ताकि ग्रेट निकोबार द्वीप परियोजना के विकास को अनुमति दी जा सके। 22 जनवरी को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में द्वीप पर जनजातीय समितियों के प्रमुखों की तरफ से श्री बरनबास मंजु ने बताया कि जिला प्रशासन ने उन्हें सात जनवरी को एक बैठक के लिए बुलाया और फिर द्वीप के विकास के समर्थन के रूप में दिखाने के लिए उन्हें सरेंडर प्रमाण-पत्रों पर हस्ताक्षर करने को कहा गया, जिसका वे 2022 से विरोध कर रहे हैं।

उन्होंने बताया, "ग्रेट निकोबार द्वीप परियोजना में एक ट्रांसशिपमेंट कंटेनर पोर्ट, एक बड़ा टाउनशिप, एक ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट तथा गैस और सौर ऊर्जा संयंत्र का निर्माण शामिल है, जिसकी लागत 81,000 करोड़ (810 अरब) बताई गई है। यह भूमि 2004 के सुनामी तक 27 गांवों में निकोबारी लोगों द्वारा आबाद थी, जिसके बाद उन्हें फिर से बसाया गया और कैंपबेल बे के निकट ऊपरी पूर्वी तट पर राजीव नगर और न्यू चिंगेनह बस्तियों में स्थानांतरित किया गया। 'जब हमें पुनर्वासित किया गया था, तो हमें वादा किया गया था कि हम वापस आ सकेंगे।"

निकोबारी जनजातीय परिषद का तर्क है कि दो दशकों से वे अपनी इन पैतृक जमीनों पर वापस लौटने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। उनके लिए ये जमीनें केवल मिट्टी का टुकड़ा नहीं, बल्कि उनके पूर्वजों की समाधियां, उनके पवित्र नारियल के बागान और उनकी सांस्कृतिक विरासत हैं। सरकार की नई योजना के तहत, इन्ही जमीनों पर अब 'कंटेनर टर्मिनल' और 'हवाई पट्टी' प्रस्तावित है। परिषद का आरोप है कि उन्हें अपनी ही जमीन से हमेशा के लिए बेदखल करने की साजिश रची जा रही है।

हाल ही में विरोध तब और उग्र हो गया जब यह बात सामने आई कि स्थानीय प्रशासन आदिवासियों से उनकी पैतृक भूमि के अधिकार छोड़ने के लिए 'सरेंडर सर्टिफिकेट' पर हस्ताक्षर करने का दबाव बना रहा है। जनजातीय परिषद ने स्पष्ट किया है कि सुनामी के बाद उन्हें केवल 'सुरक्षा' के लिए हटाया गया था, न कि उन्होंने अपनी जमीन का मालिकाना हक सरकार को सौंप दिया था। परिषद का कहना है कि प्रशासन यह भ्रम पैदा कर रहा है कि आदिवासी अपनी मर्जी से जमीन छोड़ रहे हैं, जबकि हकीकत में उन्हें डराया-धमकाया जा रहा है या विकास का झूठा लालच दिया जा रहा है।

निकोबारी परिषद के विरोध का सबसे मजबूत कानूनी आधार 'अनुसूचित जनजाति और अन्य पारंपरिक वन निवासी (वनाधिकारों की मान्यता) अधिनियम, 2006' है। कानून के अनुसार, किसी भी विकास कार्य के लिए ग्राम सभा की 'स्वतंत्र, पूर्व और सूचित सहमति' (Free, Prior and Informed Consent) अनिवार्य है। परिषद ने केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्रालय को लिखे पत्रों में आरोप लगाया है कि प्रशासन ने फर्जी तरीके से यह रिपोर्ट दी कि आदिवासियों के अधिकारों का निपटारा कर दिया गया है।

सोशल फोरम

ऋत्विक की 'मेघे ढाका तारा'

ऋत्विक घटक की कालजयी फिल्म 'मेघे ढाका तारा' को उनकी जन्मशताब्दी के अवसर पर देखना एक सिनेमाई अनुभव भर नहीं है, वह एक गहरा, लगभग आध्यात्मिक पुनर्मिलन था— जैसे बरसों से बिछुड़ी किसी आत्मीय आवाज़ की प्रतिध्वनि अचानक भीतर के सबसे शांत कोने तक पहुंच जाए। यह फिल्म एक कथा भर नहीं कहती, यह उस सभ्यता की सामूहिक चीख है, जो अपने विकास की अंधी दौड़ में सबसे करुण, सबसे समर्पित आत्माओं को ही बलि वेदी पर चढ़ा देती है। यह उन दबे हुए रुदनों का कोलाज है, जिन्हें समाज ने अपनी सुविधाजनक चुप्पियों की दीवारों में चुन दिया है। नीता की अनसुनी सिसकियां, उसका निरंतर टलता हुआ जीवन, उसका त्याग जो किसी पुण्य की तरह नहीं, एक धीमी आत्म-क्षरण की तरह घटित होता है।

डॉ. उर्वशी
लेखिका

'मेघे ढाका तारा' देश-विभाजन की त्रासदी पर बनी घटक की त्रयी का पहला अध्याय है, पर यहां विभाजन भूगोल से अधिक मनुष्य के भीतर घटता है। नक्शों की रेखाएं यहां दिलों की दरारों में बदल जाती हैं। पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित होकर कोलकाता के उपनगर में बसे एक शरणार्थी परिवार की कहानी में नीता एक साधारण पात्र नहीं, पूरे परिवार की रीढ़ है। पढ़ी-लिखी, स्वप्नशील, पर परिस्थितियों से जकड़ी हुई।

वह पिता की बीमारी का खर्च उठाती है, भाइयों की पढ़ाई चलाती है, घर की आर्थिक धुरी बनी रहती है। मां की कटुता सहती है और अपने प्रेम को बार-बार टाल देती है— जैसे अपने जीवन के हिस्सों को मोमबत्ती की तरह पिघलाकर दूसरों को उजाला देती जा रही हो। पर यह उजाला उसे नहीं बचाता; उसका शरीर, जो आत्मा का मंदिर होना चाहिए था, त्याग की नमी से गलने लगता है।

क्षय रोग उसकी देह में उसी तरह घर करता है जैसे अवहेलना उसके जीवन में। और प्रेम? वह भी उसके लिए कोई शरण नहीं बनता। उसकी ही बहन गीता चुपचाप उसके प्रिय को अपने हिस्से कर लेती है। यहां प्रेम नियति नहीं, अवसर है और अवसर हमेशा संवेदनशीलों के हिस्से नहीं आते।

घटक इस कथा को रचते नहीं, वे उसे जीते हैं। प्रकाश और अंधकार का उनका शिल्प किसी शास्त्रीय संगीत की रचना-प्रक्रिया जैसा है। कहीं संगीत अचानक फट पड़ता है, कहीं एक गहरी चुप्पी पूरे दृश्य का बोझ उठा लेती है। नीता की धीमी सिसकी, मां की खीझती सांसें, शंकर का स्वर— सब मिलकर एक ऐसा समवेत विलाप रचते हैं जो निजी होकर भी सामूहिक है, जैसे युगों से दबा कोई स्त्री-राग पहली बार खुलकर सुनाई दे रहा हो।

सामयिकी

समय को बांध लेने वाले अजित का असमय जाना

पिछले एक दशक में भाजपा के तूफान में देश के कई राजनीतिक जहाज क्रैश होते दिखे। महाराष्ट्र की राजनीति का पर्याय शिवसेना भी टूट-फूट कर बिखर गई। कांग्रेस का भी बुरा हाल हुआ। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी भी बिखराव का शिकार हो गई। सूबे में दशकों से जमे-जमाए नेताओं का जनाधार बौना पड़ने लगा। ऐसे में अपने अपने क्रैश जहाज से जिंदा बचने का एक ही रास्ता था। बग़ावत कर भाजपा के साथ आ जाना। राष्ट्रवादी कांग्रेस के अजित पवार अपने चाचा और देश के सबसे वरिष्ठ सक्रिय नेता शरद पवार से बगावत कर भाजपा के कुनबे में शामिल हो गए। ऐसा ही कुछ शिवसेना के एकनाथ शिंदे ने किया। ये लोग विपक्ष के मरुस्थल से सत्ता की ताकत में बने रहे।

महाराष्ट्र सहित पूरे देश के सबसे वरिष्ठ और सक्रिय राजनीतिज्ञ शरद पवार की राजनीतिक दक्षता से भी चार कदम आगे थे उनके भतीजे अजित पवार। भाजपा की सुनामी ने जब महाराष्ट्र में शिवसेना तक को निगल लिया, ऐसे में सत्ता में खुद का राजनीतिक अस्तित्व टॉप टू में क़ायम रख पाना कोई मामूली बात नहीं थी। राजनीति में तोड़ना, जोड़ना, क्षमा, वफ़ा, दगा, छल-कपट सब जायज है। सियासत की यही खूबियां हैं। यहां कभी-कभी नकारात्मकता ही सकारात्मकता बन जाती है। अनैतिक फैसलों के बिना नेता न आगे बढ़ सकते हैं और न विरोधी से बच सकते हैं। सियासत के यही सिद्धांत हैं कि अपनी ताकत और नीतियों से सामने वाले को खत्म कर दो, दूसरा अधिक ताकतवर है और उसे पराजित करने में फिलहाल सक्षम नहीं हो, तो उससे हाथ मिला लो। उसके साथ आकर एक और एक ग्यारह बन जाओ।

नवेद शिकोह
वरिष्ठ पत्रकार

दादा कहे जाने वाले अजित पवार जानते थे कि सियासत में जनता से कनेक्ट रहें, जन विश्वास बनाए रहे तो जनाधार बना रहेगा और जनाधार व जनसमर्थन हो तो विचारधारा, पार्टी और सिद्धांतों को भी बदल लें तो भी फर्क नहीं पड़ता। अजित पवार कम बोलते थे, लेकिन उनका काम ज्यादा बोलता था। उनके करीबी संबंध हर पार्टी के नेता से थे। जनता से जुड़े रहना और अपनी जमीन से रिश्ता कायम रखना दादा की खूबी थी।

जब महाराष्ट्र के बड़े-बड़े दिग्गजों की राजनीति खत्म हो गई, सबका राजनीतिक जहाज क्रैश हो गया, ऐसे में अजित पवार अपने चाचा शरद पवार की सियासत के क्रैश जहाज से जिंदा बच निकलकर उप मुख्यमंत्री पद पर काबिज थे। वाकई दिवंगत अजित दादा में अदभुत खूबियां थीं। जनता के बीच रहने वाले जमीनी जनाधार वाले नेता तो थे ही, सियासत के सबसे बड़े हुनर दांव-पेंच और उलटफेर में माहिर थे। उन्होंने साबित किया था कि पार्टी और पार्टी की विचारधारा से कहीं ज्यादा जनाधार की ताकत होती है।

जब कभी महाराष्ट्र की राजनीति का जिक्र होगा तो कांग्रेस तोड़ कर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी बनाने वाले शरद पवार और एनसीपी के दो फाड़ करने वाले उनके भतीजे अजित पवार ज़रूर याद किए जाएंगे। चाचा बड़े पवार से अजित ने सियासत के सारे दांव-पेच सीखे। यही वजह रही कि चाचा से अलग होने के बावजूद वह अपना वजूद बनाए रखने में कामयाब रहे। यह बात दीगर है कि समय की नब्ज को पहचानने वाले अजित असमय दुनिया से विदा हो गए।

हम भी दरिया हैं हमें अपना हुनर मालूम है
जिस तरफ़ भी चल पड़ेंगे रास्ता हो जाएगा

इस पुराने शेर को सत्य साबित कर अजित दादा राजनीति के विद्यार्थियों को संदेश दे गए कि खुद में दम हो तो सत्ता आपके कदमों की आहट का इंतजार करती है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह* 0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

यूरेका

खोज

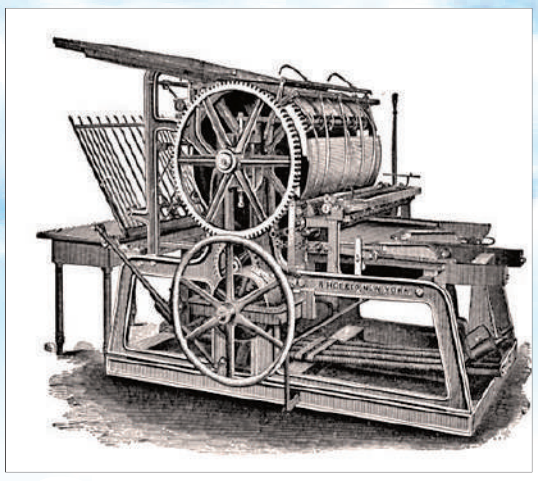

प्रिंटिंग मशीन

जर्मनी के मेंज (माइंस) शहर में वर्ष 1398 में जन्मे योहानेस गटेनबर्ग ने मानव इतिहास की सबसे क्रांतिकारी खोजों में से एक प्रिंटिंग मशीन का आविष्कार किया। पंद्रहवीं सदी तक पुस्तकों की दुनिया पूरी तरह हाथ से लिखी गई पांडुलिपियों और लकड़ी के गुटकों से होने वाली छपाई पर निर्भर थी। यह प्रक्रिया न केवल अत्यंत धीमी थी, बल्कि महंगी और सीमित भी थी। गटेनबर्ग ने इसी जटिल और श्रमसाध्य व्यवस्था को बदलने की नींव रखी। वर्ष 1439 में गटेनबर्ग ने मूवेबल टाइप प्रिंटिंग मशीन का आविष्कार किया। यह तकनीक अपने समय से कहीं आगे थी, क्योंकि इसमें लकड़ी के अक्षरों के स्थान पर धातु (मेटल) से बने अलग-अलग अक्षरों का उपयोग किया गया था। इन अक्षरों को जरूरत के अनुसार बदला और दोबारा इस्तेमाल किया जा सकता था। यही विशेषता इस मशीन को पहले की सभी छपाई तकनीकों से अलग और अधिक प्रभावशाली बनाती थी।

गटेनबर्ग की प्रिंटिंग प्रेस की सबसे ऐतिहासिक उपलब्धि 1456 में सामने आई, जब जर्मनी के माइंस शहर में उनकी प्रेस से बाइबिल की पहली मुद्रित प्रति प्रकाशित हुई। इसे आज भी मुद्रण इतिहास की अमूल्य धरोहर माना जाता है। इस मशीन की एक बड़ी खासियत यह थी कि इससे किसी भी प्रकार के कागज पर साफ, स्पष्ट और तेज छपाई संभव हो सकी। जहां पहले की तकनीकों से दिनभर में केवल 40 से 50 पृष्ठ ही छप पाते थे, वहीं गटेनबर्ग की प्रिंटिंग मशीन से प्रतिदिन 1,000 से अधिक पृष्ठों की छपाई संभव हो गई। इस आविष्कार ने न केवल पुस्तकों को सस्ता और सुलभ बनाया, बल्कि ज्ञान, शिक्षा और विचारों के प्रसार को अभूतपूर्व गति दी। यह आविष्कार केवल तकनीकी परिवर्तन नहीं था, बल्कि सामाजिक और बौद्धिक क्रांति की शुरुआत भी था। मुद्रण के कारण ज्ञान सस्ता हुआ, शिक्षा का प्रसार हुआ और विचारों का आदान-प्रदान तेज हुआ।

वैज्ञानिक के बारे में

योहानेस गटेनबर्ग को यूरोप के इतिहास में उस व्यक्ति के रूप में जाने जाते हैं, जिन्होंने ज्ञान की दुनिया को आम लोगों तक पहुंचाने का रास्ता खोला। वे जर्मनी के मेंज (Mainz) शहर में जन्मे थे और पेशे से सुनार, आविष्कारक और मुद्रक थे। गटेनबर्ग का सबसे बड़ा योगदान था चल अक्षरों (Movable Type) वाली मुद्रण मशीन का विकास, जिसने पुस्तकों के निर्माण की प्रक्रिया को पूरी तरह बदल दिया। उनका आविष्कार मानव सभ्यता के उन दुर्लभ मोड़ों में से एक है, जिसने सोचने, सीखने और दुनिया को समझने के तरीके को हमेशा के लिए बदल दिया।

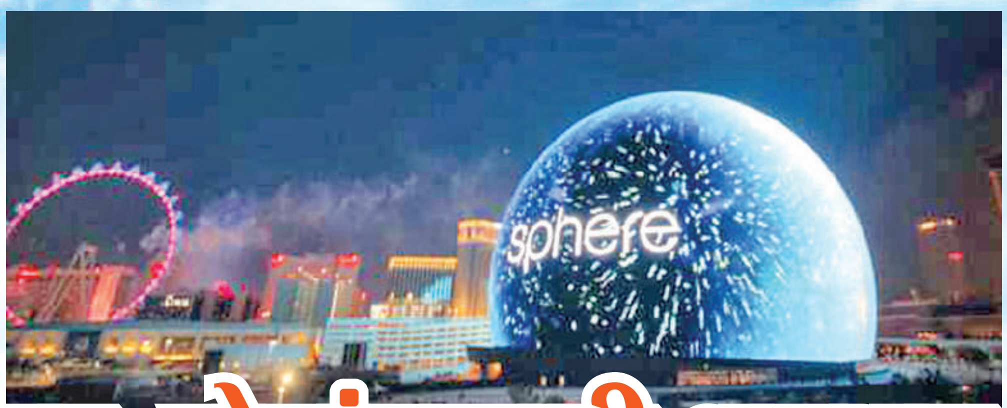

स्फीयरः रोमांचकारी अनुभव और मनोरंजन का मंच

कल्पना कीजिए आप एक विशाल सभागार में बैठे हैं। रोशनी धीमी पड़ती है और अचानक ऐसा लगता है मानो छत गायब हो गई हो। आपके ऊपर अनंत ब्रह्मांड फैल जाता है- तारे, आकाशगंगाएं, घूमते ग्रह। आप सिर्फ देख नहीं रहे, बल्कि उस दृश्य के भीतर मौजूद हैं। चेहरे पर ठंडी हवा का अहसास होता है, कुर्सी के नीचे हल्का कंपन महसूस होता है और कानों में आती आवाज इतनी साफ कि लगता है कोई आपके बिल्कुल पास खड़ा होकर बोल रहा हो। यह न तो किसी विज्ञान-कथा फिल्म का दृश्य है और न ही भविष्य की कोरी कल्पना- यह यथार्थ है। अमेरिका के लास वेगास में बना स्फीयर (Sphere) मनोरंजन की दुनिया में इसी यथार्थ को संभव बनाता है।

डॉ. शिवम भारद्वाज
असिस्टेंट प्रोफेसर, मथुरा

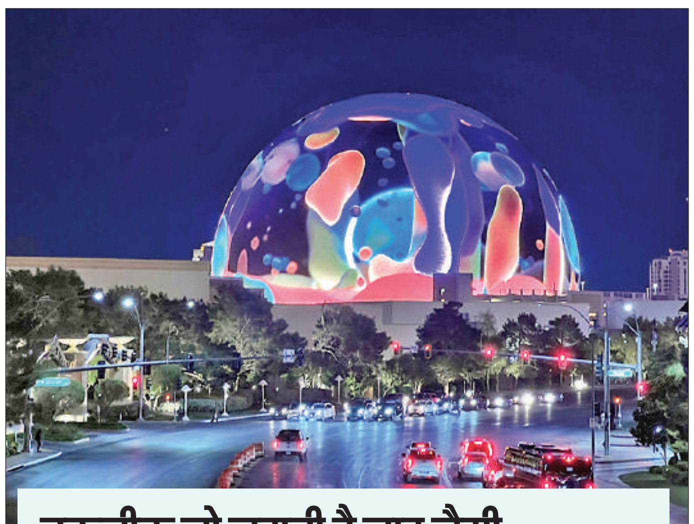

तकनीक जो लगती है जादू जैसी

स्फीयर का सबसे बड़ा आकर्षण इसका 16K रैपअराउंड एलईडी स्क्रीन है, जो दर्शकों को चारों ओर से घेर लेता है। लगभग 1,60,000 वर्ग फुट में फैला यह दृश्य-परिदृश्य यह सुनिश्चित करता है कि दर्शक जहां भी बैठा हो, अनुभव का केंद्र वही हो। इमारत की बाहरी सतह करीब 5,80,000 वर्ग फुट खुद एक विशाल डिजिटल कैनवस है, जो रात के समय पूरे लास वेगास के आकाश को एक चलती-फिरती दृश्य-कला में बदल देती है। दृश्य जितने भव्य हैं, ध्वनि तकनीक उससे भी आगे जाती है। जर्मन कंपनी HOLOPLOT द्वारा डिजाइन की गई प्रणाली में 1,64,000 से अधिक साउंड ड्राइवर्स लगे हैं, जो उन्नत तकनीक के जरिए हर सीट तक सटीक ध्वनि पहुंचाते हैं। इसका परिणाम यह है कि एक ही कार्यक्रम में बैठे दो दर्शकों को भी आवाज का अनुभव थोड़ा अलग लग सकता है। इसके साथ सीटों में कंपन, तापमान और अन्य सेंसरी प्रभाव दर्शक को सिर्फ देखने-सुनने तक सीमित नहीं रखते, बल्कि उसे अनुभव का सक्रिय हिस्सा बना देते हैं।

थिएटर नहीं, एक जीवंत अनुभव

स्फीयर कोई साधारण थिएटर या स्टेडियम नहीं है। यह ऐसा मंच है, जहां दर्शक कार्यक्रम को सिर्फ देखते नहीं, बल्कि उसके भीतर प्रवेश कर जाते हैं। वे उसे जीते हैं। मनोरंजन के इतिहास में इसे तकनीक और अनुभव के मेल की एक असाधारण छलांग कहा जा सकता है। जिस तरह कभी मूक फिल्मों से 'टॉकीज' और श्वेत-श्याम से रंगीन सिनेमा तक का सफर एक ऐतिहासिक मोड़ था, उसी तरह स्फीयर उस दौर का संकेत है, जहां मनोरंजन सिर्फ देखा नहीं जाता- महसूस किया जाता है, जिया जाता है।

एक महत्वाकांक्षी परियोजना और विशाल संरचना

करीब 2.3 अरब डॉलर की लागत से निर्मित यह संरचना दुनिया की सबसे बड़ी गोलाकार मनोरंजन इमारतों में गिनी जाती है। 2018 में मेडिसन स्क्वायर गार्डन समूह के प्रमुख जेम्स डॉलन की परिकल्पना के रूप में शुरू हुआ यह प्रोजेक्ट महामारी और वैश्विक सप्लाई-चेन संकट जैसी बाधाओं के बावजूद 2023 में पूरा हुआ। 366 फीट ऊंचाई और 516 फीट व्यास वाली यह इमारत केवल वास्तुकला की उपलब्धि नहीं, बल्कि 'अनुभव-आधारित तकनीक' का प्रतीक भी है।

विज्ञापन और शहर का नया चेहरा

स्फीयर की बाहरी सतह, जिसे 'एक्सोस्फीयर' कहा जाता है। तकनीकी रूप से और भी अधिक क्रांतिकारी है। लगभग 5,80,000 वर्ग फुट की यह पूर्ण-रंग एलईडी स्क्रीन दिन-रात सक्रिय रहती है। कभी यह पृथ्वी का रूप ले लेती है, कभी मंगल ग्रह का, तो कभी किसी उत्सव या कल्पनालोक का दृश्य बन जाती है। मार्केटिंग के लिहाज से यह दुनिया के सबसे दृश्यमान और प्रभावशाली विज्ञापन माध्यमों में शामिल हो चुकी है। लास वेगास आने वाला लगभग हर व्यक्ति इसे देखता है-चाहे वह पर्यटक हो, चालक हो या केवल आकाश की ओर देखने वाला राहगीर।

उद्घाटन से वैश्विक पहचान तक

सितंबर 2023 में आयरिश बैंड यू-2 के उद्घाटन कार्यक्रम ने दुनिया को पहली बार इस मंच की पूरी क्षमता से परिचित कराया। इसके बाद फिल्म निर्देशक डैरेन एरोनोफस्की की फिल्मपोस्टकार्ड फ्रॉम अर्थ ने यह स्पष्ट कर दिया कि स्फीयर सिर्फ संगीत या शो का मंच नहीं, बल्कि कहानी कहने और सिनेमा की भाषा को नए सिरे से गढ़ने का एक बिल्कुल नया माध्यम है। कुछ ही महीनों में बड़े आयोजनों और वैश्विक ब्रांड अभियानों ने इसे तकनीकी कौतूहल से आगे बढ़ाकर आर्थिक रूप से व्यवहार्य मंच बना दिया।

भव्यता के साथ आती चुनौतियां

इतनी विशाल और अत्याधुनिक संरचना अपने साथ चुनौतियां भी लाती है। अत्यधिक लागत और लगातार उच्च-स्तरीय कंटेंट की जरूरत इसे एक साहसिक और जोखिम भरा प्रयोग बनाती है। इतनी विशाल डिजिटल संरचना के संचालन के लिए भारी मात्रा में ऊर्जा की आवश्यकता होती है। पर्यावरणीय स्थिरता और शहरी नियोजन के संदर्भ में इस तरह की परियोजनाएं गंभीर समीक्षा की मांग करती हैं। हालांकि सौर ऊर्जा और सीमित प्रकाश मोड जैसे उपायों के जरिए इन समस्याओं को कम करने की कोशिश की जा रही है।

भविष्य की दिशा

स्फीयर यह संकेत देता है कि भविष्य का मनोरंजन निष्क्रिय नहीं होगा। आने वाले समय में प्रतिस्पर्धा केवल स्टेडियमों, सिनेमाघरों या शो की नहीं होगी, बल्कि उन अनुभवों की होगी, जो मानव मन और शरीर दोनों को गहराई से छू सकें। तकनीक तैयार है, मंच सजा हुआ है। अब चुनौती रचनात्मकता की है कि इस विशाल कैनवास पर हम कौन-सी कहानियां रचते हैं। क्योंकि जब तकनीक संस्कृति से मिलती है, तब इतिहास लिखा नहीं जाता, जिया जाता है।

भारतीय परिप्रेक्ष्यः अवसर और प्रश्न

भारत के संदर्भ में यह अनुभव कई अहम सवाल खड़े करता है। हमारे पास तकनीकी दक्षता, युवा प्रतिभा और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत-तीनों मौजूद हैं। सवाल यह नहीं कि भारत स्फीयर जैसी संरचना बना सकता है या नहीं, असली प्रश्न यह है कि क्या हम इसे केवल पश्चिमी मॉडल की नकल के रूप में अपनाएंगे या अपनी कला, मिथक, इतिहास, विज्ञान और भविष्य-दृष्टि को वैश्विक मंच पर नए रूप में प्रस्तुत करेंगे। यदि ऐसे केंद्रों को केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और शैक्षिक नवाचार के रूप में देखा जाए, तो वे पर्यटन, रोजगार और रचनात्मक उद्योगों में नई ऊर्जा भर सकते हैं।

जंगल की दुनिया

मंदारिन बत्तखः पंखों पर उतरती बसंत ऋतु

बसंत और ग्रीष्म ऋतु के आगमन के साथ ही प्रकृति मानो अपने सबसे चमकदार रंगों में सज उठती है और इसी रंगीन उत्सव का जीवंत प्रतीक है मंदारिन बत्तख। प्रजनन काल में नर मंदारिन बत्तख के पंख असाधारण रूप से आकर्षक हो जाते हैं। लाल, नारंगी, नीले, हरे और सफेद रंगों का अनूठा संयोजन इसे दूर से ही पहचानने योग्य बना देता है।

मंदारिन बत्तख सजीली कलगी, पंखों की विशिष्ट बनावट और चमकदार चोंच इसे दुनिया की सबसे सुंदर बत्तखों में स्थान दिलाती है। इसके विपरीत मादा मंदारिन अपेक्षाकृत साधारण होती है। उसके भूरे रंग के पंख और सादी चोंच उसे प्राकृतिक वातावरण में छिपने में मदद करते हैं, जो प्रजनन और सुरक्षा की दृष्टि से उपयोगी है। प्रजनन काल समाप्त होते ही नर मंदारिन के रंग भी फीके पड़ जाते हैं। उसके पंख भूरे और धूसर रंग के हो जाते हैं, जिससे वह मादा के समान दिखाई देने लगता है। यह परिवर्तन प्रकृति की उस व्यवस्था को दर्शाता है, जहां सौंदर्य केवल आकर्षण का माध्यम नहीं, बल्कि अस्तित्व और संतुलन का हिस्सा भी है। मंदारिन बत्तख का वैज्ञानिक नाम ऐक्स गैलेरिकुलता (Aix galericulata) है। इसकी पहचान सबसे पहले वर्ष 1758 में स्वीडिश वनस्पतिशास्त्री, चिकित्सक और प्राणी विज्ञानी कार्ल लिनिअस ने की थी।

अपने अद्वितीय रंगों और सीमित प्राकृतिक खतरों के कारण इसे अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (IUCN) की रेड लिस्ट में 'संकट मुक्त' श्रेणी में रखा गया है। सामान्यत: मंदारिन बत्तखें रूस, कोरिया, जापान और चीन के उत्तर-पूर्वी क्षेत्रों में प्रजनन करती हैं। समय के साथ इनका विस्तार पश्चिमी यूरोप और अमेरिका तक भी देखा गया है। भारत में इसका पहला रिकॉर्ड वर्ष 1902 में असम के तिनसुकिया जिले के रोंगगोरा क्षेत्र में, डिब्रू नदी के तट पर दर्ज किया गया था। चीन और जापान की मूल निवासी मंदारिन बत्तख न केवल जैव विविधता का अद्भुत उदाहरण है, बल्कि सांस्कृतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। नर मंदारिन के मनोहारी रंगों ने सदियों से कलाकारों को प्रेरित किया है।

वैज्ञानिक फैक्ट

मानव मस्तिष्क जला सकता है 20 वॉट का बल्ब

मानव मस्तिष्क अपनी जटिलता और शक्ति के कारण प्रकृति का सबसे अद्भुत अंग माना जाता है। यह लगातार विद्युत और रासायनिक प्रक्रियाओं के माध्यम से काम करता है। हमारे मस्तिष्क में लगभग 86 अरब न्यूरॉन्स हैं, जो निरंतर संदेशों का आदान-प्रदान करते रहते हैं। इस संचार प्रक्रिया में हर न्यूरॉन विद्युत आवेग (Electrical Impulse) उत्पन्न करता है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि मस्तिष्क द्वारा उत्पन्न कुल ऊर्जा लगभग 20 वॉट होती है, जो एक छोटे लैंप को जलाने के लिए पर्याप्त है। यह ऊर्जा केवल बिजली का उत्पादन नहीं करती, बल्कि हमारी सोचना, सीखना, याददाश्त और भावनाओं की गतिविधियों का आधार भी है।

न्यूरॉन्स में सूचनाओं का तेज आदान-प्रदान शरीर के हर अंग को नियंत्रित करता है। मस्तिष्क के इस नेटवर्क की जटिलता इतनी है कि एक ही समय में हम कई कार्य कर सकते हैं-सोच सकते हैं, निर्णय ले सकते हैं, समस्याओं का समाधान कर सकते हैं और शरीर की क्रियाओं को संतुलित रख सकते हैं। हालांकि यह विद्युत ऊर्जा हमारे प्रत्यक्ष उपयोग के लिए उपलब्ध नहीं है, फिर भी यह हमारे मस्तिष्क की अद्भुत कार्यप्रणाली और जैविक डिजाइन की शक्ति को प्रमाणित करती है। हर पल जब हम सोचते, याद करते या महसूस करते हैं, तब हमारे भीतर लगभग 20 वॉट की निरंतर ऊर्जा काम कर रही होती है। इस ऊर्जा का अध्ययन न केवल मानव मस्तिष्क की कार्यक्षमता को समझने में मदद करता है, बल्कि यह हमें जीवन की जटिल प्रक्रियाओं और हमारे शरीर के अद्भुत संतुलन का एहसास भी कराता है। मस्तिष्क का यह विद्युत नेटवर्क यह दर्शाता है कि सोचने और महसूस करने की क्षमता केवल जैविक मशीनरी का परिणाम नहीं, बल्कि प्रकृति की सटीक योजना और अद्भुत रचना का प्रतीक है।

आर्द्रभूमिः विज्ञान, जीवन और संस्कृति का संगम

भारतीय संस्कृति में प्रकृति को केवल संसाधन नहीं, बल्कि जीवनदायिनी और पूजनीय सत्ता के रूप में देखा गया है। जल, भूमि, वन और जीव-जंतु—सभी को धर्म, दर्शन और जीवन पद्धति से जोड़ा गया। इसी सांस्कृतिक दृष्टि का एक अत्यंत महत्वपूर्ण, लेकिन आज उपेक्षित पक्ष हैं आर्द्रभूमियां- तालाब, झीलें, सरोवर, नदी किनारे के दलदली क्षेत्र, बाढ़ के मैदान और तटवर्ती जलक्षेत्र। भारतीय सभ्यता के विकास, धार्मिक परंपराओं, सामाजिक जीवन और आजीविका में आर्द्रभूमियों की भूमिका केंद्रीय रही है। प्राचीन भारत में आर्द्रभूमियों को केवल जलस्रोत नहीं माना गया, बल्कि उन्हें सांस्कृतिक और आध्यात्मिक केंद्र का दर्जा प्राप्त था। वेदों में जल को जीवन का मूल तत्व कहा गया है- 'आप: प्राणा:'। ऋग्वेद, अथर्ववेद और उपनिषदों में जलाशयों, नदियों और सरोवरों की महिमा का विस्तार से वर्णन मिलता है। यह दृष्टि स्पष्ट करती है कि भारतीय संस्कृति में आर्द्रभूमियां जीवन के संरक्षण और संतुलन का प्रतीक रही हैं।

डॉ. जितेंद्र शुक्ला
वन्य जीव विशेषज्ञ

भारतीय धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं में आर्द्रभूमियों का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। देश के लगभग हर प्रमुख तीर्थ का संबंध किसी न किसी नदी, सरोवर या जलाशय से जुड़ा हुआ है। काशी में गंगा, प्रयाग में संगम, पुष्कर का सरोवर और अमृतसर का अमृत सरोवर इस तथ्य के जीवंत उदाहरण हैं। ये आर्द्रभूमियां केवल जल स्रोत नहीं थीं, बल्कि पूजा, तप, संस्कार और आत्मशुद्धि का माध्यम भी थीं। मंदिरों के साथ निर्मित पुष्करणी, कुंड और बावड़ियां स्थापत्य की उत्कृष्ट कृतियां होने के साथ-साथ सामाजिक और धार्मिक जीवन का अभिन्न अंग थीं।

भारतीय ग्रामीण जीवन की धुरी भी आर्द्रभूमियां ही रही हैं। गांव का तालाब सिर्फ पानी भरने की जगह नहीं था, बल्कि सामूहिक चेतना का केंद्र था। वहीं से सिंचाई होती थी, पशुओं को पानी मिलता था, मछली पालन होता था और अनेक लोक परंपराएं जन्म लेती थीं। छठ पूजा, कार्तिक स्नान, गंगा दशहरा और मकर संक्रांति जैसे पर्व सीधे तौर पर जल और आर्द्रभूमियों से जुड़े हुए हैं। ये उत्सव दर्शाते हैं कि भारतीय संस्कृति में जल केवल भौतिक आवश्यकता नहीं, बल्कि सांस्कृतिक पहचान था।

भारतीय दर्शन के पंचमहाभूत सिद्धांत में जल और पृथ्वी के संतुलन को जीवन का आधार माना गया है। आर्द्रभूमियां इसी संतुलन की जीवंत अभिव्यक्ति हैं, जहां जल और भूमि का समन्वय होता है। इसी कारण तालाब या सरोवर को पाटना पाप और जलाशय निर्माण को पुण्य कार्य माना गया। इतिहास भी इस सोच की पुष्टि करता है। मौर्य, गुप्त, चोल और विजयनगर काल में तालाबों और जलाशयों का व्यापक निर्माण हुआ। दक्षिण भारत का एरी सिस्टम, राजस्थान की जोहड़ और उत्तर भारत की बावड़ियां भारतीय समाज की वैज्ञानिक और सामुदायिक जल-संरक्षण परंपरा का प्रमाण हैं।

लोक साहित्य और परंपराओं में भी आर्द्रभूमियों की गहरी छाप दिखाई देती है। लोकगीतों और कथाओं में तालाब, कमल, मछली और पक्षियों का बार-बार उल्लेख मिलता है। दलदली जल में खिलने वाला कमल भारतीय संस्कृति में पवित्रता और सौंदर्य का प्रतीक बना। लक्ष्मी और सरस्वती जैसी देवियों का कमल पर विराजमान होना आर्द्रभूमियों के सांस्कृतिक महत्व को रेखांकित करता है।

आधुनिक विज्ञान जिन गुणों को आज आर्द्रभूमियों की विशेषता मानता है। जल संरक्षण, जैव विविधता, बाढ़ नियंत्रण और भूजल पुनर्भरण, उनका अनुभव भारतीय समाज ने सदियों पहले अपने जीवन में उतार लिया था। वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार आर्द्रभूमियां पृथ्वी की कुल भूमि का लगभग छह प्रतिशत क्षेत्र घेरती हैं, लेकिन इसके बावजूद विश्व की लगभग चालीस प्रतिशत जैव विविधता को प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहारा देती हैं। ये प्राकृतिक स्पंज की तरह कार्य करती हैं, जो अत्यधिक वर्षा के समय बाढ़ को नियंत्रित करती हैं और सूखे में नमी बनाए रखती हैं।

भूजल पुनर्भरण में भी इनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। जब आर्द्रभूमियां नष्ट होती हैं, तो इसका सीधा असर भूजल स्तर पर पड़ता है। इसके अलावा ये प्राकृतिक जल शोधन संयंत्र की तरह काम करती हैं। पौधे और सूक्ष्म जीव प्रदूषकों को अवशोषित कर जल को स्वच्छ बनाते हैं। जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में भी आर्द्रभूमियां कार्बन सिंक के रूप में महत्वपूर्ण हैं, विशेषकर मैंग्रोव और पीटलैंड क्षेत्र। दुर्भाग्यवश आधुनिक विकास की अंधी दौड़ में आर्द्रभूमियां अतिक्रमण, प्रदूषण और उपेक्षा का शिकार हो रही हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार पिछली एक सदी में विश्व की लगभग पैंतीस प्रतिशत आर्द्रभूमियां नष्ट हो चुकी हैं। जब तालाब सूखते हैं, तो केवल जल नहीं, बल्कि उससे जुड़ी संस्कृति, परंपरा और सामूहिक स्मृति भी समाप्त हो जाती है।

अंततः यह समझना होगा कि आर्द्रभूमियां प्रकृति का कोई अलग-थलग हिस्सा नहीं हैं, बल्कि वही कड़ी हैं, जो जल, भूमि, वायु और जीवन को एक सूत्र में बांधती हैं। यदि आर्द्रभूमियां सुरक्षित हैं, तो नदियां जीवित रहेंगी, भूजल स्थिर रहेगा, जैव विविधता फलती-फूलती रहेगी और जलवायु संतुलन बना रहेगा, लेकिन यदि इन्हें नजरअंदाज किया गया, तो विकास के सारे दावे खोखले साबित होंगे। इसलिए यह कहना अतिशयोक्ति नहीं कि आर्द्रभूमियों पर ही प्रकृति का संतुलन टिका है और उनका संरक्षण हमारे भविष्य की अनिवार्य शर्त है।

बाजार	सेंसेक्स	निफ्टी
बंद हुआ	82,566.37	25,418.90
बढ़त	221.69	76.15
प्रतिशत में	0.27	0.30

सोना 1,83,000
प्रति 10 ग्राम

चांदी 4,04,500
प्रति किलो

अमृत विचार
कानपुर, शुक्रवार, 30 जनवरी 2026
www.amritvichar.com

न्यूज ब्रीफ

एयर इंडिया ने बोइंग को 30 विमानों की खरीद का ऑर्डर दिया

हैदराबाद। एयर इंडिया ने 30 अतिरिक्त बोइंग विमानों की खरीद का ऑर्डर दिया है, जिसमें बीस 737-8 और दस 737-10 जेट शामिल हैं। एयर इंडिया ने बताया कि ये 30 विमान वर्ष 2023 में बोइंग को दिए गए 220 विमानों के ऑर्डर के अतिरिक्त हैं। इसके साथ ही बोइंग से एयर इंडिया द्वारा ऑर्डर किए गए विमानों की कुल संख्या 250 हो गई है। यह घोषणा विंग्स इंडिया 2026 कार्यक्रम के दौरान की गई, जहां केंद्रीय विमानन उड्डयन मंत्री के राममोहन नायडू भी मौजूद थे। नए ऑर्डर के बाद एयर इंडिया को बोइंग से कुल 198 नए विमान मिलने हैं।

आरबीआई ने 50,000 करोड़ की प्रतिभूति

मुंबई। रिजर्व बैंक ने बैंकिंग तंत्र में नकदी की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए जारी उपायों के तहत गुरुवार को खुले बाजार से 50 हजार करोड़ रुपये की सरकारी प्रतिभूति की खरीद की। यह पिछले दिनों की दो समान किस्तों में एक लाख करोड़ रुपये की सरकारी प्रतिभूति की खरीद का पहला किस्त है। दूसरे किस्त की खरीद 05 फरवरी को की जाएगी। केंद्रीय बैंक ने बताया कि उसने तीन साल से 27 साल की अवधि वाली प्रतिभूतियों की खरीद की जिन पर ब्याज की दर 6.22 प्रतिशत से 7.95 प्रतिशत तक है। दिसंबर से अबतक रिजर्व बैंक खुले बाजार से 3.50 लाख करोड़ रुपये की सरकारी प्रतिभूति खरीद चुका है।

एयरटेल 36 करोड़ ग्राहकों को देगा एडोब एक्सप्रेस की मुफ्त सेवा

नई दिल्ली। दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल ने 36 करोड़ ग्राहकों को एडोब एक्सप्रेस प्रीमियम की मुफ्त पहुंच देने की जानकारी दी है। इससे ग्राहक उच्च गुणवत्ता की सोशल मीडिया सामग्री, विपणन सामग्री, लघु वीडियो और अन्य सामग्री डिजाइन कर सकेंगे। यह कदम तब उठाया गया है जब एआई संचालित डिजाइन उपकरण लोकप्रियता हासिल कर रहे हैं। इससे भारतीय दूरसंचार संचालक अपने डिजिटल परिवेश में यूजर जुड़ाव को उच्च स्तर पर बनाए रखने के लिए वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनियों के साथ साझेदारी करने के लिए प्रेरित हो रहे हैं।

वैश्वीकरण का अंत करीब, स्वदेशी को टाल नहीं सकते

बजट सत्र: आर्थिक समीक्षा में समय की बर्बादी से बचने पर जोर, कहा- देश के लिए मैराथन को भी तेजी से दौड़ने जैसी स्थितियां

नई दिल्ली, एजेंसी

बढ़ते निर्यात नियंत्रण, विकसित देशों की ओर से प्रौद्योगिकी देने से इन्कार और कार्बन कर व्यवस्था वास्तव में वैश्वीकरण के अंत का संकेत दे रहे हैं। ऐसे में भारत में स्वदेशी नीतियों पर ध्यान देना अपरिहार्य और आवश्यक हो गया है। संसद में बृहस्पतिवार को पेश की गई आर्थिक समीक्षा में इस पर जोर दिया गया है।

वित्त वर्ष 2025-26 की आर्थिक समीक्षा में कहा गया है कि भारत को आयात प्रतिस्थापन, रणनीतिक मजबूती और रणनीतिक अनिवार्यता की अपनी निकट, मध्यम और दीर्घकालिक नीतिगत प्राथमिकताओं को एक साथ आगे बढ़ाना होगा। समय बर्बाद करने का कोई मौका नहीं है। यह एक ही समय में मैराथन और तेजी से दौड़ने जैसा है या मैराथन को तेजी से दौड़ना दौड़ना है। कहा गया कि वर्तमान में कोई भी देश ऐसे वातावरण में काम कर रहा है जहां कच्चा माल, प्रौद्योगिकी और बाजारों तक पहुंच को निर्बाध या स्थायी नहीं माना जा सकता है। निर्यात नियंत्रण, प्रौद्योगिकी प्रतिबंध, कार्बन सीमा तंत्र और पश्चिम एवं पूर्व दोनों देशों की औद्योगिक नीतियां सीधे तौर पर वैश्वीकरण के खात्मे का संकेत है।

समीक्षा में कहा गया है, ऐसी परिस्थितियों में स्वदेशी एक रक्षात्मक और आक्रामक नीतिगत साधन बन जाता है। यह बाहरी झटकों के बावजूद उत्पादन की निरंतरता सुनिश्चित करने का एक माध्यम है और आर्थिक संप्रभुता को सुदृढ़ करने वाली स्थायी राष्ट्रीय क्षमताओं के निर्माण का रास्ता साफ करता है। सवाल अब यह नहीं है कि राज्य को स्वदेशी को प्रोत्साहित करना चाहिए या नहीं, बल्कि यह है कि दक्षता, नवाचार या वैश्विक एकीकरण को कमजोर किए बिना ऐसा कैसे किया जाए।

मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट जारी की।

सोशल मीडिया के इस्तेमाल के लिए तय हो उम्र सीमा

नई दिल्ली। बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध के वैश्विक संकेतों का हवाला देते हुए सरकार की आर्थिक समीक्षा में बृहस्पतिवार को कहा गया कि ऑनलाइन मंच का इस्तेमाल करने के लिए उम्र आधारित सीमा पर विचार किया जाना चाहिए। साथ ही, डिजिटल लत से बचने के लिए ऑनलाइन शिक्षण में भी कटौती की जानी चाहिए।

समीक्षा में कहा गया कि बच्चों को हानिकारक सामग्री से बचाने के लिए शैक्षिक सामग्री तक पहुंच को सरल उपकरणों जैसे साधारण फोन या टैबलेट को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। इसके साथ उम्र आधारित पहुंच सीमा को लेकर नीतियों पर विचार किया जा सकता है, क्योंकि कम उम्र के उपयोगकर्ता अनिवार्य उपयोग और हानिकारक सामग्री के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं। मंच को उम्र के सत्यापन और उम्र के अनुरूप डिफॉल्ट सेटिंग लागू करने के लिए जिम्मेदार बनाया जाना चाहिए। यह विशेष रूप से सोशल मीडिया, जुए वाले एप, 'ऑटो-प्ले' फीचर्स और लक्षित विज्ञापनों के लिए अनिवार्य होना चाहिए।

व्यय संतुलन : केंद्र की तारीफ, राज्यों की लोकलुभावन योजनाओं पर चिंता

नई दिल्ली। आर्थिक समीक्षा में चिंता जताई गई है कि राज्यों की ओर से लोकलुभावन घोषणाओं, नकद अंतरण के कारण पूंजीगत व्यय प्रभावित होने से उनका राजस्व घाटा बढ़ रहा है। कहा गया कि राज्य स्तर पर किसी भी प्रकार की राजकोषीय अनुशासनहीनता का सीधा असर देश की उधारी लागत पर पड़ता है। कहा गया, जहां केंद्र ने रिकॉर्ड सार्वजनिक निवेश के साथ अपने खर्च को संतुलित रखा है, वहीं कई राज्यों में बढ़ते राजस्व घाटे और बिना शर्त नकद अंतरण वृद्धि को बढ़ावा देने वाले खर्च को प्रभावित कर रहे हैं, जो नए जोखिम पैदा कर रहे हैं। कई राज्यों में बिना शर्त नकद अंतरण योजनाएं तेजी से बढ़ रही हैं और अब राज्य-स्तरीय कल्याणकारी खर्च का एक बड़ा हिस्सा बन गई हैं। विशेष रूप से महिलाओं के लिए चल रही इन योजनाओं पर वित्त वर्ष 2025-26 में लगभग 1.7 लाख करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है।

जंक फूड के विज्ञापन सुबह से देर रात तक रोकने की सिफारिश

नई दिल्ली। अधिक वसा एवं चीनी वाले अत्यधिक प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों (यूपीएफ) की बढ़ती खपत पर गंभीर चिंता जताते हुए सुबह से देर रात तक इन उत्पादों के विज्ञापनों पर प्रतिबंध लगाने का सुझाव दिया है। कहा गया है कि शिशु और छोटे बच्चों के इस्तेमाल वाले दूध एवं पेय पदार्थों के विपणन पर भी सख्त पाबंदियों की जरूरत है। उच्च वसा, चीनी और नमक वाले खाद्य पदार्थों के लिए चेतावनी के साथ पैकेट के सामने वाले हिस्से पर पोषण संबंधी सूचना देने और बच्चों को लक्षित विपणन पर लगाम लगाने का सुझाव दिया गया है। यह भी सुनिश्चित करने को कहा गया है कि व्यापार समझौते किसी भी तरह से सार्वजनिक स्वास्थ्य नीतियों को कमजोर न करें। समीक्षा के मुताबिक, नुकसानदेह खाद्य उत्पाद (जंक फूड) के रूप में चिह्नित बर्गर, नूडल्स, पिज्जा एवं शीतल पेय का बढ़ता सेवन दुनियाभर में दीर्घकालिक बीमारियों को बढ़ावा दे रहा है। 2009 से 2023 के बीच भारत में यूपीएफ की खुदरा बिक्री 2006 के 90 करोड़ डॉलर से बढ़कर 2019 में लगभग 38 अरब डॉलर हो गई जो करीब 40 गुना अधिक है। इस दौरान पुरुषों और महिलाओं दोनों में मोटापा लगभग दोगुना हो गया।

यूरिया की कीमतों को बढ़ाने और किसानों को डीबीटी का सुझाव

नई दिल्ली। आर्थिक समीक्षा में यूरिया की खुदरा कीमत में मामूली बढ़ोतरी करने की बात कही गई है जो मार्च 2018 से 242 रुपये प्रति 45 किलो बैग है। इसके समान राशि किसानों को प्रति एकड़ आधार पर हस्तांतरित की जाएगी। कहा गया है कि लागत सब्सिडी से आय सहायता की ओर प्रस्तावित बदलाव का लक्ष्य उर्वरक के उपयोग में तीन दशक पुराने असंतुलन को ठीक करना है, जो मिट्टी की गुणवत्ता को खराब कर रहा है और फसल की पैदावार को कम कर रहा है। आर्थिक समीक्षा में बताया गया है कि भारतीय किसानों द्वारा इस्तेमाल किया जाने वाला नाइट्रोजन-फॉस्फोरस-पोटेशियम (एनपीके) अनुपात वर्ष 2009-10 में 4:3.2:1 से घटकर वर्ष 2023-24 में 10.9:4.1:1 हो गया है, जिसका मुख्य कारण सब्सिडी वाले यूरिया के माध्यम से अत्यधिक नाइट्रोजन का उपयोग है। कृषि संबंधी मानक अधिकांश फसलों और मिट्टी के प्रकारों के लिए 4:2:1 के करीब अनुपात का सुझाव देते हैं।

आशावादी आर्थिक समीक्षा से बाजार ने तेजी पकड़ी, सेंसेक्स 222 अंक मजबूत

मुंबई। टाटा स्टील एवं लार्सन एंड टुब्रो में जबर्दस्त खरीदारी और आर्थिक समीक्षा 2025-26 में अगले वित्त वर्ष के लिए 6.8 से 7.2 प्रतिशत का वृद्धि अनुमान जताए जाने से बृहस्पतिवार को स्थानीय शेयर बाजार लगातार तीसरे दिन चढ़कर बंद हुए। सेंसेक्स में 222 अंक की बढ़त रही जबकि निफ्टी 76 अंक बढ़ा।

बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स दोपहर के सत्र में बढ़ी लिवाली के दम पर 221.69 अंक यानी 0.27 प्रतिशत की बढ़त के साथ 82,566.37 अंक पर बंद हुआ। हालांकि, सुबह के कारोबार में यह 636.74 अंक टूटकर 81,707.94 अंक तक गिर गया था। वहीं, एनएसई का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी 76.15 अंक यानी 0.30 प्रतिशत चढ़कर 25,418.90 अंक पर बंद हुआ। सुबह के कारोबार में निफ्टी 25,159.80 अंक तक फिसल गया था। विश्लेषकों ने कहा कि वैश्विक बाजारों में तेजी और विदेशी कोषों के निवेश में बढ़ोतरी ने प्रमुख सूचकांकों को निचले स्तर से उबारने में मदद की।

देश में इंटरनेट इस्तेमाल करने वाले 95 करोड़ के पार

बेंगलुरु, एजेंसी

- ग्रामीण उपयोगकर्ताओं की संख्या 57 प्रतिशत, पिछले साल की तुलना में आठ प्रतिशत वृद्धि

ग्रामीण संपर्क में तेजी, शॉर्ट वीडियो के बढ़ते चलन और एआई के बढ़ते इस्तेमाल के कारण वर्ष 2025 में भारत में इंटरनेट का इस्तेमाल करने वाले लोगों की संख्या 95 करोड़ के पार पहुंच गई है। इंटरनेट एंड मोबाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया की ओर से बृहस्पतिवार को जारी रिपोर्ट में यह आंकड़ा दिया गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, सक्रिय इंटरनेट उपयोगकर्ताओं में से 57 प्रतिशत यानी लगभग 54.8 करोड़ ग्रामीण भारत से हैं। इन रुझानों पर आधारित 'इंटरनेट इन इंडिया रिपोर्ट 2025' को कर्नाटक सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी/बीटी और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की सचिव मंजुला एन की उपस्थिति में 'इंडिया डिजिटल समिट' में जारी किया गया। रिपोर्ट को 'इंटरनेट एंड मोबाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया' और कांतार ने संयुक्त रूप से तैयार किया है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत में अब 95.8 करोड़ सक्रिय इंटरनेट उपयोगकर्ता हैं। यह पिछले वर्ष की तुलना में आठ प्रतिशत वृद्धि है जो दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते डिजिटल बाजारों में भारत की स्थिति को और पुख्ता करती है। बताया गया है कि भारत में एआई का उपयोग तेजी से बढ़ा है। करीब 44 प्रतिशत लोग वॉयस सर्च, इमेज-आधारित सर्च, चैटबॉट और एआई फिल्टर जैसे फीचर्स का इस्तेमाल कर रहे हैं।

युवा कर रहे हैं सबसे ज्यादा एआई का इस्तेमाल

रिपोर्ट में कहा गया है कि युवाओं (15-24 वर्ष) में एआई का सबसे अधिक 57 प्रतिशत उपयोग देखा गया है। इसके बाद 25 से 44 वर्ष के लोग हैं, जिसमें 52 प्रतिशत लोगों ने एक साल के दौरान एआई का इस्तेमाल किया है। इसी तरह, शॉर्ट वीडियो मंच भी विकास के मुख्य चालक बनकर उभरे हैं। वर्ष 2025 में 61 प्रतिशत यानी लगभग 58.8 करोड़ इंटरनेट उपयोगकर्ताओं ने शॉर्ट-वीडियो देखे, जिनमें ग्रामीणों की संख्या शहरी लोगों से थोड़ी अधिक रही। ईकॉमर्स और डिजिटल आदतें रिपोर्ट में बताया गया है कि पारंपरिक ऑनलाइन बाजारों के अलावा अब 'क्विक कॉमर्स' और 'सोशल कॉमर्स' का चलन भी बढ़ रहा है। शहरी क्षेत्रों के 23 करोड़ लोगों ने एक साल में ऑनलाइन खरीदारी की।

केरल सरकार ने पेश किया चुनावी बजट

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी

- पेंशनभोगियों के लिए14,500 करोड़, आशा और आंगनबाड़ी वर्कर का मानदेय बढ़ाया

केरल के वित्त मंत्री केएन बालागोपाल ने विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए 2026-27 के लिए बृहस्पतिवार को जनकेंद्रित बजट पेश किया। इसमें सामाजिक सुरक्षा पेंशनभोगियों की मदद के लिए 14,500 करोड़ रुपये की भारी राशि और कई नए सामुदायिक कार्यक्रमों के वित्तपोषण का प्रस्ताव है।

मुख्यमंत्री पिनराई विजयन नीत दूसरी सरकार का छठा बजट पेश करते हुए बालागोपाल ने विधानसभा में मान्यता प्राप्त आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के मानदेय में 1,000 रुपये माह जबकि आंगनबाड़ी सहायकों के मानदेय में 500 रुपये की वृद्धि की घोषणा की। उन्होंने बताया कि प्राथमिक विद्यालय के पूर्व शिक्षकों और साक्षरता अभियान के प्रेरकों के वेतन में 1,000 रुपये प्रति माह की वृद्धि जबकि विद्यालय के रसोइयों की दैनिक मजदूरी में 25 रुपये प्रति दिन की बढ़ोतरी का प्रस्ताव है।

बजट में मुख्यमंत्री की स्त्री सुरक्षा योजना के लिए 3,700 करोड़ रुपये की घोषणा भी की गई है। इसके अलावा बजट में ग्रामीण रोजगार योजना के लिए पिछले वर्ष की तुलना में 1,000 करोड़ रुपये के आवंटन में वृद्धि, स्कूली बच्चों सहित सभी श्रेणियों के लोगों के लिए जीवन एवं स्वास्थ्य बीमा योजनाओं और कला एवं विज्ञान कॉलेज के छात्रों के लिए मुफ्त डिग्री शिक्षा की भी घोषणा की गई है। बजट में तिरुवनंतपुरम से कासरगोड तक क्षेत्रीय तीव्र पारगमन प्रणाली से संबंधित प्रारंभिक कार्यों के लिए 100 करोड़ रुपये के आवंटन की भी घोषणा की गई।

देश में औद्योगिक विकास को रोकने के लिए ट्रेड यूनियन नेता जिम्मेदार

घरेलू सहायकों के लिए न्यूनतम मजदूरी की मांग करने वाली याचिका खारिज की

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने घरेलू सहायकों के लिए न्यूनतम मजदूरी के व्यापक कानूनी ढांचे और इसे लागू करने की मांग वाली जनहित याचिका पर सुनवाई करने से यह कहते हुए बृहस्पतिवार को इन्कार कर दिया कि वह केंद्र और राज्यों को मौजूदा कानूनों में संशोधन पर विचार करने के लिए कहने वाला कोई आदेश जारी नहीं कर सकता। शीर्ष अदालत ने यह भी कहा कि देश में औद्योगिक विकास को रोकने के लिए ट्रेड यूनियनवाद काफी हद तक जिम्मेदार रहा है।

सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, देश में ट्रेड यूनियनों की वजह से कितनी औद्योगिक इकाइयां बंद हो चुकी हैं, जरा हकीकत बताइए।। देश के सभी पारंपरिक उद्योग, इन झंडा यूनियनों की वजह से पूरे देश में बंद हो गए हैं। वे काम नहीं करना चाहते। देश में औद्योगिक विकास को रोकने के लिए ये ट्रेड यूनियन नेता काफी हद तक जिम्मेदार हैं। सीजेआई ने कहा, निस्संदेह शोषण होता है, लेकिन शोषण से निपटने के उपाय भी हैं। लोगों को उनके व्यक्तिगत अधिकारों के बारे में अधिक जागरूक किया जाना चाहिए था, लोगों को अधिक कुशल बनाया जाना चाहिए था, और भी कई सुधार किए जाने चाहिए थे। देश भर में लाखों घरेलू सहायकों की दुर्दशा की बात को मानते हुए सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि न्यायपालिका कानूनों को लागू करने के लिए विधायिका के अधिकार क्षेत्र में अतिक्रमण नहीं कर सकती।

पीठ ने अपने आदेश में कहा, जब तक विधायिका से उपयुक्त कानून बनाने का अनुरोध नहीं किया जाता, तब तक कोई भी लागू करने योग्य आदेश पारित नहीं किया जा सकता। इस अदालत द्वारा ऐसा कोई निर्देश जारी नहीं किया जाना चाहिए। हालांकि, अदालत ने घरेलू सहायकों के संघ 'पेन थोजिलालार्गल संगम' समेत अन्य याचिकाकर्ताओं से राज्यों और केंद्र सरकार के समक्ष घरेलू सहायकों की दुर्दशा को उजागर करने का आग्रह किया ताकि इस मामले में उचित निर्णय लिया जा सके। अदालत ने कहा कि पत्राचार से पता चलता है कि राज्यों द्वारा इस पर सक्रिय रूप से विचार किया जा रहा है और हमें उम्मीद है कि उनकी सहायता और शोषण को रोकने के लिए एक उपयुक्त तंत्र तैनात किया जाएगा। पीठ ने इसके साथ जनहित याचिका का निपटारा कर दिया।

सेवा प्रदाता एजेंसियां श्रमिकों की वास्तविक शोषक

कोर्ट ने सेवा प्रदाता एजेंसियों द्वारा श्रमिकों के शोषण पर अफसोस जताते हुए कहा कि ये एजेंसिया शहरी क्षेत्रों में वास्तविक शोषक के रूप में उभरी हैं। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, 'मैंने इसे व्यक्तिगत रूप से देखा है। सुप्रीम कोर्ट ने कुशल कर्मचारियों के एक विशेष समूह को नियुक्त करने के लिए एक एजेंसी को 40,000 रुपये का भुगतान किया, जबकि वास्तव में उन गरीब लड़कियों को केवल 19,000 रुपये ही मिल रहे थे। सीजेआई ने कहा कि सभी प्रमुख शहरों में सेवा प्रदाता एजेंसियों ने पैर फैला लिए हैं। उन्होंने कहा, इनके लिए एक शब्द है, जिसका प्रयोग मैं खुले न्यायालय में नहीं कर सकता। सभी प्रमुख शहरों में ये बड़ी संस्थाएं मौजूद हैं, जो इन लोगों का शोषण कर रही हैं। असली शोषक यही हैं।

बिहार में एसआईआर के खिलाफ दायर याचिकाओं पर फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बिहार में एसआईआर की प्रक्रिया को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर बृहस्पतिवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। इन याचिकाओं में गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की ओर से दायर याचिका भी शामिल है। सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिबल, अभिषेक सिंघवी, प्रशांत भूषण और गोपाल शंकरनारायण सहित कई वकीलों की दलीलें सुनने के बाद सुनवाई पूरी की। इस मामले में निर्वाचन आयोग की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी और मनिंदर सिंह उपस्थित हुए। अदालत ने पिछले साल 12 अगस्त को इस मामले में अंतिम बहस शुरू की थी।

स्वाट कमांडो को पति ने मार डाला, भाई को फोन पर सुनाई चीखें

नई दिल्ली। दिल्ली में 27 वर्षीय महिला स्वाट कमांडो की उसके पति द्वारा निर्मम हत्या से पहले के क्षण और भी भयावह थे, जब पीड़िता का भाई फोन पर अपनी बहन की चीखें सुनकर भी कुछ नहीं कर पाया।

मृतका काजल चौधरी के भाई निखिल ने 22 जनवरी की उस भयावह घटना के बारे में कांपती आवाज में बताया, जब काजल के पति अंकुर ने भारी डंबल से उसके सिर पर वार किया था। उन्होंने कहा, अंकुर ने मुझे फोन पर बातचीत को रिकॉर्ड करने को कहा और कहा कि इसे पुलिस के लिए सबूत के तौर पर इस्तेमाल किया जा सकता है। फिर उसने मुझे बताया कि वह काजल को मार रहा है। और फिर, मैंने उसकी चीखें सुनीं।

दिल्ली पुलिस की विशेष प्रकोष्ठ में तैनात काजल, हमले के समय मोहन गार्डन स्थित अपने आवास पर थीं और वह चार महीने की गर्भवती थी। रक्षा मंत्रालय में क्लर्क उसके पति अंकुर को हमले के कुछ घंटों बाद गिरफ्तार कर लिया गया। वह दिल्ली छावनी में तैनात था। काजल ने पांच दिनों तक जीवन के लिए संघर्ष करने के बाद, 27 जनवरी की सुबह गाजियाबाद के एक अस्पताल में दम तोड़ दिया।

भाजपा के सौरभ जोशी बने चंडीगढ़ के महापौर

चंडीगढ़। भाजपा के पार्षद सौरभ जोशी बृहस्पतिवार को चंडीगढ़ नगर निगम के नये महापौर चुने गए। पार्टी ने वरिष्ठ उपमहापौर और उपमहापौर के पद भी जीत लिए।

त्रिकोणीय मुकाबले में जोशी को 18, आप के उम्मीदवार योगेश ढिंगरा को 11 वोट मिले, कांग्रेस के गुरप्रीत सिंह को सात वोट मिले। इस बार महापौर चुनाव के लिए कांग्रेस और आप ने गठबंधन नहीं किया। परिणाम के बाद, दोनों के बीच जुबानी जंग छिड़ गई, दोनों पार्टियों के नेताओं ने एक-दूसरे पर भाजपा की मदद का आरोप लगाया।

शंकराचार्य सदानंद सरस्वती सरकार पर भड़के, कहा-शासक नहीं, जनता के सेवक

भिंड। प्रयागराज माघ मेले से जुड़े प्रकरण को लेकर शंकराचार्य सदानंद सरस्वती महाराज ने भिंड में सरकार पर तीखा हमला बोला। भिंड जिले के खनेता धाम में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में सत्ताधारी शासक नहीं, बल्कि जनता के सेवक होते हैं। धार्मिक आस्था को दबाने या कुचलने का दुस्साहस किसी भी कीमत पर स्वीकार्य नहीं है।

भिंड जिले के खनेता धाम स्थित श्री रघुनाथ मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में शंकराचार्य ने प्रयागराज धरना प्रकरण को लेकर सरकार और प्रशासन के रवैये पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि हाल की घटनाएं यह दर्शाती हैं कि सत्ता के कुछ हिस्सों में खुद को सेवक नहीं बल्कि शासक समझने की प्रवृत्ति बढ़ रही है, जो लोकतंत्र और सनातन परंपरा दोनों के लिए घातक है। शंकराचार्य ने कहा कि प्रयागराज में गंगा स्नान से रोका जाना और ब्राह्मण विद्यार्थियों व साधु-संतों के साथ बल प्रयोग चूक नहीं, बल्कि आस्था पर सीधा प्रहार है। शंकराचार्य ने प्रयागराज की घटना को हठधर्मिता और संवेदनहीनता का प्रतीक बताया। शिखा पकड़कर मारपीट किए जाने की घटना पर कड़ा आक्रोश जताते हुए उन्होंने कहा कि शिखा हिंदू समाज की धार्मिक पहचान और आस्था का प्रतीक है। इसे पकड़कर अपमानित करना केवल एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि पूरे समाज का अपमान है।

एसआईआर: भारत के लिए खेल चुके फुटबॉलर को नोटिस, बोले- देश के लिए खेलना क्या व्यर्थ

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में एसआईआर के दौरान पूर्व अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल खिलाड़ी मेहताब हुसैन को सुनवाई के लिए तलब किया गया है जो भारत के लिए कई मैच खेल चुके हैं। देश के लिए करीब 30 मैच खेल चुके मेहताब हुसैन ने इस नोटिस पर गहरी व्यथा जताई है।

कोलकाता की दिग्गज टीमों मोहन बागान और ईस्ट बंगाल दोनों की कप्तानी कर चुके हुसैन ने देश का प्रतिनिधित्व कर चुके खिलाड़ियों को नागरिकता साबित करने की बाध्यता पर सवाल उठाया है। हुसैन को दक्षिण 24 परगना जिले के मल्लिकपुर के एक स्कूल में एक फरवरी को सुनवाई के लिए पेश होने का नोटिस मिला है। उन्होंने कहा कि वह इस समन से दुखी हैं। वह अभी यहां के पास न्यू टाउन में रहते हैं और मल्लिकपुर उनका पैतृक स्थान है और वह वहां के पंजीकृत मतदाता हैं। बताया जा रहा है कि उनकी मां से संबंधित दस्तावेजों में विसंगति पाए जाने के बाद नोटिस जारी किया गया था।

नाराजगी जताते हुए हुसैन ने कहा, मैंने राष्ट्रीय जर्सी पहनकर इतने मैच खेले हैं और देश के लिए अपना पसीना बहाया है। इसके बाद भी क्या मुझे यह साबित करने के लिए कतार में खड़ा होना पड़ेगा कि मैं भारतीय नागरिक हूं, क्या हमारा योगदान व्यर्थ हो गया। उन्होंने इस प्रक्रिया पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा, मेरे मामले को छोड़ दें तो ऐसे बुजुर्ग और गंभीर रूप से बीमार लोग भी हैं जिन्हें कतारों में खड़ा किया जा रहा है। कुछ लोग व्हीलचेयर पर आ रहे हैं। उन्हें अपनी नागरिकता साबित करने के लिए इतनी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। हुसैन से पहले तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और पूर्व क्रिकेटर और बंगाल रणजी टीम के कप्तान लक्ष्मी रतन शुक्ला को भी एसआईआर सुनवाई के लिए बुलाया गया था।

खरगे और राहुल से मिले थरूर, कहा-सब कुछ ठीक

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने नाराजगी की खबरों के बीच बृहस्पतिवार को पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी से मुलाकात की और कहा कि सब कुछ ठीक है तथा सब एकसाथ हैं।

संसद भवन स्थित खरगे के कार्यालय में यह मुलाकात हुई। थरूर ने इस मुलाकात को बहुत अच्छी, सार्थक और सकारात्मक करार दिया। उन्होंने कहा, सब कुछ ठीक है और हम सब एकसाथ आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री पद के लिए अपनी दावेदारी से इनकार करते हुए कहा कि यह उनके लिए कभी मुद्दा नहीं रहा।

राजकीय सम्मान के साथ अजित पवार का अंतिम संस्कार

बारामती, एजेंसी

- शाह-नवीन समेत कई नेता हुए शामिल गूंजे अजित दादा अमर रहे के नारे

महाराष्ट्र के पुणे जिले के बारामती में शोकाकुल लोगों ने बृहस्पतिवार को अपने नेता उपमुख्यमंत्री अजित पवार को अंतिम विदाई दी। पवार का अंतिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया गया। अंतिम विदाई के लिए आए लोगों से खचाखच भरे बारामती के विद्या प्रतिष्ठान मैदान में पवार के बेटों पार्थ और जय ने चिता को मुखाग्नि दी। इस दौरान 'अजित दादा अमर रहे' के नारे गूंजते रहे।

केंद्रीय मंत्री अमित शाह, नितिन गडकरी, मुरलीधर मोहोल, पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार और भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन राकांपा प्रमुख के अंतिम संस्कार में शामिल हुए। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भी मैदान में उपस्थित थे। बारामती पवार परिवार का गृहनगर है, जो पुणे से 100 किलोमीटर दूर है। अजित पवार के अंतिम संस्कार के लिए हजारों लोग एकत्रित हुए और जब उनके पार्थिव शरीर को राष्ट्रीय ध्वज में लपेटकर उनके गांव काटेवाडी से विद्या प्रतिष्ठान के मैदान में लाया गया। पुणे से करीब 100 किलोमीटर दूर बारामती हवाई पट्टी के पास बुधवार सुबह एक 'लियरजेट' विमान के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से अजित पवार की मृत्यु हो गई थी।

दुर्घटना में जान गंवाने वाले पायलट कैप्टन सुमित कपूर का दिल्ली के पंजाबी बाग श्मशान घाट और फ्लाइट अटेंडेंट पिंकी माली का मध्य मुंबई के शिवाजी पार्क श्मशान घाट में अंतिम संस्कार किया गया। पवार के निजी सुरक्षा अधिकारी विदिप जाधव का अंतिम संस्कार बुधवार देर रात सतारा जिले में उनके पैतृक स्थान पर किया गया।

विमान का ब्लैक बॉक्स बरामद : मुंबई। नागर विमानन मंत्रालय ने कहा कि बुधवार को दुर्घटनाग्रस्त हुए लियरजेट 45 विमान का ब्लैक बॉक्स बरामद कर लिया गया है। मंत्रालय ने कहा कि एएआईबी इस दुर्घटना की जांच तेजी से कर रहा है।

बारामती में राजकीय सम्मान के साथ किया गया अजित पवार का अंतिम संस्कार।

कोलंबिया में यात्री विमान हादसे का शिकार, 15 लोगों की गई जान

बोगोटा, एजेंसी

उत्तर-पूर्वी कोलंबिया में बुधवार को एक यात्री विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से जिसमें सवार सभी 15 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में कोलंबियाई सांसद डियोजेनेस क्विंटरो अमाया और एक अन्य नेता कार्लोस साल्सेडो भी शामिल हैं यह दुर्घटना तब हुई जब कोलंबियाई एयरलाइन सटेना द्वारा संचालित विमान बीचक्राफ्ट 1900 वेनेजुएला की सीमा के पास स्थित कुकुटा से ओकांया जा रहा था।

सटेना ने एक्स पर जारी एक बयान में कहा, सटेना एयरलाइन को यह बताते हुए गहरा दुख हो रहा है कि कुकुटा से ओकांया के लिए उड़ान भरने वाला बीचक्राफ्ट विमान, भीषण दुर्घटना का शिकार हो गया है। विमान में 13 यात्री और चालक दल के दो सदस्य सवार थे। इसमें एक कोलंबियाई सांसद और एक चुनावी प्रत्याशी शामिल थे। कोलंबिया के परिवहन मंत्रालय ने पुष्टि की है कि इस हादसे में कोई भी जीवित नहीं बचा है। विमान का मलबा एक दूरस्थ पहाड़ी क्षेत्र में मिला है, और घने जंगल के कारण खोज एवं बचाव कार्यों में काफी मुश्किलें आ रही हैं।

- विमान में 13 यात्री और चालक दल के दो सदस्य थे सवार

थाईलैंड में विमान क्रैश, दो की मौत

बैंकाक। थाईलैंड के उत्तरी शहर चियांग माई में एक प्रशिक्षण विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से गुरुवार को वायुसेना के दो पायलटों की मौत हो गई। सेना के प्रवक्ता एयर मार्शल जैक्रित थम्माविचाई ने बताया कि एटी-6टीएच वूल्वरिन हल्का हमलावर और टोही विमान चियांग माई हवाई अड्डे से लगभग 60 किमी दूर चोम थॉन्ग जिले में एक सैन्य प्रशिक्षण क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दो सीट वाले विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के कारणों की जांच की जा रही है।

देश के अर्थतंत्र का रोडमैप

केंद्रीय बजट

बजट शब्द की उत्पत्ति फ्रांसीसी शब्द बोगेट से हुई है, जिसका अर्थ है चमड़े का थैला। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 112 के तहत इसे वार्षिक वित्तीय विवरण कहा जाता है। सरल शब्दों में, यह सरकार की आगामी वित्तीय वर्ष (1 अप्रैल से 31 मार्च) के लिए अनुमानित कमाई (राजस्व) और खर्च (व्यय) का लेखा-जोखा है। बजट केवल आंकड़ों का खेल नहीं, बल्कि सरकार की प्राथमिकताओं का दर्पण है। यह बताता है कि सरकार देश के किन क्षेत्रों जैसे कृषि, रक्षा, शिक्षा या स्वास्थ्य को बढ़ावा देना चाहती है और इसके लिए धन कहां से आएगा। 1 फरवरी 2026 को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अपना लगातार नौवां बजट पेश करने जा रही हैं, जो भारतीय संसदीय इतिहास में एक महत्वपूर्ण कीर्तिमान है। आइए जानते हैं बजट कैसे बनता है, कौन बनाता है और आय-व्यय का अर्थशास्त्र..।

कहां से आता है धन

- प्रत्यक्ष कर : इसमें इनकम टैक्स और कॉर्पोरेट टैक्स से मिलने वाली आय शामिल होती है।
- अप्रत्यक्ष कर : इसमें सबसे बड़ा हिस्सा जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर) और सीमा शुल्क का होता है।
- गैर-कर राजस्व : पीएसयू (जैसे रेलवे, सेल) से मिला मुनाफा, आरबीआई से प्राप्त डिविडेंड और ब्याज।
- ऋण : जब खर्च कमाई से ज्यादा हो जाता है, तो सरकार कर्ज लेती है, जिसे राजकोषीय घाटा कहते हैं।

कैसे तैयार होता है बजट

- प्रारंभिक अनुमान (सितंबर-अक्टूबर) : वित्त मंत्रालय सभी मंत्रालयों और विभागों को सर्कुलर भेजकर उनके खर्चों का अनुमान मांगता है।
- बैठकें और चर्चा (नवंबर-जनवरी) : मंत्रालयों और विभिन्न हितधारकों (उद्योग जगत, किसान, अर्थशास्त्री) के साथ चर्चा की जाती है कि किसे कितना फंड चाहिए और टैक्स में क्या बदलाव होने चाहिए।
- हलवा सेरेमनी : बजट दस्तावेज की छपाई शुरू होने से पहले वित्त मंत्रालय में हलवा सेरेमनी होती है। इसके बाद बजट से जुड़े अधिकारी और कर्मचारी बाहरी दुनिया से कटकर 'नार्थ ब्लॉक' के बेसमेंट में तब तक रहते हैं जब तक बजट पेश न हो जाए।
- संसद में प्रस्तुति : 1 फरवरी को वित्त मंत्री लोकसभा में बजट भाषण देती हैं और बजट दस्तावेज पेश करती हैं।

कौन-कौन विभाग शामिल

- वित्त मंत्रालय : बजट का मुख्य जिम्मा वित्त मंत्रालय का होता है, जिसके अंतर्गत कई विभाग सक्रिय रहते हैं।
- आर्थिक मामलों का विभाग : आर्थिक मामलों का विभाग (डीईए) बजट बनाने वाला नोडल विभाग है।
- व्यय विभाग : यह खर्चों की निगरानी करता है।
- राजस्व विभाग : यह टैक्स, कमाई का हिसाब रखता है।
- नीति आयोग और आरबीआई : ये संस्थाएं आर्थिक परामर्श और डेटा प्रदान करती हैं।

विशेषताएं

- 2019 में निर्मला सीतारमण ने बजट को लाल कपड़े में लिपटे बही-खाता में लाना शुरू किया। 2021 से यह डिजिटल हो गया। मुख्य रूप से राजस्व बजट और पूंजीगत बजट पेश किए जाते हैं। वर्तमान बजटों में विकसित भारत और सबका साथ, सबका विकास की थीम पर जोर दिया जा रहा है।

वर्ल्ड ब्रीफ

चीनी नागरिक को अमेरिका में शरण

वाशिंगटन। अपने देश में मानवाधिकार हनन को उजागर करने वाले एक चीनी नागरिक को बुधवार को एक अमेरिकी आव्रजन न्यायाधीश ने अमेरिका में शरण की इजाजत दे दी। प्रवासियों के खिलाफ आव्रजन की कार्रवाई के दौरान हिरासत में लिए गए चीनी नागरिक ने आशंका जताई थी कि अगर उन्हें उनके देश वापस भेजा गया तो उन्हें चीन में यातनाएं झेलनी पड़ सकती हैं। चीनी नागरिक 38 वर्षीय गुआन हेंग ने 2021 में अवैध रूप से अमेरिका पहुंचने के बाद शरण के लिए आवेदन किया था। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन की ओर से जारी व्यापक निर्वासन अभियान के तहत अगस्त में आव्रजन प्रवर्तन अभियान में पकड़े जाने के बाद से गुआन हेंग हिरासत में हैं।

संग्रहालय से चोरी के मामले में एक गिरफ्तार

लंदन। दक्षिण-पश्चिम इंग्लैंड के एक संग्रहालय में भारत से लाई गई कई कलाकृतियों की चोरी के मामले की जांच के तहत गुरुवार को 41 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। एवन और समरसेट पुलिस ने बताया कि पिछले साल सितंबर में ब्रिस्टल संग्रहालय के ब्रिटिश साम्राज्य और राष्ट्रमंडल संग्रह से 600 से अधिक उच्च मूल्य की वस्तुएं चोरी होने के बाद उन्हें ठिकाने लगाने के संदेह में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि उसने पिछले महीने लोगों से सहयोग की अपील करते हुए चार श्वेत पुरुष संदिग्धों के सीसीटीवी फुटेज जारी किए थे।

नेपाल के पूर्व पीएम माधव अस्पताल में

काठमांडू। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री माधव कुमार नेपाल को हृदय संबंधी समस्या के कारण काठमांडू के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी (एनसीपी) के एक सूत्र ने गुरुवार को यह जानकारी दी। एनसीपी के उप-समन्वयक एवं पांच मार्च को होने वाले संसदीय चुनाव के लिए रौतहट-एक निर्वाचन क्षेत्र से उम्मीदवार माधव कुमार (72) को बुधवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया। उन्हें हृदय संबंधी समस्याएं हैं।

डेल्सी बने वेनेजुएला के कमांडर इन चीफ

काराकास। वेनेजुएला की सेना ने एक सैन्य समारोह के दौरान कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज के प्रति निष्ठा की शपथ ली और उन्हें औपचारिक रूप से कमांडर-इन-चीफ के रूप में मान्यता दी। समारोह में गृह, न्याय और शांति मंत्री डियोसडाडो कैबेलो ने राष्ट्र के सभी सुरक्षा बलों द्वारा सहमति प्राप्त एक संयुक्त बयान पढ़ा।

भविष्य की ऊर्जा को लेकर दुनिया की नजरें भारत पर टिकी : कैमेरा

रेजाक बेनिसेफ ने कहा, भारत विश्व की सबसे तेज उभरती अर्थव्यवस्था वाला देश

अनिल त्रिगुणायत, गोवा

अमृत विचार : जैसे जिंदगी के लिए जल अपरिहार्य है, वैसे ही मानव जीवन हेतु भविष्य की ऊर्जा भी अनिवार्य। ऊर्जा के बिना किसी भी देश का विकास अकल्पनीय। आज पूरी दुनिया तेल के खेल में यूं ही नहीं फंसी है। पारंपरिक ऊर्जा के स्रोत घट रहे हैं। ऐसे में समूचा विश्व नवीनीकृत ऊर्जा के स्रोतों की ओर ताक रहा है। भविष्य की ऊर्जा को लेकर विश्व आज भारत पर टकटकी लगाए हुए है। उक्त बातें गुरुवार को ऊर्जा विशेषज्ञों ने यहां एक विशेष गोष्ठी में कहीं।

गोवा के बेतुल गांव स्थित ओएनजीसी परिसर में भारत ऊर्जा सम्मेलन के तीसरे दिन वैश्विक ऊर्जा की दिशा-दशा विषय पर परिचर्चा में अंतर्राष्ट्रीय रिन्यूएबल ऊर्जा एजेंसी के महानिदेशक फ्रांसेस्को ला कैमेरा ने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर भारत पर आज दुनिया की नजर टिकी हुई है। करीब 140 करोड़ आबादी वाला देश अपारंपरिक ऊर्जा के क्षेत्र में आगे बढ़ चला है। ओपेक के ऊर्जा विशेषज्ञ डा. अब्दे रेज़ाक बेनिसेफ ने कहा कि तीव्र गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था और ऊर्जा क्षेत्र में भारत से दुनिया को काफी उम्मीद है। शंघाई सहयोग संगठन के उप महासचिव टी.डार मिथुन ने कहा कि तकनीकी क्षेत्र के अलावा ऊर्जा क्षेत्र में भारत के बढ़ते कदम दुनिया के लिए भी प्रेरणादायक है। अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा फोरम के महासचिव जस्सीम अल शिरावी ने कहा कि आने वाले दिनों में पारंपरिक ऊर्जा मांग/आपूर्ति में सामंजस्य नहीं बैठा पाएगी। क्योंकि विश्व की जनसंख्या लगातार बढ़ रही। ऐसे में अपारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर गंभीरता से कार्य करने की जरूरत। परिचर्चा में यूएई ऊर्जा मंत्री अहमद अल काबी, नीदरलैंड के जलवायु नीति मंत्री डा.माइकल हिज्ड्रा, डेनमार्क के राजदूत रास्मस एबल्सगार्ड क्रिस्टेनसेन तथा अमेरिकी ऊर्जा विभाग के सहायक सचिव काईले हॉस्टविट समेत अन्य ऊर्जा विशेषज्ञ भी रहे।

हरित हाइड्रोजन भविष्य का ऊर्जा विकल्प

विश्व में हरित हाइड्रोजन को गंभीरतापूर्वक बढ़ावा दिया जा रहा है। हाइड्रोजन उत्पादन में चीन का स्थान पहला है। चीन वैश्विक क्षमता के 50 प्रतिशत के साथ हरित हाइड्रोजन का उत्पादन कर रहा है, इसका सबसे बड़ा उपभोक्ता भी है। सऊदी अरब दुनिया की सबसे बड़ी हाइड्रोजन परियोजना का निर्माण कर रहा है। वहीं, भारत में आंध्र प्रदेश को हरित हाइड्रोजन का हब बनाया जा रहा है। हरियाणा के हिसार में देश का पहला आफ ग्रिड हरित हाइड्रोजन संयंत्र कार्य भी कर रहा। यूपी के गोरखपुर में देश का दूसरा हरित हाइड्रोजन संयंत्र लगाने का उपक्रम जारी है। जानते हैं, हरित हाइड्रोजन का उत्पादन इलेक्ट्रोलिसिस की प्रक्रिया द्वारा किया जाता है।

ऊर्जा क्षेत्र में भारत उभरता बाजार : पुरी

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि ऊर्जा के क्षेत्र में भारत एक बड़ा उभरता बाजार है। अपारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर यहां काफी कुछ किया जा रहा है। खाड़ी के देशों के अलावा एशिया पेसिफिक के देशों में भी भारत ने तेजी से पहुंच बनाई है। गुरुवार को प्रेसवार्ता में पेट्रोलियम मंत्री ने कहा कि विश्व की दिग्गज ऊर्जा कंपनियों ने ऊर्जा क्षेत्र में भारत में निवेश की प्रतिबद्धता जताई है। जिनमें टोटल एनर्जी, बीपी, विटो हुंडई, एचडी केएसओई, अकेर, लिजा टेक, इंटरनेशनल एनर्जी फोरम, एक्सलरेट, वुड मैकेंजी, ट्राफीगुरा, स्टेटसोली, प्राज, रिन्यू व एमओएल के अलावा वेदांता, अदानी, रिलायंस, बिरला, थापर, गैलेंट आदि शामिल हैं।

ईरान ने अपनी सेना में शामिल किए एक हजार लड़ाकू ड्रोन

तेहरान। ईरान ने गुरुवार को कहा कि उसने अपनी सैन्य इकाइयों में देश में बने एक हजार लड़ाकू ड्रोन शामिल किए हैं। ईरान की अर्ध-सरकारी तसनीम समाचार एजेंसी की रिपोर्ट में कहा गया है कि सेना प्रमुख अमीर हातेमी के आदेश पर थल सेना, नौसेना और वायु सेना को ये लड़ाकू ड्रोन दिए गए हैं। इन ड्रोनों को सेना के विशेषज्ञों और रक्षा मंत्रालय ने मिलकर बढ़ते खतरों से निपटने और पिछले साल इजराइल के साथ हुए 12-दिवसीय युद्ध से मिले सबक को देखते हुए विकसित किया गया है। ये जमीन, समुद्र और हवा में तय या चलते-फिरते लक्ष्यों पर हमला करने, घुसपैठ, विनाश, जासूसी, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध करने में सक्षम हैं।

हातेमी ने कहा कि भविष्य के खतरों को देखते हुए सेना ने अपनी रणनीति को मजबूत करने को प्राथमिकता दी है ताकि किसी भी हमले का करारा जवाब दिया जा सके। इस हफ्ते की शुरुआत में अमेरिका द्वारा मध्य पूर्व में एक विमान वाहक पोत वाले स्ट्राइक ग्रुप की तैनाती के बाद यह आपूर्ति की गई है। गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को कहा कि एयरक्राफ्ट कैरियर अब्राहम लिंकन के नेतृत्व में एक बहुत बड़ा बेड़ा ईरान की ओर बढ़ रहा है।

रणनीतिक साझेदारी को सुदृढ़ करेंगे चीन-ब्रिटेन

- स्टार्मर-शी जिनपिंग मुलाकात में संबंधों के सुधार पर जोर

बीजिंग, एजेंसी

ब्रिटेन और चीन के नेताओं ने बढ़ती वैश्विक अनिश्चितता के बीच दोनों देशों के संबंधों को मजबूत करने के लिए व्यापक रणनीतिक साझेदारी का आह्वान किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा हाल में उठाए गए कई कदमों को लेकर उत्पन्न परिस्थितियों के बीच बीजिंग में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर की गुरुवार को मुलाकात हुई। हालांकि शी और स्टार्मर ने सार्वजनिक रूप से अमेरिकी राष्ट्रपति का नाम नहीं लिया।

स्टार्मर ने जिनपिंग से कहा कि मेरे हिसाब से, ऐसे समय में जब दुनिया मुश्किल दौर से गुजर रही है, तब जलवायु परिवर्तन और वैश्विक स्थिरता जैसे मुद्दों पर मिलकर काम करना ही सही मार्ग है, जिसके जरिए हमें अपने रिश्तों को आगे बढ़ाना चाहिए। बीजिंग के ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल में दोनों नेताओं के बीच यह मुलाकात तय समय से दोगुने समय 80 मिनट तक हुई। यह बैठक ऐसे समय हुई है, जब कई वर्षों के तनाव के बाद दोनों देश अपने रिश्ते सुधारने की कोशिश कर रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में, खासकर ब्रिटेन में चीन की जासूसी गतिविधियों, यूक्रेन युद्ध में रूस के लिए चीन के समर्थन, और हांगकांग में स्वतंत्रता पर पाबंदियों को लेकर दोनों देशों के संबंधों में खटास आ गई थी। जिनपिंग ने कहा, पिछले कुछ वर्षों में चीन-ब्रिटेन के संबंध खास अच्छे नहीं रहे। तेजी से बदलते अंतर्राष्ट्रीय हालात में विश्व में शांति और स्थिरता के लिए चीन व ब्रिटेन को सहयोग मजबूत करने की जरूरत है।

बड़ी ताकतों को अंतर्राष्ट्रीय कानून का पालन करना चाहिए : जिनपिंग

शी जिनपिंग ने अमेरिका का नाम लिए बिना कहा कि बड़ी ताकतों को अंतर्राष्ट्रीय कानून का पालन करना चाहिए, वरना दुनिया फिर जंगलराज जैसी स्थिति में चली जाएगी। बैठक के बाद स्टार्मर ने कहा कि दोनों ने 'स्कॉच व्हिस्की' पर चीन द्वारा शुल्क कम करना और ब्रिटिश यात्रियों के लिए वीजा-मुक्त यात्रा शुरू करने समेत कई मुद्दों पर वार्ता में अच्छी प्रगति की है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ने कहा, दोनों के संबंध अच्छे दौर में हैं और मजबूत हैं।

निष्पक्ष चुनाव के बिना बांग्लादेश में अस्थिरता बढ़ेगी

ढाका। भारत में निर्वासन में रह रहीं बांग्लादेश की अपदस्थ नेता शेख हसीना ने उनकी पार्टी को चुनाव से बाहर किए जाने के बाद देश में होने जा रहे आगामी चुनाव की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि निष्पक्ष और समावेशी चुनाव के बिना देश में अस्थिरता बढ़ेगी। उनके इस बयान से आम चुनाव से पहले तनाव और बढ़ सकता है। शेख हसीना ने पिछले सप्ताह कहा कि यदि समावेशी, स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव नहीं हुए, तो बांग्लादेश को लंबे समय तक अस्थिरता झेलनी पड़ेगी। हसीना को 2024 के छात्र आंदोलन को कुचलने के जुर्म में मौत की सजा सुनाई जा चुकी है। उस कार्रवाई में सैकड़ों की जान चली गई थी और उनका शासन भी खत्म हो गया।

गाजा का संघर्ष सुलझाने में यूएस के प्रयास सराहनीय

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

- संयुक्त राष्ट्र में बोले भारत के राजदूत पर्वतनेनी हरीश

भारत ने गाजा में लंबे समय से जारी संघर्ष को खत्म करने के लिए अमेरिका (यूएस) के प्रयासों की सराहना की, साथ ही इस मुद्दे पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव के कार्यान्वयन के संबंध में हाल में हुई प्रगति पर भी ध्यान आकृष्ट किया। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत पर्वतनेनी हरीश ने बुधवार को ये टिप्पणी की।

हरीश ने पश्चिम एशिया की स्थिति पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की खुली बहस में अपने संबोधन में कहा कि गाजा संघर्ष को समाप्त करने के लिए, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 2803 के कार्यान्वयन के संबंध में हाल में हुई प्रगति पर भारत ने गौर किया है। भारत इस अवसर पर इस दीर्घकालिक मुद्दे को सुलझाने के लिए अमेरिका के प्रयासों के प्रति आभार भी व्यक्त करता है। पिछले साल नवंबर में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 2803 में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की 29 सितंबर को गाजा संघर्ष को समाप्त करने की व्यापक योजना का समर्थन किया गया था, जिसमें कहा गया है कि गाजा एक आतंकवाद-मुक्त क्षेत्र होगा जो अपने पड़ोसियों के लिए कोई खतरा नहीं पैदा करेगा और गाजा के लोगों के लाभ के लिए इसका पुनर्विकास किया जाएगा।

दक्षिण अफ्रीका में सड़क हादसा, 11 लोगों की गई जान

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के पूर्वी क्वाजुलु नताल प्रांत में मिनीबस टैक्सी और ट्रक की टक्कर से 11 लोगों की मौत हो गई। यह दुर्घटना दक्षिण अफ्रीका में एक दिन पहले ही एक मिनीबस टैक्सी और एक ट्रक की हुई सीधी भिड़ंत में 14 स्कूली बच्चों के मारे जाने के ठीक एक सप्ताह बाद हुई है।

प्रांतीय परिवहन विभाग के अधिकारी सिबोनीसो डुमा ने बताया कि गुरुवार को यह दुर्घटना पूर्वी क्वाजुलु-नताल प्रांत में हुई। हादसे में एक स्कूली छात्र सहित 11 लोगों की मौत हो गई। निजी पैरामेडिक सेवा एएलएस पैरामेडिक्स के प्रवक्ता गैरीथ जैमीसन ने बताया कि हादसे में कई अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिनमें मिनी बस का चालक भी शामिल है।

ग्रीनलैंड पर नाटो और अमेरिका में संधि नहीं

पेरिस, एजेंसी

- डेनमार्क की प्रधानमंत्री ने किसी भी समझौते से किया इनकार

डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिकसेन ने बुधवार को इस बात से इनकार किया कि नाटो और अमेरिका के बीच ग्रीनलैंड मुद्दे पर कोई समझौता हुआ है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावोस में विश्व आर्थिक मंच में दावा किया था कि उन्होंने ग्रीनलैंड पर नाटो के साथ एक समझौता किया है।

जब फ्रांस-2 टीवी चैनल के साथ साक्षात्कार में फ्रेडरिकसेन से इस संबंध में सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा, यह कोई समझौता नहीं है। फ्रेडरिकसेन ने कहा कि असल में एक राज्य संप्रभु होता है। उसकी सीमाओं का सम्मान किया जाना चाहिए और दूसरे लोगों के आत्मनिर्णय के अधिकार का सम्मान किया जाना चाहिए। फ्रेडरिकसेन ने कहा कि अगर ग्रीनलैंड में सैन्य साधनों का इस्तेमाल किया जाता है, तो सब कुछ रुक जाएगा। उन्होंने कहा कि यह उन सभी चीजों के खिलाफ होगा जो हम दूसरे विश्व युद्ध के खत्म होने के बाद से बना रहे हैं। फ्रेडरिकसेन बुधवार को ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री जेन्स-फ्रेडरिक नील्सन के साथ फ्रांस पहुंचीं। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने एक प्रेस वार्ता में कहा कि ग्रीनलैंड को लेकर अमेरिका के साथ बढ़ता तनाव पूरे यूरोप के लिए एक रणनीतिक चेतावनी है।

आयुष्मान योजना अंडमान सर्वश्रेष्ठ केंद्र शासित प्रदेश

श्री विजय पुरम। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत लाभार्थियों के उपचार श्रेणी में अंडमान और निकोबार द्वीप समूह को सर्वश्रेष्ठ केंद्र शासित प्रदेश का पुरस्कार दिया है। यह पुरस्कार योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के सम्मान स्वरूप प्रदान किया गया। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के मुख्य सचिव चंद्र भूषण कुमार ने कहा कि मैं योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए पूरी टीम की सराहना करता हूं। इस स्तर का सम्मान जनसेवा करते समय टीम को हमेशा प्रोत्साहित करता है। इस केंद्र शासित प्रदेश में योजना के 83,538 लाभार्थी हैं जिनमें 41,450 महिलाएं हैं।

आज का भविष्यफल

-डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 30 जनवरी, शुक्रवार 2026 संवत्-2082, शक संवत 1947 मास- माघ, पक्ष-शुक्ल पक्ष, द्वादशी 11.09 तक तत्पश्चात त्रयोदशी।

आज का पंचांग

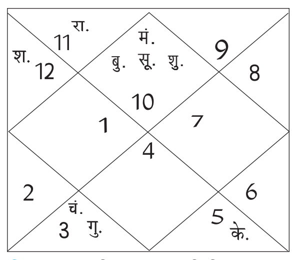

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- शिशिर।
चन्द्रबल- मेष, मिथुन, सिंह, कन्या, धनु, मकर।
ताराबल- अश्विनी, कृतिका, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र- आर्द्रा 31 जनवरी 03.27 तक तत्पश्चात पुनर्वसु।

मेष - आज अपनी मानसिक स्थिति को हर परिस्थिति में सकारात्मक रखें। घरेलू वातावरण अच्छा रहेगा। आपको स्वास्थ्य का ध्यान रखना चाहिए। व्यापारिक उद्देश्य से यात्रा हो सकती है। वाणी में हल्के शब्दों का प्रयोग करने से बचें।

वृष - आज विदेश यात्रा को लेकर परेशानी हो सकती है। संतान के प्रति अपना व्यवहार अच्छा रखें। धन प्राप्ति के योग बनेंगे। किसी महत्वपूर्ण निर्णय को लेकर जल्दबाजी न करें। घर के बुजुर्गों के स्वास्थ्य की चिंता हो सकती है।

मिथुन - आज पारिवारिक कार्यक्रमों में आप अत्यधिक व्यस्त हो सकते हैं। घर के सदस्यों की सुरक्षा की कुछ चिंता हो सकती है। विरोधी भी आपकी प्रशंसा करेंगे। आपके व्यवहार से सहकर्मी प्रसन्न रहेंगे। कार्यक्षेत्र में आपकी नेतृत्व क्षमता की लोग प्रशंसा करेंगे।

कर्क - आज व्यर्थ भागदौड़ करने से बचें। कानूनी अड़चनों का सामना करना पड़ सकता है। मन में अज्ञात भय का भाव रहेगा। आपकी दिनचर्या थोड़ी अव्यवस्थित हो सकती है। जीवनसाथी की सेहत का ध्यान रखें। आलस्य के कारण कुछ काम रुक सकते हैं।

सिंह - आज का दिन आपके लिए अत्यधिक अनुकूल रहने वाला है। आपको रुका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। इष्ट मित्रों के साथ अच्छा समय व्यतीत करेंगे। आपकी आर्थिक स्थिति अति उत्तम रहेगी। भौतिक सुख-सुविधाओं का आनंद लेंगे।

कन्या - आज सरकारी कार्यों में विलंब हो सकता है। आप कई लोगों को उचित सलाह देंगे, जिससे उन्हें लाभ होगा। लोग आपकी बातों से सहमत रहेंगे। कार्यक्षेत्र में आपको अतिरिक्त आय प्राप्त हो सकती है। परिवार के सदस्यों की चिंता रहेगी।

तुला - आज आप कुछ नया सीखने का प्रयास कर सकते हैं। पुराना रोग उभर सकता है। व्यवसाय में सहयोगियों के व्यवहार से आप व्यथित हो सकते हैं। जीवनसाथी का अनादर न करें। माता के स्वास्थ्य की चिंता हो सकती है। कार्यक्षेत्र में आपको सम्मान मिल सकता है।

वृश्चिक - आज का दिन शांतिपूर्वक बिताएं। दूसरों के मामलों में ज्ञान देने से बचें। विवादित मामलों में फंस सकते हैं। पति-पत्नी के आपसी संबंध प्रभावित होने की संभावना है। महिलाओं को स्वास्थ्य समस्या हो सकती है।

धनु - आज नए काम की शुरुआत कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपकी स्थिति मजबूत होगी। व्यवसाय में आय बढ़ने से मन हर्षित रहेगा। आपको पुराने अनुभव काफी काम आएंगे। भाई-बहनों के साथ संबंध बेहतरीन रहेंगे। परिवार के प्रति भावुक रहेंगे।

मकर - आज आप अत्यंत ऊर्जावान महसूस करेंगे। बच्चों की गलतियों को अनदेखा न करें। विरोधी आपके सामने समस्याएं खड़ी करने का प्रयास करेंगे। घर और कार्यक्षेत्र में कुछ इलेक्ट्रॉनिक उपकरण खराब हो सकते हैं। आपको सामाजिक प्रतिष्ठा में मान बढ़ सकता है।

कुंभ - आज गुप्त तरीके से किए गए कार्यों में सफलता मिलेगी। पारिवारिक समस्याओं का निराकरण होगा। सेहत को लेकर आपको थोड़ी कठिनाई होगी। आपकी कोई बहुप्रतीक्षित इच्छा पूरी हो सकती है। आय के साथ खर्च भी बढ़ने की संभावना है।

मीन - आज गलत कार्यों और संगति से दूर रहें। स्वार्थ की भावना के कारण लोग आपसे दूरी बना सकते हैं। धन खर्च करने के बजाय आपको बचत करनी चाहिए। प्रभावशाली लोगों को आपयश का सामना करना पड़ सकता है।

सुडोकू-46

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

3			4		8			
5			6				7	1
		9		2		6		
			8		6			5
	3	4				2	9	
1			9		2			
2		3		1		8		
6	7				4			3
			3		5			2

सुडोकू - 45 का हल

5	4	2	9	6	7	8	1	3
8	9	1	5	3	4	6	2	7
6	3	7	1	8	2	9	5	4
3	6	5	2	1	9	7	4	8
1	8	4	7	5	3	2	9	6
2	7	9	8	4	6	1	3	5
7	1	3	6	9	5	4	8	2
4	2	8	3	7	1	5	6	9
9	5	6	4	2	8	3	7	1

> यह सब मेरी कड़ी मेहनत का नतीजा है। लगातार मैच खेलने और ऐसी परिस्थितियों में बल्लेबाजी करने से मेरी मानसिकता बेहतर हो रही है। इसलिए मैं यहां समझने लग गया हूं कि आगे क्या होगा और गेंदबाज क्या सोच कर मेरे लिए गेंदबाजी करेगा।
> –शिवम दुबे

स्टेडियम

कानपुर, शुक्रवार, 30 जनवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

मेरी भूमिका रक्षात्मक गेंदबाजी करना और विकेट लेना है : सैंटनर

विशाखापत्तनम। न्यूजीलैंड के कप्तान और बाएं हाथ के स्पिनर मिचेल सैंटनर ने कहा कि टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में उनकी भूमिका रक्षात्मक गेंदबाजी करना, दबाव बनाना और विकेट लेना है तथा भारत के खिलाफ यहां चौथे टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में इस रणनीति का शानदार परिणाम देखना संतोषजनक रहा। सैंटनर ने इस मैच में 26 रन देकर तीन विकेट लिए। उन्होंने संजू सैमसन को बोल्ड करके उनकी परेशानियां बढ़ा दी और फिर हार्दिक पंड्या और जसप्रीत बुमराह के विकेट भी लिए। न्यूजीलैंड ने यह मैच 50 रन से जीता। सैंटनर ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा मुझे लगता है कि मेरा काम थोड़ा रक्षात्मक होकर गेंदबाजी करना और इस तरह से विकेट लेना है।

निचली अदालत की कार्यवाही पर कोई रोक नहीं : उच्च न्यायालय

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने बृहस्पतिवार को स्पष्ट किया कि पूर्व भाजपा सांसद बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ कई महिला पहलवानों द्वारा दायर यौन उत्पीड़न मामले में निचली अदालत की कार्यवाही पर कोई रोक नहीं है। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांत शर्मा ने यह बयान भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व प्रमुख की एफआईआर और उनके खिलाफ दर्ज आरोपों को रद्द करने की याचिका पर सुनवाई के लिए 21 अप्रैल की तारीख तय करते हुए दिया। याचिकाकर्ता के वकील द्वारा स्थगन का अनुरोध किए जाने पर न्यायाधीश ने याचिका पर सुनवाई स्थगित कर दी और अगली सुनवाई की तारीख पर निचली अदालत के रिकॉर्ड मंगवाए।

एरिगैसी की एक और हार, गुकेश ने एर्दोगमस को हराया

विक ऑन जी (नीदरलैंड्स)। भारत के शीर्ष रैंकिंग के खिलाड़ी अर्जुन एरिगैसी महत्वपूर्ण क्षणों में जर्मनी के विन्सेंट कीमर के कौशल का मुकाबला नहीं कर सके और उन्हें टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट में एक और हार का सामना करना पड़ा। विश्व चैंपियन डी गुकेश ने हालांकि युवा खिलाड़ी यागिज़ कान एर्दोगमस के खिलाफ जीत हासिल करके प्रतियोगिता में वापसी की। काले मोहरों से खेलते हुए गुकेश ने बाजी जीती। उनके अब संभावित 10 में से पांच अंक हो गए हैं।

शानदार पारी के दौरान शॉट लगाती यूपी वारियर्स की कप्तान मेग लानिंग।

यूपी ने आरसीबी को दिया 144 रनों का लक्ष्य

वडोदरा, एजेंसी

महिला प्रीमियर लीग

दीप्ति शर्मा (55) और कप्तान मेग लानिंग (41) की 74 रनों की शानदार साझेदारी के दम पर यूपी वॉरियर्स ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के 18वें मुकाबले में गुरुवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ आठ विकेट पर 143 का स्कोर बनाया।

आज यहां रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी दीप्ति शर्मा और मेग लानिंग की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 74 रन जोड़े। नौवें ओवर में एन डी

नडीन डी क्लर्क।

क्लर्क ने मेग लानिंग को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। मेग लानिंग ने 30 गेंदों में छह चौके और एक छक्का लगाते हुए 41 रन बनाये। इसके बाद आरसीबी के गेंदबाजी आक्रमण के आगे यूपी वॉरियर्ज के बल्लेबाज अधिक देर तक नहीं टिक सके और अपने विकेट गंवाते रहे। हरलीन देओल (14) और सिमरन शेख (10) रन बनाकर आउट हुई। दीप्ति शर्मा ने 43 गेंदों में छह चौके और एक छक्का लगाते हुए 55 रनों की पारी खेली। उन्हें एन डी क्लर्क ने आउट किया। यूपी वॉरियर्ज के छह बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। यूपी वॉरियर्ज ने निर्धारित 20 ओवरों में आठ विकेट पर 143 रन बनाये। आरसीबी के लिए एन डी क्लर्क ने चार विकेट लिये। ग्रेस हैरिस को दो विकेट मिले। श्रेयंका पाटिल और लॉरेन बेल ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

प्लेऑफ का टिकट कटाने उतरेंगी गुजरात और मुंबई की टीमें

वडोदरा। मौजूदा चैंपियन और दो बार की विजेता मुंबई इंडियंस की टीम शुक्रवार को जब गुजरात जायंट्स से भिड़ेगी तो दोनों प्लेऑफ में अपनी जगह सुरक्षित करने की कोशिश करेंगी। गुजरात जायंट्स इस मैच में जीत दर्ज करके लगातार दूसरी बार प्लेऑफ में जगह पक्की करना चाहेगा। गुजरात जायंट्स फिलहाल आठ अंकों के साथ अंक तालिका में दूसरे स्थान पर है और उसका नेट रन रेट –0.271 है। वह मुंबई इंडियंस (छह अंक, नेट रन रेट +0.146) और दिल्ली कैपिटल्स (छह अंक, नेट रन रेट –0.164) से दो अंक आगे है।

महिला ताज के लिए भिड़ेंगी सबालेंका और रिबाकिना

ऑस्ट्रेलियाई ओपन : लगातार चौथी बार फाइनल में पहुंचीं एरिना

मेलबर्न, एजेंसी

दो बार की चैम्पियन शीर्ष वरीयता प्राप्त एरिना सबालेंका ने एलिना स्वितोलिना को 6-2, 6-3 से हराकर लगातार चौथी बार ऑस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में प्रवेश कर लिया। अब उनका सामना एलेना रिबाकिना से होगा जिनके खिलाफ वह 2023 फाइनल खेली थी। रिबाकिना ने छठी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला को 6-3, 7-6 से हराया। सबालेंका ओपन युग में इवोन्ने गूलागोंग और मार्टिना हिंगिस के बाद लगातार चौथी बार आस्ट्रेलियाई ओपन एकल फाइनल में पहुंचने वाली तीसरी महिला खिलाड़ी है।

सबालेंका की पिछले 27 मैचों में से 26वीं जीत थी, जिससे वह पांचवें ग्रैंड स्लैम टाइटल के करीब पहुंच गईं। 27 साल की सबालेंका की इन चार सालों में एकमात्र हार पिछले साल के फाइनल में मैडिसन कीज से तीन सेट में चौंकाने वाली हार थी, जिससे उनका लगातार तीसरा ऑस्ट्रेलियन ओपन टाइटल जीतने का सपना टूट गया। सबालेंका का ताज फिर से जीतने का मौका पूर्व विंबलडन चैंपियन एलेना रिबाकिना के खिलाफ होगा, जिन्होंने दूसरे सेमीफाइनल में जेसिका पेगुला को हराया।

सबालेंका, जिन्होंने टूर्नामेंट में एक भी सेट नहीं गंवाया है, ने कहा काम अभी खत्म नहीं हुआ है। स्वितोलिना, जो अपना चौथा ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल खेल रही थीं, एक बड़ी अंडरडॉग के तौर पर उतरीं, लेकिन साल की अच्छी शुरुआत के बाद कॉन्फिडेंस के साथ उन्होंने आखिरी आठ में नंबर 3 कोको गॉफ को हराकर नई ऊंचाइयों को छुआ। लेकिन सबालेंका के जबरदस्त ग्राउंडस्ट्रोक्स के सामने उनका कोई चांस नहीं था, शायद उनका सबसे अच्छा बैकहैंड क्रॉसकोर्ट बुलेट था जिसने 41 मिनट का पहला सेट जीत लिया। मुश्किलों के बावजूद, स्वितोलिना ने दूसरे सेट में 2-0 की बढ़त बना ली, इससे पहले कि सबालेंका ने अपनी ज़बरदस्त हिटिंग फिर से शुरू की और एक ज़बरदस्त फोरहैंड विनर ने उन्हें लगातार चौथे फ़ाइनल में जगह दिलाई। इस बीच रायबाकिना ने पेगुला को हराकर 2023 ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल का रीमैच तय किया।

एरिना सबालेंका।

एलेना रिबाकिना।

> 2023 में सबालेंका के खिलाफ मुकाबला शानदार था। उस समय उसने बेहतर खेला और खिताब जीता। उम्मीद है कि इस बार मैं बेहतर खेल सकूंगी।
> **–एलेना रिबाकिना**

इतिहास रचना चाहते हैं नोवाक जोकोविच

मेलबर्न। पुरुष टेनिस के इतिहास में सबसे सफल खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में यानिक सिनर के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और वह खुद का इतिहास रचने पर ध्यान दे रहे हैं। अब तक रिकॉर्ड 24 ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीतने वाले जोकोविच जब सिनर के खिलाफ मुकाबले के संदर्भ में सवालों का जवाब दे रहे थे तब एक सवाल पर उन्हें अपमान महसूस हुआ। जोकोविच वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में रिकॉर्ड 11वां खिताब जीतने की कवायद में हैं।

जोकोविच से उस दौर से तुलना करने के लिए कहा गया जब उन्होंने टेनिस जगत में कदम रखा था तथा उस समय रोजर फेडरर और राफेल नडाल शीर्ष पर थे और अब जबकि सिनर और कार्लोस अल्काराज़ ने पिछले दो सत्र से उन्हें कोई भी ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने से रोक रखा है। जोकोविच ने सवालिया अंदाज में कहा मैं यानिक और कार्लोस का पीछा कर रहा हूं। किस अर्थ में। मैं हमेशा पीछा करने वाला खिलाड़ी ही रहा हूं। मेरा कभी पीछा नहीं किया जाता। उन्होंने कहा मुझे यह थोड़ा अपमानजनक लगता है कि आप उस दौर के बीच की घटनाओं को नजरअंदाज कर रहे हैं जब मैंने आपके अनुसार राफा और रोजर का पीछा करना शुरू किया था।

शॉट लगाते उत्तर प्रदेश के ध्रुव जुरेल। एजेंसी

जुरेल शतक से चूके यूपी ने बनाए 237 रन

नागपुर, एजेंसी

भारत के अंतरराष्ट्रीय स्टार ध्रुव जुरेल शतक से चार रन से चूक गए और उनकी टीम विदर्भ के खिलाफ रणजी ट्रॉफी ग्रुप ए के आखिरी लीग मैच में 237 रन पर आउट हो गई। विदर्भ के लिये बायें हाथ के स्पिनर हर्ष दुबे ने छह विकेट चटकाये। पहले दिन का खेल समाप्त होने पर विदर्भ ने बिना किसी नुकसान के 33 रन बना लिये थे। पहले बल्लेबाजी चुनने वाली उत्तर प्रदेश टीम के छह विकेट एक समय 109 रन पर गिर गए थे। इसके बाद जुरेल और शिवम मावी (47) ने सातवें विकेट के लिये 92 रन की साझेदारी की। जुरेल ने अपनी पारी में 11 चौके लगाए। विदर्भ के लिये दुबे ने 19.5 ओवर में 63 रन देकर छह विकेट लिए।

ग्रुप ए के एक अन्य मैच में सलेम में सुकीर्त पांडे के 222 गेंद में नाबाद 73 रन और निनाद राठवा के 112 गेंद में 66 रन की मदद से बड़ौदा ने तमिलनाडु के खिलाफ पांच विकेट पर 247 रन बनाए। दोनों ने पांचवें विकेट के लिये 85 रन की साझेदारी की। सुकीर्त ने अतीत सेठ (नाबाद 45) के साथ 90 रन जोड़े। सोविमा में एक अन्य मैच में विकेटकीपर बल्लेबाज चेतन बिष्ट के नाबाद 160 रन की मदद से नगालैंड ने आंध्र के खिलाफ छह विकेट पर 322 रन बनाये। बिष्ट ने अपनी पारी में 23 चौके और एक छक्का लगाया और डेगा निश्छल (74) के साथ पांचवें विकेट के लिये 167 रन जोड़े। जमशेदपुर में ओडिशा ने झारखंड के खिलाफ छह विकेट पर 242 रन बनाए।

मुंबई ने दिल्ली को 221 रनों पर समेटा

मुंबई। सनत सांगवान के शानदार शतक के बावजूद दिल्ली की टीम मुंबई के खिलाफ रणजी ट्रॉफी ग्रुप डी मुकाबले के पहले दिन बृहस्पतिवार को यहां अपनी पहली पारी में 221 रन पर सिमट गई। मुंबई के लिए मोहित अवस्थी ने 62 रन पर पांच विकेट चटकाकर बेहतरीन प्रदर्शन किया। मुंबई ने दिन का खेल खत्म होने तक एक विकेट पर 13 रन बना लिये थे। सांगवान ने 118 रन की पारी के साथ एक छोर संभाले रखा लेकिन उन्हें दूसरे छोर से किसी बल्लेबाज का अच्छा साथ नहीं मिला। उन्होंने मौजूदा सत्र अपनी तीसरी शतकीय पारी के दौरान 218 गेंद में 11 चौके और दो छक्के जड़े। इस 25 साल के बल्लेबाज ने वैभव कांडपाल (32) के साथ दूसरे विकेट के लिए 100 रन की साझेदारी की जिससे दिन की शुरुआत में दिल्ली की टीम मजबूत स्थिति में थी।

मुझे नहीं लगता कि बल्लेबाजों ने मेरी गेंदों को अच्छी तरह से समझ लिया : राशिद

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और श्रीलंका में अगले महीने से होने वाले टी20 विश्व कप तैयारियों में लगी अफगानिस्तान टीम के कप्तान राशिद खान के बल्लेबाजों द्वारा उनकी गेंदों को अच्छी तरह से परखे जाने की अवधारणा को खारिज करते हुए कहा कि उनके लिए सफलता की कुंजी नये प्रयोग से ज्यादा सटीक गेंदबाजी करना है। पिछले एक दशक में टी20 क्रिकेट में लेग स्पिनरों की भूमिका को नया आयाम देने वाले राशिद को गुजरात टाइटंस के लिए पिछले दो आईपीएल सत्र में अपेक्षाकृत कम सफलता

टी-20 विश्व कप
8 दिन शेष

मिली। इसके बाद उनकी गेंदबाजी को बल्लेबाजों के द्वारा समझ लेने को लेकर चर्चा शुरू हुई। राशिद ने रेड बुल के सहयोग से ''पीटीआई-वीडियो'' से बातचीत में कहा मुझे नहीं लगता कि मुझे अपनी विविधता या लाइन-लेंथ बदलने की जरूरत है। राशिद आईपीएल के 2023 सत्र में 17 मैचों में 27 विकेट के साथ सबसे सफल गेंदबाज रहे थे। उन्होंने हालांकि इसके बाद 2024 में 12 मैचों में 10 और 2025 में 15 मैचों में सिर्फ नौ विकेट लिये। इस दौरान उनका इकॉनमी रेट नौ रन प्रति ओवर से ऊपर चला गया। राशिद ने कहा कि टी20 क्रिकेट में मामूली गलती करने का बड़ा खामियाजा भुगतना पड़ता है। इस प्रारूप में लगातार सटीक गेंदबाजी करना ही सबसे अहम चीज है। कभी-कभी मेरी लाइन थोड़ी चूक जाती है, जिसमें मैं पहले काफी अच्छा था। चिंता की कोई बात नहीं है। जब भी मेरी लाइन-लेंथ सही नहीं रहती तब मेरे खिलाफ रन बनते हैं। राशिद ने कहा कि गेंदबाजों की पढ़े जाने की बात को अक्सर गलत तरीके से समझा जाता है। कोई गेंदबाज मिस्ट्री (अबूझ) से सफल नहीं होता, उसे सटीकता से सफलता मिलती है। सात फरवरी से शुरू होने वाले टी20 विश्व कप में अफगानिस्तान ग्रुप-डी में नेपाल, स्कॉटलैंड, वेस्टइंडीज और यूएई के साथ है। उन्होंने कहा कई गेंदबाज ऐसे हैं जिनके बारे में सबको पता होता है कि वे क्या करेंगे, फिर भी बल्लेबाज आउट हो जाते हैं। राशिद ने मिचेल स्टार्क का उदाहरण देते हुए कहा यह सबको पता होता है कि मिचेल स्टार्क नई गेंद से आमतौर पर इन-स्विंगर डालते हैं, फिर भी वह विकेट लेते हैं।

पाकिस्तान के टी20 विश्व कप के बहिष्कार की संभावना कम

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अपनी टी20 विश्व कप टीम के दो फरवरी की सुबह कोलंबो रवाना होने का कार्यक्रम तय कर दिया है जिससे टूर्नामेंट या 15 फरवरी को भारत के खिलाफ होने वाले अहम मुकाबले के बहिष्कार की किसी भी संभावना पर लगभग विराम लग गया है। बोर्ड से जुड़े सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पीसीबी ने विश्व कप टीम के दो फरवरी की सुबह कोलंबो रवाना होने के लिए पहले ही यात्रा की सभी तैयारियां कर ली हैं।

मनप्रीत भारतीय हॉकी टीम की सूची से बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय हॉकी के सबसे जाने-माने खिलाड़ियों में से एक और मध्यपंक्ति के दिग्गज खिलाड़ी मनप्रीत सिंह का नाम आगामी एफआईएच प्रो लीग सत्र से पहले सीनियर पुरुष राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के लिए चुने गए 33 संभावित खिलाड़ियों की सूची में शामिल नहीं है। हॉकी इंडिया ने गुरुवार को संभावित खिलाड़ियों की सूची घोषित की। प्रो लीग का सत्र अगले महीने राउरकेला में शुरू होगा।

कोच फुल्टोन ने कहा हॉकी इंडिया लीग के बाद हमें लगा कि टीम में बदलाव करने का यह सही समय है। हमने कुछ सीनियर खिलाड़ियों को आराम दिया है ताकि काम का बोझ संतुलित रहे, साथ ही उन खिलाड़ियों को भी मौका दिया है जिन्होंने अपनी मेहनत से यह मुकाम हासिल किया है। राउरकेला और होबार्ट में प्रो लीग के चरण चयन प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

संभावित टीम

गोलकीपर : पवन, सूरज करकेरा, मोहित शशिकुमार, प्रिंसदीप सिंह। **डिफेंडर :** अमित रोहिदास, जरमनप्रीत सिंह, संजय, हरमनप्रीत सिंह, जुगराज सिंह, सुमित, पूवन्ना चंदूरा बॉबी, यशदीप सिवाच, नीलम संजीप ज़ेस, अमनदीप लाकड़ा। **मिडफील्डर :** राजिंदर सिंह, मनमीत सिंह, हार्दिक सिंह, मोइरांगथेम रबीचंद्र सिंह, विवेक सागर प्रसाद, विष्णु कांत सिंह, राज कुमार पाल, नीलकांता शर्मा, रोसन कुजूर। **फॉरवर्ड :** अभिषेक, सुखजीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा, मनदीप सिंह, अरजीत सिंह हुंदल, अंगद बीर सिंह, उत्तम सिंह, सेल्वम कार्थी, आदित्य अर्जुन, मनिंदर सिंह।

साक्षात्कार

भारतीय हॉकी की दीवार कही जाने वाली सविता पूनिया ने कहा-परिवार के बलिदान नहीं गए बेकार

बारंबार अनदेखी के बाद पद्मश्री ने सारे मलाल मिटाए

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय टीम में आने के बाद भी दस साल तक बेरोजगार रही, खेलरत्न के लिए बारंबार अनदेखी हुई लेकिन भारतीय हॉकी की दीवार कही जाने वाली सविता पूनिया ने हिम्मत नहीं हारी और अब पद्मश्री मिलने के बाद उन्हें खुशी है कि परिवार के बलिदान बेकार नहीं गए।

तीन सौ से अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली पहली महिला हॉकी गोलकीपर सविता ने कहा मेरे परिवार ने मेरा संघर्ष देखा है और मेरी सफलता भी देखी है तो उनकी ख्वाहिश थी कि मुझे सम्मान मिलते भी देखे। पद्मश्री के लिये चुने जाने पर अब मेरा पूरा सफर फ्लैशबैक में घूम रहा है कि कहां से शुरू किया और कहां उतार चढाव आए। उन्होंने बताया कि 2003 में सातवीं कक्षा में पढ़ने के दौरान गांव के सरकारी स्कूल के शिक्षक के सुझाव पर पहली बार उनके पापा महेंद्र सिंह पूनिया सिरसा ट्रायल के लिये ले गए थे जहां उनका हॉकी में चयन हुआ।

सविता ने कहा मेरी मम्मी को गठिया बाव बीमारी थी और वह पूरी तरह से बिस्तर पर थी। मैं रसोई संभालती थी और नौकरी के साथ उनका पूरा काम पापा ही करते थे। ऐसे हालात में उन्होंने मुझे हॉकी खेलने के लिये भेजा। उस समय समझ नहीं आया लेकिन आज याद करती हूं तो उनके बलिदान समझ में आते हैं। वह भी ऐसे समय में जब लड़के और लड़कियों में इतना भेदभाव होता था। अपनी मां की हालत की वजह से सविता का मन हॉस्टल में नहीं लगा और उसने हॉकी छोड़ने का मन बना लिया लेकिन तत्कालीन कोच सुंदर सिंह खरब ने उन्हें गोलकीपर बनाने का सुझाव दिया लेकिन कहा कि गोलकीपिंग किट की व्यवस्था करनी होगी क्योंकि उनके पास दो ही किट का बजट था जो वे दे चुके थे। उस समय मेरे पापा ने 18000 रुपये में गोलकीपिंग किट खरीदी जो उनकी दो महीने की तनख्वाह थी। मैं उस दिन बहुत रोई क्योंकि मुझे पता था कि उन पैसों की क्या कीमत थी। मैंने उस दिन सोचा कि अब अपने माता-पिता के लिए भारतीय टीम में जगह बनाना है। मैं पापा को रिटर्न गिफ्ट देना चाहती थी। इसके बाद गोलकीपिंग ट्रेनिंग शुरू की और 2008 में पहली बार भारतीय टीम में चुनी गई जिसने उनके दादाजी को अलग तरह से प्रेरित किया। सिरसा से भारतीय टीम में आने वाली मैं पहली लड़की थी। अखबार में छपा था कि रणजीत सिंह पूनिया की पोती भारतीय टीम में चुनी गई। दादाजी पढ़े लिखे नहीं थे लेकिन उन्होंने 67 साल की उम्र पढ़ना सीखा ताकि वह खबर खुद पढ सकें।

10 वर्ष तक रहीं बेरोजगार, टूटने लगी थी हिम्मत

सविता ने कहा मैं 2008 में टीम में आई और 2018 तक बेरोजगार थी। वाकई हालात बहुत खराब थे चूंकि खेल में चोट का डर रहता है, उपकरण महंगे आते हैं। मुझे आज भी याद है जब मैं टीम के साथ पहली बार विदेश जा रही थी तब हवाई अड्डे पर पापा ने 5000 रुपये दिये और भाई ने कोने में ले जाकर दो हजार रुपये दिए जो वह अपने दोस्त से उधार लाया था। वह मेरे लिए दो लाख रुपये से कम नहीं थे। फिर 2018 में अर्जुन पुरस्कार मिला तो मेरी मां का पहला सवाल था कि क्या अब नौकरी मिल जाएगी। रिश्तेदार पूछते थे कि इतने साल से भारतीय टीम में है और अभी तक नौकरी नहीं मिली तो खेलने का क्या फायदा। पर परिवार का साथ मेरी प्रेरणा बना और मैने ठान लिया था कि कुछ बड़ा करना है।

खेलरत्न मिलने की थी काफी उम्मीदें

पद्मश्री से पहले सविता को खेलरत्न पुरस्कार मिलने की काफी उम्मीदें थी पर इतनी उपलब्धियों के बावजूद इस बार भी सूची में नाम नहीं आने से उनका दिल टूट गया था। टोक्यो ओलंपिक के बाद से मैने तीन बार खेलरत्न के लिये आवेदन किया लेकिन मिला नहीं। मैं पुरस्कारों को लेकर उतना नहीं सोचती लेकिन जब मेरे समान उपलब्धियों पर दूसरों को मिलता है तो लगता है कि मुझे भी अपने परिवार को यह खुशी देनी है। इस साल बहुत उम्मीद थी पर जब नाम नहीं आया तो दिल टूट गया। मैं 300 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेलने वाली पहली महिला गोलकीपर बनी थी और लगातार तीन बार एफआईएच की सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर चुनी गई। अब पद्मश्री मिलने के बाद दोनों परिवारों में खुशी का माहौल है। माता पिता को अर्जुन पुरस्कार समारोह में राष्ट्रपति भवन ले जाने वाली सविता अब ससुराल पक्ष को खुशी देना चाहती है।